2007 के सफल फामूर्ले के साथ 2027... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नागिन 7 में अपने डायलॉग डिलीवरी... 11

वर्ष - 01, अंक - 327 | गाजियाबाद / शनिवार 28 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

बांके बिहारी को लगा रंग, नाचते हुए पहुंचे भक्त

वृंदावन में विदेशियों ने भी खेली होली, कहा- मजा आ गया

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के वृंदावन में रंगभरी एकादशी पर शुक्रवार को अनोखा नजारा दिखा। बांके बिहारी जी को रंग और अबीर लगाने के साथ ही ब्रज की होली की शुरुआत हुई। मंदिर रंग-बिरंगे गुलाल में डूबा नजर आया। पुजारियों ने प्रसादी गुलाल भक्तों पर बरसाया। फूल, जलेबी और लड्डू लुटाए।

प्रसाद पाने के लिए भक्तों में होड़ मच गई। शरीर पर अबीर पड़ते ही भक्त खुशी से झूम उठे। बांके बिहारी जी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो उठा। अबीर से सराबोर भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। आशीर्वाद लिया। फिर बाहर आकर हवा में रंग और अबीर उड़ाया और एक-दूसरे को गुलाल लगाया।

इस दौरान वृंदावन की गलियां भक्तों से भरी रहीं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा है। अबीर गुलाल से रंगे भक्त ढोल-नगाड़ों पर झूम रहे हैं। आज ब्रज में होली रे रसिया गाने पर नाच रहे हैं।

बड़ी संख्या में भक्त वृंदावन की पंचकोसी परिक्रमा कर रहे हैं। कई भक्त अपने लड्डू गोपाल को गोद में लेकर आए हैं। महिलाएं भजन गा रही हैं। श्रद्धालु राधे-राधे बोलते हुए गुलाल उड़ाकर चल रहे हैं। इस बीच, राधा वल्लभ मंदिर से राधा कृष्ण का डोला निकला। बग्गी पर सवार होकर राधा कृष्ण के स्वरूप शहर में जगह-जगह होली खेलते हुए आगे बढ़ रहे हैं। अनुमान है कि करीब 10 लाख भक्त वृंदावन पहुंचे हैं। इससे पहले, गुरुवार को नंदगांव और बुधवार को बरसाना में लठमार होली खेली गई थी।

जेएनयू में बवाल के बीच फैकल्टी सदस्यों ने खोला मोर्चा

● प्रोफेसर क्रिस्टु दास का आमरण अनशन शुरू

नईदिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में बृहस्पतिवार को हुए बवाल के बाद छात्र संघ और शिक्षक संघ के खिलाफ अब फैकल्टी सदस्यों ने मोर्चा खोल दिया है। स्कूलों की तालाबंदी, छात्रों की पढ़ाई प्रभावित करने, तोड़फोड़ और हंगामे के विरोध में जेएनयू ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र के प्रोफेसर क्रिस्टु दास ने जेएनयू परिसर के साबरमती टी प्वाइंट पर आमरण अनशन बैठ गए है। प्रोफेसर के समर्थन में कई दूसरे फैकल्टी सदस्य और छात्र भी समर्थन के लिए मैदान में उतरे है। जेएनयू प्रोफेसर क्रिस्टु दास ने कहा कि यहां तीन अलग-अलग भूमिकाओं में आमरण अनशन पर बैठा हूं। पहला जेएनयू में इतिहास के पूर्व छात्र के तौर पर, दूसरा राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक के रूप में और तीसरा संकाय सदस्य के रूप में आमरण अनशन कर रहा हूं। परिसर में चल रही घटनाओं से सभी अवगत है। लाइब्रेरी में तोड़फोड़, उसके बाद छात्र संघ पदाधिकारियों के निष्कासन और फिर छात्र संघों ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। विश्वविद्यालय में हड़ताल के नाम पर कक्षाओं में जबरन ताला लगाकर जेएनयू छात्र के पदाधिकारी जेएनयू शिक्षक संघ के समर्थन से तोड़फोड़ और गुंडागर्दी कर रहे हैं।

फाइटर हेलिकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरने वाली मुर्मू पहली राष्ट्रपति

● कॉकपिट से देश को मैसेज- वीर सैनिकों को गर्व के साथ धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत

जैसलमेर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड में उड़ान भरी। वे हेलिकॉप्टर प्रचंड में बतौर को-पायलट उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति हैं।

राष्ट्रपति ने उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर के कॉकपिट से सैल्यूट किया। राष्ट्रपति मुर्मू इससे पहले लड़ाकू विमान सुखोई और राफेल में उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनी थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू सुबह करीब 9.15 बजे जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पहुंची थीं। सेना के अधिकारियों ने उन्हें हेलिकॉप्टर के बारे में ब्रीफिंग दी। इसके बाद राष्ट्रपति हेलिकॉप्टर के कॉकपिट में बैठीं।

फिर सुबह करीब 10.15 बजे ग्रुप कैप्टन एन.एस. बहुआ के साथ हेलिकॉप्टर में उड़ान भरी। हेलिकॉप्टर में 25 मिनट उड़ान के दौरान राष्ट्रपति ने सीमावर्ती क्षेत्रों और पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का हवाई जायजा लिया। जैसलमेर के सोनार दुर्ग के ऊपर 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर में उड़ान भरते हुए राष्ट्रपति ने रेडियो के माध्यम से देश के नाम संदेश दिया।

दिल्ली शराब घोटाले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने

पूर्व सीएम केजरीवाल सहित 23 बरी

● फैसले को चुनौती देगी सीबीआई ● फैसले के बाद केजरीवाल रोते हुए बोले- जिंदगीभर ईमानदारी कमाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को बहुचर्चित आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत कई अन्य को आरोप मुक्त कर दिया है। हालांकि अरविंद केजरीवाल को अभी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोई राहत नहीं मिली है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि प्रथम दृश्य कोई भी आपराधिक षड्यंत्र नहीं मिला है। कोर्ट सीबीआई मामले में सुनवाई कर रही थी। उधर, सीबीआई सूत्र के मुताबिक, सीबीआई इस फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट जाएगी। कोर्ट के बाहर केजरीवाल ने मीडिया से बात की, इस दौरान वे रोने लगे, उन्होंने कहा पिछले कुछ सालों से जिस तरह से बीजेपी शराब घोटाला, शराब घोटाला कर रही थी। हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी। आज कोर्ट ने सारे आरोप खारिज कर दिए और हम सबको डिस्चार्ज कर दिया। हम हमेशा कहते थे कि हमें भारतीय न्याय प्रणाली पर भरोसा है। मैं जज साहब का बहुत-बहुत शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने हमारे साथ न्याय किया। सत्य की जीत हुई। भगवान हमारे साथ है। मोदी जी और अमित शाह जी ने मिलकर आजाद भारत का यह सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा। आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े पांच नेताओं को जेल में डाल दिया। आज तक आजाद भारत के इतिहास में ऐसा नहीं हुआ। सिटिंग चीफ मिनिस्टर को घर से घसीटकर जेल में डाला गया और छह महीने तक जेल में रखा गया। हमारे उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी को दो साल तक जेल में रखा गया। हमारे ऊपर कीचड़ फेंका गया। 24 घंटे टीवी चैनलों पर डिबेट चलती थी। इतना कहते ही अरविंद केजरीवाल रो पड़े। उन्हें बाजू में खड़े मनीष सिसोदिया ने ढांढस बंधाया, इसके बाद केजरीवाल ने फिर बोलना शुरू किया।

झूठे केस करना उन्हें जेल में डालना ये प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता- उन्होंने कहा मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। इन्होंने झूठा केस लगाया। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार है। मनीष सिसोदिया कट्टर ईमानदार है, आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार है। मैं प्रधानमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि सत्ता के लिए इस तरह से खिलवाड़ मत कीजिए देश के साथ। इस तरह से संविधान के साथ खिलवाड़ मत कीजिए। आपको सत्ता चाहिए, अच्छे काम कीजिए। आज देश के सामने कितनी बड़ी समस्याएं हैं। महंगाई है, बेरोजगारी है, पूरे देश में सड़कें टूटी पड़ी हैं, चारों तरफ पॉल्यूशन ही पॉल्यूशन है, चारों तरफ देश में इतनी समस्याएं हैं उनका समाधान करके सत्ता में आइए न। केजरीवाल पर आम आदमी पर्टी पर झूठे केस क्यों करते हैं। अच्छा काम करके सत्ता में आइए। इस तरह के झूठे केस करना और चौबीस घंटे विपक्षियों पर ऊटपटांग झूठे केस करना उन्हें जेल में डालना ये प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। इससे देश आगे नहीं बढ़ता। देश तब आगे बढ़ेगा, जब जनता की समस्यों का समाधान किया जाएगा।

सीबीआई ने कहा-

दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेंगे

आबकारी नीति मामले में केजरीवाल समेत 23 आरोपियों को बरी किए जाने पर सीबीआई ने कहा- जांच के कई पहलुओं को या तो नजरअंदाज किया गया या पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ तुरंत दिल्ली हाई कोर्ट में अपील करेंगे।

यह 23 लोग हुए बरी

अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, के. कविता, दुर्गेश पाठक, कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण पिल्लई, मूथा गौतम, समीर महेंद्रू, अमनदीप सिंह ढल, अर्जुन पांडे, बुचिबाबू गोरंतला, राजेश जोशी, दामोदर प्रसाद शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद कुमार सिंह, चनप्रीत सिंह, अमित अरोरा, विनोद चौहान, आशीष चंद माथुर, शरत रेड्डी।

इंदौर में जहरीली गैस फैली, 5 की तबीयत बिगड़ी

लोगों को सांस लेने में परेशानी, उल्टियां हुईं, घरों से बाहर निकले

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र में गुरुवार रात अमोनिया गैस के रिसाव से इलाके में हड़कंप मच गया। गैस के असर से कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई, जिसके बाद दो महिलाओं समेत पांच लोगों को एहतियातन अस्पताल भेजा गया।

प्रशासन के मुताबिक सभी की हालत स्थिर है और कोई भी गंभीर नहीं है। सीएमएचओ डॉक्टर माधव हसनी ने बताया कि पांचों की हालत ठीक है। डीसीपी आनंद कालादगी ने बताया कि ककतपुरा पुल के नीचे शहजाद नाम के एक कबाड़ी द्वारा सिलेंडर काटा जा रहा था। इसी दौरान उसमें से अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस फैलते ही आसपास मौजूद लोगों को घबराहट और सांस लेने में परेशानी महसूस होने लगी। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि इस घटना में कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से प्रभावित नहीं हुआ है। सभी लोग सुरक्षित हैं।

● कबाड़ी दुकान में गैस सिलेंडर काटा जा रहा था- एक कबाड़ी की दुकान पर गैस से भरा सिलेंडर लाया गया था। बताया जा रहा है कि कबाड़ी सिलेंडर को काट रहा था, उसी दौरान उसमें भरी गैस रिसने लगी। गैस फैलते ही आसपास के लोगों को घबराहट और सांस लेने में परेशानी होने लगी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कबाड़ी को हिरासत में ले लिया। दमकल विभाग की टीम ने सिलेंडर को अपने कब्जे में लेकर मौके से हटाया।

2 दिन के इजराइल दौरे से लौटे पीएम मोदी

दोनों देशों के बीच 27 एमओयू और एग्रीमेंट हुए

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इज़राइल के ऐतिहासिक दो दिन के स्टेट विज़िट के बाद शुक्रवार रात 1 बजे भारत लौट आए। यह नौ साल में उनका पहला विजिट था। इस दौरान दोनों देशों ने अपने आपसी रिश्तों को एक स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक बढ़ाया। इस विज़िट के आखिर में इनोवेशन, कल्चरल एक्सचेंज, मैन्युफैक्चरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, इकोनॉमिक कोऑपरेशन, डिप्लोमेसी और सिक्योरिटी समेत अलग-अलग सेक्टर में 27 एमओयू और एग्रीमेंट पर साइन हुए। पीएम मोदी ने यह भी अनाउंस किया कि भारत और इजराइल जल्द ही एक-दूसरे के लिए फायदेमंद फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को फाइनल करेंगे।

मधुबनी मेडिकल कॉलेज का फरमान-

रमजान में साथ दिखे छात्र-छात्रा

...तो करा दिया जाएगा निकाह

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी मेडिकल कॉलेज का एक अजीबोगरीब और विवादित सर्कुलर इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। कॉलेज प्रशासन ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर छात्र-छात्राओं के साथ खड़े होने पर न केवल पाबंदी लगाई है, बल्कि उल्लंघन करने पर सीधे निकाह करा देने की चेतावनी दी है। इस तुगलकी फरमान के सामने आने के बाद संस्थान के छात्र-छात्राओं में हड़कंप मचा हुआ है।

मधुबनी मेडिकल कॉलेज के सर्कुलर में दी गई निकाह की चेतावनी- मिली जानकारी के अनुसार, मधुबनी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के हस्ताक्षर और मुहर के साथ जारी इस पत्र में रमजान के महीने का हवाला दिया गया है। सर्कुलर में स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि रमजान के पाक महीने के दौरान कोई भी लड़का और लड़की (कपल) एक साथ खड़े नहीं होंगे। अगर कोई छात्र-छात्रा एक साथ खड़े पाए जाते हैं, तो कॉलेज प्रशासन तुरंत उनका निकाह (विवाह) करा देगा।

वलीमा के खुद होंगे जिम्मेदार- कॉलेज के इस आधिकारिक लेटरहेड पर सख्त लहजे में चेतावनी दी गई है। पत्र में लिखा है, आपको सूचित किया जाता है कि रमजान का महीना चल रहा है। ऐसे में कपल के एक साथ खड़े होने पर मनाही है। अगर कोई एक साथ खड़ा नजर आया तो तुरंत उनका निकाह करा दिया जाएगा। अगर कोई इस सर्कुलर का उल्लंघन करता है, तो कपल अपने वलीमा (शादी के बाद का भोज) के लिए खुद जिम्मेदार होंगे।

सोशल मीडिया पर विरोध और प्रशासन की चुप्पी- जैसे ही यह सर्कुलर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोगों ने इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन बताते हुए विरोध शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन (डीएम) को सूचित कर दिया गया है। हालांकि, इस पूरे विवाद पर अब तक न तो कॉलेज प्रबंधन की ओर से कोई सफाई आई है और न ही जिला प्रशासन ने कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। फिलहाल सबकी नजरें कॉलेज की ओर से जारी इस सर्कुलर पर लगी हुई हैं।

रमजान के महीने में बागेश्वर धाम की पदयात्रा पर हैं अहमद खान

● सिर पर रामचरित मानस रखकर खाली पैर चल रहे

भोपाल/टीकमगढ़ (एजेंसी)। एमपी में रमजान के पवित्र महीने के बीच धार्मिक आस्था और सद्भाव का एक अनोखा उदाहरण सामने आया है। झांसी जनपद के टकटोली गांव निवासी अहमद खान सिर पर रामचरितमानस रखकर नंगे पैर बागेश्वर धाम की पदयात्रा पर निकले हैं। उनके साथ करीब 200 ग्रामीण, जिनमें महिलाएं और पुरुष शामिल हैं, यात्रा में सहभागी बने हुए हैं।

शुक्रवार को टीकमगढ़ पहुंचा काफिला- यह काफिला शुक्रवार को टीकमगढ़ जिले के पलेरा नगर पहुंचा, जहां स्थानीय लोगों और ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु प्रतिदिन लगभग 20 किलोमीटर पैदल चलकर रात्रि विश्राम करते हैं और अगली सुबह पुनः अपनी यात्रा शुरू कर देते हैं। कुल लगभग 90 किलोमीटर की यह यात्रा नंगे पैर पूरी की जा रही है।

40 साल पहले देखा था सपना- अहमद खान ने बताया कि उन्होंने करीब 40 वर्ष पहले यह सपना देखा था कि वे श्रीरामचरितमानस को सिर पर रखकर बागेश्वर धाम की यात्रा करेंगे, जो अब साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वहां पहुंचकर वे पूजा-पाठ करेंगे और लौटने के बाद अपना नया नाम 'साई राम' रखेंगे। साथ ही ग्रामीणों के सहयोग से अपने गांव में राधा-कृष्ण मंदिर निर्माण का संकल्प भी लिया है।

राष्ट्रीय सफाई आयोग में मनोनयन पर कर्म सिंह कर्मा का भव्य स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा दिल्ली प्रदेश के प्रभारी कर्म सिंह कर्मा को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सफाई आयोग का सदस्य मनोनीत किए जाने पर प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा अपनी पूरी प्रदेश टीम के साथ आयोग के राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे और फूलमाला व पगड़ी पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर मोहनलाल गिहारा ने कहा कि यह पूरे समाज के लिए गर्व का क्षण है और मोदी सरकार अनुसूचित जाति समाज के लोगों को सम्मानपूर्वक बड़े पदों पर स्थान दे रही है। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री रूपेश मेहरा, कार्यालय मंत्री सुमेश लिलोठिया, मीडिया प्रभारी राजू चंदेल, हेमंत धनवाड़िया, शिवा टॉक, ज्योति बडीवाल, लीला बहन, मनोज कुमार, महिपाल बिड़लन, माधव प्रसाद, गौरव असोलिया और प्रमिला टॉक सहित अनेक पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मनोनीत सदस्य कर्म सिंह कर्मा ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों में कार्यरत कच्चे सफाई कर्मचारियों को स्थायी कराना, दिल्ली नगर निगम व अन्य निकायों में नई भर्तियां सुनिश्चित करना और देशभर के सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई लड़कर उन्हें उनका हक दिलाना होगी।

निमंत्रण में नाम न होने पर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार करूंगा : श्री धिंगान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा पुरी से आप विधायक वीर सिंह धिंगान ने जीटीबी अस्पताल में आयोजित होने जा रहे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्यक्रम के बहिष्कार की घोषणा की है। श्री धिंगान ने आरोप लगाया कि प्रोटोकॉल के अनुसार जीटीबी अस्पताल उनके विधानसभा क्षेत्र में आता है, इसलिए वहां होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में क्षेत्रीय विधायक का नाम अनिवार्य रूप से होना चाहिए, लेकिन उनका नाम शामिल नहीं किया गया, जो अत्यंत शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि वह अनुसूचित वाल्मीकि समाज से आते हैं और जानबूझकर उनका नाम निमंत्रण पत्र में नहीं दिया गया, जबकि सीमा पुरी सुरक्षित सीट है और यह केवल उनका नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के मतदाताओं का अपमान है। श्री धिंगान ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब उनका नाम निमंत्रण पत्र से हटाया गया हो और पहले भी घटिया राजनीति के कारण क्षेत्र के दलितों का अपमान किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रशासन सरकार के दबाव में काम कर रहा है और चुने हुए जनप्रतिनिधि का नाम नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि वह अपने क्षेत्र के अस्पतालों में बेहतर सुविधाओं के लिए लगातार काम करते रहे हैं और आगे भी संघर्ष जारी रखेंगे। किसी निमंत्रण पत्र में नाम होने या न होने से उन्हें फर्क नहीं पड़ता, लेकिन अपने अधिकारों के लिए वह चुप नहीं रहेंगे।

जहांगीरपुरी में दूषित पानी से लोग बेहाल, जल्द समाधान की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहांगीरपुरी के आई, जे, के सहित कई ब्लॉकों में दूषित पानी की आपूर्ति से स्थानीय लोग गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आई व जे ब्लॉक के अध्यक्ष एवं जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम.एल. भास्कर ने बताया कि नलों से आने वाला पानी बदबूदार, मटमैला और पीने योग्य नहीं है, जिससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि नियमित बिल भुगतान के बावजूद स्वच्छ पेयजल नहीं मिल रहा और कई परिवारों को मजबूरी में टैंकर व बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। महिलाओं और बुजुर्गों ने बताया कि कई दिनों से पानी में गंदगी और सीवर जैसी दुर्गंध आ रही है तथा बच्चों व बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है। कुछ लोगों ने पेट दर्द, उल्टी और बुखार की शिकायत भी की है। एम.एल. भास्कर ने कहा कि संबंधित विभाग को कई बार शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द शुद्ध पानी की आपूर्ति शुरू नहीं की गई तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड और प्रशासन से पानी की गुणवत्ता की तत्काल जांच कराने, पाइप लाइन की सफाई कराने और क्षेत्र में नियमित स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

इंडियन रेलवेज ने जीती 72वीं सीनियर मेन्स नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप, महाराष्ट्र को 18 पॉइंट्स से हराया

वडोदरा (एजेंसी)। इंडियन रेलवेज ने शुक्रवार को वडोदरा के समा इनडोर स्टेडियम में महाराष्ट्र को फाइनल में 49-31 से हराकर 72वीं सीनियर मेन्स नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती। पीकेएल के सबसे सफल कप्तान सुनील कुमार के नेतृत्व में रेलवेज ने 8 पूल में बंटी 29 टीमों को शिकस्त दी, जिनके बीच पिछले चार दिनों में 54 मैच खेले गए। फाइनल तक पहुंचने से पहले रेलवेज ने चंडीगढ़ और कर्नाटक जैसी टीमों को हराया। फिर प्रो कबड्डी लीग के टॉप खिलाड़ियों में से एक असलम इनामदार की लीडरशिप वाली मजबूत महाराष्ट्र टीम पर अपनी निर्णायक जीत हासिल की।
टूर्नामेंट के आखिरी दिन चार टीमें एक्शन में थीं। इसकी शुरूआत उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र और इंडियन रेलवेज और चंडीगढ़ के बीच दो सेमीफाइनल मैचों से हुई। सेमीफाइनल में अपने-अपने विरोधियों को हराने के बाद रेलवेज और महाराष्ट्र फाइनल में पहुंचे। रेलवेज ने अपने शानदार ऑल-राउंड परफॉर्मेंस से दबदबा बनाया। पंकज मोहिते ने 12 रेड पॉइंट्स के साथ रेडिंग यूनिट को लीड किया, जबकि पीकेएल 12 में दबंग दिल्ली के.सी. को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले आशु मलिक ने आठ पॉइंट्स का योगदान दिया। रेडिंग यूनिट के साथ-साथ महाराष्ट्र के डिफेंस ने भी नतीजे में अहम भूमिका निभाई। 14 टैकल पॉइंट्स के साथ मैच खत्म किया। उत्तर प्रदेश के आठ टैकल पॉइंट्स थे, जो साफ तौर पर संघर्ष करते दिखाई दिए।

ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेल दिवस उत्साह के साथ संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल, रोहिणी में 26 और 27 फरवरी 2026 को दो चरणों में वार्षिक खेल दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। दो दिवसीय आयोजन में विद्यार्थियों ने विभिन्न अभ्यासों, दौड़ प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। पहले दिन के मुख्य अतिथि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक अजय वत्स रहे, जिन्होंने एशियाई खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीत हासिल कर देश का नाम रोशन किया है तथा राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में छह बार भारत का प्रतिनिधित्व किया है। कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक मार्च पास्ट से हुई, जिसके बाद सामूहिक अभ्यास, ट्रैक दौड़, जूनियर वर्ग की मनोरंजक दौड़ और अन्य प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। दूसरे दिन भी आयोजन उतना ही जीवंत और यादगार रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली पुलिस के सहायक आयुक्त अतुल सूद उपस्थित रहे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में रणधीर सैनी और युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलकांत शर्मा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यार्थियों ने प्रतिस्पर्धी दौड़, अभ्यास और मनोरंजक प्रस्तुतियों में पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और पूरा वातावरण तालियों की गूंज से भर उठा।

'देखो मेरी दिल्ली': डबल डेकर पर्यटक बस सेवा शुरू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी

-63 सीटर डबल डेकर आधुनिक सुविधाओं, उन्नत सुरक्षा व्यवस्था और पैनोरमिक अपर डेक से है लैस

-दिल्ली हाट- आईएनए से शुरू होगा सफर, ऑनलाइन और ऑफलाइन मिलेंगी टिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को रफी मार्ग से दिल्ली पर्यटन की अत्याधुनिक डबल डेकर इलेक्ट्रिक टूरिस्ट बस सेवा 'देखो मेरी दिल्ली' को हरी झंडी दिखाकर राजधानी के पर्यटन क्षेत्र में एक नई पहल की शुरुआत की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने संयुक्त रूप से डबल डेकर बस का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने इस पहल को सरकार की दूरदर्शी नीति और सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी मॉडल) के सफल क्रियान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री, मीडिया प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने डबल डेकर बस में सवार होकर रफी मार्ग से इंडिया गेट, अकबर रोड और तीन मूर्ति मार्ग होते हुए प्रधानमंत्री संग्रहालय तक यात्रा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल दिल्ली को आधुनिक और विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। दिल्ली अपनी ऐतिहासिक धरोहर के साथ-साथ भारत मंडपम, यशोभूमि, नया संसद भवन, सेंट्रल विस्टा और प्रधानमंत्री संग्रहालय जैसे आधुनिक प्रतिष्ठानों के कारण वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रही है। यह बस सेवा पर्यटकों को एक ही यात्रा में दिल्ली की विरासत और आधुनिकता का समग्र अनुभव प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' विजन से प्रेरित होकर हमारी सरकार दिल्ली में आधुनिक विकास को गति देने के साथ-साथ अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए समान प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि प्रगति और परंपरा, दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। उन्होंने आगे कहा कि शून्य-उत्सर्जन आधारित यह डबल डेकर ई-बस प्रधानमंत्री जी के इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए सतत विकास, हरित परिवहन और स्वच्छ पर्यटन को प्रोत्साहित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं, उन्नत सुरक्षा व्यवस्था और पैनोरमिक अपर डेक से सुसज्जित यह 63-सीटर बस पर्यटकों को आरामदायक और यादगार यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। साथ ही, यह कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नई सेवा के माध्यम से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को एक ही यात्रा में दिल्ली की विरासत और आधुनिकता का अद्वितीय अनुभव प्राप्त होगा। इससे राजधानी की स्वच्छ, हरित और गतिशील वैश्विक छवि और अधिक सुदृढ़ होगी।

ग्लोबल टूरिज्म मैप में स्थापित होगी दिल्ली: पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस का शुभारंभ केवल वाहन की शुरुआत नहीं, बल्कि दिल्ली को ग्लोबल टूरिज्म मैप पर मजबूती से स्थापित करने की ओर एक कदम है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में पर्यटन के क्षेत्र में विजन और सुविधाओं की कमी व पर्यावरण की अनदेखी, दिल्ली को ट्रांजिट सिटी तक सीमित कर रही थी। लेकिन अब मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में दिल्ली अब 'ट्रांजिट सिटी' से 'डेस्टिनेशन सिटी' बन रही है।

पर्यटन मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के उन चुनिंदा शहरों में है जहां 1,200 से अधिक स्मारक मौजूद हैं। यहां प्राचीन सभ्यता से लेकर ब्रिटिश कालीन विरासत और आधुनिक विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे तक का अद्वितीय अनुभव एक साथ मिलता है। इसी दृष्टि के साथ दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जैसे वैश्विक आयोजनों की योजना भी बनाई जा रही है, जिससे टूरिज्म, कॉन्सर्ट इकोनॉमी, लाइव एंटरटेनमेंट और क्रिएटर इकोनॉमी को नई गति मिलेगी। आने वाले समय में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए परिवहन को भी आधुनिक और इलेक्ट्रिक बनाया जाएगा।

विशेष है 'देखो मेरी दिल्ली' डबल डेकर बस

दिल्ली पर्यटन विभाग द्वारा हिंदुजा कंपनी के सहयोग से प्रारंभ की गई यह बस पूरी तरह से इलेक्ट्रिक तकनीक पर आधारित है। इस विशेष पर्यटन सर्किट का प्रारंभिक स्थल दिल्ली हाट, आईएनए निर्धारित किया गया है, जहां से प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे बस यात्रा आरंभ होगी। निर्धारित मार्ग के अंतर्गत बस विजय चौक, राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक, नेशनल म्यूजियम, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, प्रधानमंत्री संग्रहालय, नेशनल वॉर मेमोरियल और इंडिया गेट जैसे प्रमुख स्थलों से होकर दोबारा दिल्ली हाट, आईएनए पर आकर समाप्त होगी। यह सर्किट पर्यटकों को दिल्ली के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व के स्थलों का सुव्यवस्थित एवं आरामदायक अनुभव प्रदान करेगा।

कहां से मिलेगी डबल डेकर की टिकट

इस बस का किराया 500 रुपये के साथ 5 प्रतिशत जीएसटी भी जोड़ा गया है। पांच से दस वर्ष तक के बच्चे का किराया 300 रुपये और 5 प्रतिशत जीएसटी भी होगा। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे इस बस में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। इस बस की बुकिंग दिल्ली पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट www.delhitourism.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन की जा सकती है। इसके अलावा दिल्ली पर्यटन विभाग के निम्नलिखित सूचना केंद्रों से ऑफलाइन टिकट उपलब्ध होगी, जिनमें सेंट्रल रिजर्वेशन ऑफिस, कॉफी होम, बाबा खड़क सिंह मार्ग, हनुमान मंदिर के सामने, कनॉट प्लेस, आई-सेंटर (दिल्ली पर्यटन), बाबा खड़क सिंह मार्ग, कनॉट प्लेस, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय घरेलू हवाई अड्डा-टर्मिनल 1, ट्रांसपोर्ट ऑफिस, वेस्ट किदवई नगर, श्री अरबिंदो मार्ग, आईएनए मार्केट के सामने, दिल्ली हाट (आईएनए) के पास और ट्रैवल डिवीजन- दिल्ली हाट (आईएनए)।

'वन्दे मातरम् : भारत का गौरव' थीम पर पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) में सांस्कृतिक उत्सव 'प्रवाह-2026' का भव्य आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव 'प्रवाह-2026' राष्ट्रभावना, भारतीय संस्कृति और युवाओं की सृजनात्मक ऊर्जा का अद्भुत संगम बनकर उभरा। कार्यक्रम ने न केवल विद्यार्थियों में देश के लिए कुछ कर गुजरने का आत्मविश्वास जगाया, बल्कि उन्हें भारत के गौरवशाली भविष्य से जोड़ने का भी कार्य किया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री नलिनी अस्थाना ने अपने संबोधन में कहा कि महाविद्यालय वर्षों से भारतीय संस्कृति और सभ्यता को जीवंत बनाए रखने का सतत प्रयास कर रहा है। इस वर्ष की थीम 'वन्दे मातरम् = भारत का गौरव' इस सांस्कृतिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो सशक्त और स्वाभिमानी भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरणा देती है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रवींद्र गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि 'वन्दे मातरम्' केवल गीत नहीं, बल्कि वह मंत्र है जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देश में नवचेतना का संचार किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना और उनमें राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का भाव जागृत करना है। सांस्कृतिक समिति के संयोजक प्रो. हरीश अरोड़ा ने बताया कि वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस बार पूरे उत्सव को इसी भावना के केंद्र में रखा गया। यह राष्ट्रगीत भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है, जिससे युवाओं को जोड़ना समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ तनिष्का द्वारा गायत्री मंत्र के उच्चारण से हुआ, जबकि सारा ने गणेश वंदना पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुति दी। संगीत सोसाइटी षड्ज के विद्यार्थियों ने रामचरितमानस की चौपाइयों का सामूहिक गायन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। तुलिका के देशभक्ति गीत और कला संघ की नेहा चौहान के कथक नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डांस सोसाइटी तरंग की राजस्थानी लोकनृत्य प्रस्तुति भी विशेष आकर्षण रही। मंच संचालन डॉ. प्रियंका चटर्जी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मीनाक्षी यादव ने दिया। उत्सव के अंतर्गत 28 से अधिक अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं को 'रंगधरा', 'सुर संगम', 'संस्कृति', 'विमर्श', 'काव्यम', 'चित्रांजलि', 'झंकार', 'स्वर्णचित्र', 'योगोत्सव' और 'चित्र छाया' जैसे विशिष्ट नाम दिए गए, जो भारतीय सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त करते हैं।

कार्यक्रम की सफलता में सांस्कृतिक समिति के प्राध्यापकों, छात्र-छात्राओं और छात्र संघ की सक्रिय भागीदारी रही। कलांजलि समिति के अध्यक्ष जानवी राउत, उपाध्यक्ष तुषार पाण्डेय और वंशिता, सचिव शिवानी पासवान तथा अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया। छात्र संघ के सलाहकार डॉ. विपिन प्रताप सिंह सहित अनेक शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग उल्लेखनीय रहा। 'प्रवाह-2026' ने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, राष्ट्रभक्ति और युवाओं की रचनात्मक शक्ति को एक मंच पर प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिसर को उत्सवमय बना दिया। यह आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

नगर निगम के 176 कर्मचारी सेवानिवृत्त, सम्मान समारोह आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम के 176 कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए। सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, पीपीओ शीट और अवकाश नकदीकरण के चेक प्रदान किए गए। इसके साथ ही सभी जोन में भी सेवानिवृत्ति कार्यक्रम आयोजित कर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की गई। उनके सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए पौधे भी भेंट किए गए। इस अवसर पर नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और कर्मचारियों की सेवाओं की सराहना की।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने अकाल तख्त के जत्थेदार से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह के.पी., उपाध्यक्ष सरदार आत्मा सिंह लुबाणा, सदस्य सरदार भूपिंदर सिंह भुल्लर, सुखविंदर सिंह बब्बर सहित अन्य पदाधिकारी भी शामिल थे। मुलाकात के बाद सरदार कालका और सरदार काहलों ने बताया कि जत्थेदार ने 25 अक्तूबर को हुई कमेटी की जनरल हाउस बैठक के संबंध में पदाधिकारियों को बुलाया था। बैठक सकारात्मक माहौल में हुई, जिसमें पंथ से जुड़े मुद्दों और दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने जत्थेदार को अवगत कराया कि मौजूदा टीम पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और कौम की संस्थाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। गुरुद्वारों के प्रबंधन के साथ मानव सेवा के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी गई। उन्होंने बताया कि जत्थेदार ने सभी पक्षों की बात ध्यान से सुनने के बाद 13 अप्रैल को वैसाखी के बाद दिल्ली में सभी संबंधित पक्षों की संयुक्त बैठक बुलाकर आगे विचार-विमर्श करने की बात कही है।

वरदान अंतरराष्ट्रीय फि ल्म फेस्टिवल 2026 सफलतापूर्वक संपन्न, अंगदान देहदान पर जनजागरण का ऐतिहासिक प्रयास

नई दिल्ली (शिखर समाचार)
अंगदान और देहदान जैसे संवेदनशील, मानवीय एवं जीवनदायी विषय को जनआंदोलन का स्वर देने की दिशा में दधीचि देहदान समिति और संप्रेषण मल्टीमीडिया द्वारा आयोजित वरदान अंतरराष्ट्रीय फि ल्म फेस्टिवल 2026 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। फि ल्मों के माध्यम से अंगदान को सामाजिक चेतना का विषय बनाने का यह अभिनव प्रयास अपने प्रथम आयोजन में ही व्यापक सराहना और सकारात्मक संकेतों के साथ पूर्ण हुआ।
समापन समारोह से पूर्व विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट फि ल्मों और कलाकारों को सम्मानित किया गया। लघु फि ल्म श्रेणी में निलेश मांडलेवाला की फि ल्म काया द मिशन ऑफ लाइफ को सर्वश्रेष्ठ फि ल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी श्रेणी में थैंक्यू ज़िंदगी को द्वितीय तथा उमंग को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मिथ सराउंडिंग किडनी ने सर्वश्रेष्ठ वत्तचित्र का पुरस्कार जीता। सर्वश्रेष्ठ संगीत वीडियो का सम्मान रश्मि जैन के संगीत वीडियो एक धड़कन को मिला, जबकि निलेश मांडलेवाला का संगीत वीडियो अंगदान करवे रे मानव तू उपविजेता रहा। समापन समारोह के मुख्य आकर्षण सांसद, अभिनेता एवं गायक मनोज तिवारी रहे। उन्होंने चुनरिया झीनी रे झीनी की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर शरीर की नश्वरता का संदेश दिया और अंगदान तथा देहदान को महादान की संज्ञा दी। उनके उद्बोधन ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। दधीचि देहदान समिति के संरक्षक आलोक कुमार ने अपने समापन संबोधन में अंगदान और देहदान से जुड़े प्रेरक एवं मार्मिक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए फि ल्मों को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने वरदान फि ल्म फेस्टिवल को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने का संकल्प व्यक्त किया। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के साथ उन्होंने विजेताओं को सम्मानित किया।
वरिष्ठ पत्रकार एवं राष्ट्रीय फि ल्म पुरस्कार से सम्मानित समीक्षक अनंत विजय ने अपनी विशेष मार्गदर्शन कक्षा से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने पहले ही वर्ष में प्राप्त उत्साहजनक प्रतिसाद को ऐतिहासिक बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि अगले संस्करण में दो सौ से अधिक फि ल्म प्रविष्टियाँ प्राप्त होंगी।
सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को विशिष्ट गरिमा प्रदान की। पद्मश्री सम्मानित नृत्य गुरु नलिनी कमलिनी की शिष्याओं ने तिरंगा और तराना प्रस्तुतियों से वातावरण को देशभक्ति और सांस्कृतिक सौंदर्य से ओतप्रोत कर दिया। गजल गायक जाजम शर्मा की सुमधुर प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।
देहदान और अंगदान को समर्पित विश्व के पहले फि ल्म फेस्टिवल के रूप में वरदान ने सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह आयोजन न केवल सिनेमा की शक्ति को रेखांकित करता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि संवेदना, संस्कृति और सृजनशीलता के समन्वय से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सशक्त धारा प्रवाहित की जा सकती है।

आईआईएमसी के 57वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने की शिरकत, नए शैक्षणिक भवन का शिलान्यास

नई दिल्ली (शिखर समाचार)
भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), मानित विश्वविद्यालय के 57वें दीक्षांत समारोह का आयोजन आज इसके नई दिल्ली परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह पहला दीक्षांत समारोह था, जो संस्थान को जनवरी 2024 में मानित विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद उत्तीर्ण हुए बैच के लिए आयोजित किया गया। समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान में नए शैक्षणिक खंड का शिलान्यास भी किया, जो संस्थान के आधारभूत ढांचे के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि पत्रकारिता को चुनौतियों से आंखें नहीं मूंदनी चाहिए, लेकिन उसे राष्ट्र निर्माण और प्रगति के प्रयासों को भी समान रूप से रेखांकित करना चाहिए। उन्होंने पत्रकारिता, विज्ञापन और जनसंपर्क के विद्यार्थियों से कहा कि संचारक केवल समाचार नहीं देते, बल्कि वे आकांक्षाओं को आकार देते हैं, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को स्वर देते हैं और प्रगति को प्रेरित करने वाली कथाएं गढ़ते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सृजनात्मकता केवल व्यावसायिक साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और सकारात्मक रूपांतरण का माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि तकनीक, मंच और माध्यम समय के साथ बदलते रहेंगे, लेकिन पत्रकारिता और संचार के मूल मूल्य सटीकता, निष्पक्षता, ईमानदारी और जवाबदेही अटल और अनिवार्य रहने चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से उद्देश्यपूर्ण संवाद को अपनाने और आत्मविश्वासी व समावेशी भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आईआईएमसी देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक है, जहां से उत्तीर्ण विद्यार्थियों की नियुक्ति दर अत्यंत उच्च है और मीडिया उद्योग में उनकी व्यापक मांग है। उन्होंने घोषणा की कि आगामी शैक्षणिक सत्र से आईआईएमसी में पत्रकारों के लिए एक विशेष अध्येता कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा, जिसके माध्यम से प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और सामरिक विषयों में विशेषज्ञता विकसित की जा सकेगी। इससे शोध क्षमता और विषयगत दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने संस्थान में स्थापित नवाचार प्रोत्साहन केंद्र का भी उल्लेख किया और उन नवप्रवर्तक उद्यमों की सराहना की, जो भारतीय लोक कथाओं को प्रौद्योगिकी आधारित कहानी कहने के आधुनिक प्रारूप में परिवर्तित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में नई पीढ़ी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। दीक्षांत समारोह में देश के छह परिसरों के नौ स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के कुल 509 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर 35 पदक वितरित किए गए, जिनमें से 23 पदकों के साथ नगद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। श्रेणी और श्रेयांक प्रणाली के अंतर्गत अंकपत्र डिजीलॉकर के माध्यम से उपलब्ध करा दिए गए हैं। वर्तमान में आईआईएमसी आठ स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों तथा अनेक परास्नातक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से तीन नए परास्नातक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने की भी घोषणा की गई है। समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। औद्योगिक संगठनों की समस्याओं का निस्तारण करने के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक डीएम रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित इंद्रप्रस्थ योजना पॉकेट बी में सड़क चौड़ीकरण संबंधी प्रकरण पर अधिशासी अभियंता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त क्षेत्र की सड़क चौड़ीकरण कराए जाने संबंधी प्रस्ताव दिनांक 19 फरवरी 2026 को संपन्न प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में स्वीकृत हो गया है, जिसके अनुसार इंद्रप्रस्थ योजना पॉकेट बी के आर्वटियों से लिखित सहमति/शपथ पत्र प्राप्त करते हुए सड़क के चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। बैठक में उपस्थित उद्यमी द्वारा अवगत कराया गया कि प्राधिकरण द्वारा इंद्रप्रस्थ योजना पॉकेट बी में केवल एक तरफ की सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। दूसरी सड़क का निर्माण नहीं किया जा रहा है। उक्त पर मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद द्वारा होली पर्व के उपरांत संदर्भित क्षेत्र का स्वयं स्थलीय निरीक्षण/भ्रमण कर वस्तु स्थिति की जानकारी लेने हेतु कहा गया। ट्रांस दिल्ली सिगनेचर सिटी लोनी औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न सेक्टर में पूर्व में स्थापित पानी की टंकी के निर्माण/ पुनः संचालन के संबंध में सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं डीपीआर 15 अप्रैल

2026 तक तैयार कर ली जाएगी। दिल्ली सहारनपुर रोड पर पानी की निकासी एवं सड़क निर्माण के संबंध में नगर पालिका परिषद लोनी के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त क्षेत्र में पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था एवं सड़क निर्माण हेतु रुपए 32 करोड़ 65 लाख का अनुमोदन प्राप्त हो चुका है, जिससे शीघ्र ही कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि आगामी बरसात से पहले लोनी क्षेत्र में जल भराव, पानी की निकासी आदि समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। उद्योग कुंज औद्योगिक क्षेत्र गाजियाबाद में सड़क एवं नाली निर्माण के संबंध में उप महाप्रबंधक, सिविल प्रथम अप सीधा गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 1500 मी सड़कों का निर्माण तथा 3000 मी नालियों का निर्माण कराया जाना है, जिसके सापेक्ष लगभग 600 मीटर सड़क का निर्माण तथा 200 मीटर का निर्माण कराया जा चुका है, शेष कार्य प्रगति के अंतर्गत है। अतिरिक्त सभी प्रकरणों पर अध्यक्ष द्वारा सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को 15 दिन के अंदर त्वरित कार्यवाही करते हुए अनुपालन आख्या उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। उद्योग बंधु की बैठक में योगेश द्विवेदी, प्रवर्तन अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ की तरफ से उपस्थित रहे।

एसपी एन.पी. सिंह ने रिक्रूट आरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन का दिया संदेश

शामली (शिखर समाचार) नई पुलिस लाइन शामली में पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन में आरटीसी कर रहे रिक्रूट आरक्षियों के साथ एक विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आरक्षियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग, अनुशासित और ईमानदार रहते हुए जनता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी का दायित्व है कि वह कानून का अक्षरशः पालन करते हुए निष्पक्ष और संवेदनशील पुलिसिंग सुनिश्चित करे। पुलिस बल की छवि जनता के व्यवहार से बनती है, इसलिए आमजन के साथ शालीनता, संयम और सहयोगपूर्ण रवैया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने टीम भावना, आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक कार्यशैली को एक सफल पुलिसकर्मी की पहचान बताया। सम्मेलन के दौरान रिक्रूट आरक्षियों ने अपने प्रशिक्षण से जुड़े अनुभव साझा किए और वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। पुलिस अधीक्षक ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए, ताकि प्रशिक्षण प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रहे। आगामी होली और रमजान के मद्देनजर रिक्रूट आरक्षियों को विशेष रूप से ड्यूटी के लिए ब्रीफ किया गया। पुलिस अधीक्षक ने संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने, किसी भी प्रकार की अफवाह पर तत्काल नियंत्रण करने तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं पर नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसके लिए सभी को पूरी निष्ठा और सजगता के साथ कार्य करना चाहिए।

महाबली का गर्जन : गाजियाबाद में 26 हजार वर्ग मीटर में कट रही अवैध कॉलोनी जमींदोज

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने भूमाफियाओं और अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ अपना कड़ा रुख बरकरार रखते हुए शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने शाहपुर निज मोरटा क्षेत्र में लगभग 26000 वर्ग मीटर (करीब 6.5 एकड़) भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

विरोध के बावजूद चला पीला पंजा
प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के कड़े निर्देशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन 02 की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँची। ग्राम शाहपुर निज मोरटा के खसरा संख्या 629, 630, 631 व 632 पर शिवांक शर्मा और जितेन्द्र दत्त शर्मा द्वारा बड़े पैमाने पर मिट्टी भराई और ईंट चिनाई का कार्य कर अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी।

कार्यवाही के दौरान कॉलोनाइजरों और उनके समर्थकों ने टीम का भारी विरोध किया और काम रोकने की कोशिश की, लेकिन प्राधिकरण के दस्ते और पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली। देखते ही देखते बुल्डोजर ने अवैध रूप से बनाई गई सड़कों, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस को मलबे में तब्दील कर दिया।

नहीं दिखा पाए कोई भी वैध मानचित्र
मौके पर मौजूद निर्माणकताओं से जब कॉलोनी का स्वीकृत मानचित्र या कोई वैध साक्ष्य माँगा गया, तो वे कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद प्राधिकरण ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निर्माण को अवैध घोषित किया और ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया।

इन अधिकारियों की देखरेख में हुई कार्यवाही
यह बड़ी कार्यवाही प्रभारी प्रवर्तन जोन 02 के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुई। इस दौरान स्थल पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन 2 का समस्त स्टाफ और प्राधिकरण का भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संबंधित कॉलोनाइजरों के खिलाफ चालानी कार्यवाही भी की जा रही है। चेतावनीः जीडीए ने आम जनता से भी अपील की है कि किसी भी कॉलोनी में भूखंड खरीदने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि वह प्राधिकरण से स्वीकृत है या नहीं, अन्यथा उनके निवेश पर संकट आ सकता है।

त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट, एसीपी की अध्यक्षता में हुई क्रॉसिंग पर पीस मीटिंग

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। होली के महापर्व को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न करने के लिए गाजियाबाद में पुलिस अलर्ट मोड पर है। जगह-जगह सख्त चेकिंग अभियान चलाते हुए संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा पुलिस फ्लैग मार्च निकालते हुए लोगों से लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करने की अपील कर रही है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल की अध्यक्षता में थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पर पीस मीटिंग का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के सम्मानित लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। मीटिंग में उन्हें कहा गया कि वह त्योहार पर क्षेत्र के अंदर शांति बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। अगर कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दे। क्षेत्र का माहौल किसी भी स्थिति में बिगड़ने नहीं दे। एसीपी ने मीटिंग में कहा कि अगर किसी ने भी लॉ एंड ऑर्डर बिगाड़ते हुए माहौल खराब

करने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस के साथ क्षेत्र में फ्लैग मार्च भी किया। फ्लैग मार्च के दौरान एक बार पुनः लोगों से लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने की अपील की गई। आपको बता दे कि डासना मसूरी इलाके की संवेदनशीलता को समझते हुए उन्होंने वहां के सम्मानित व्यक्तियों के साथ गुरुवार को पीस मीटिंग की थी, जिससे क्षेत्र का माहौल शांतिपूर्ण बना रहे। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पर पीस मीटिंग के दौरान थाना अध्यक्ष क्रॉसिंग रिपब्लिक सरिता मलिक भी मौजूद रही।

छात्रा के अकाउंट पर अश्लील टिप्पणी कर स्क्रीन शॉट वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना हापुड़ देहात क्षेत्र की एक छात्रा के सोशल मीडिया अकाउंट पर अश्लील टिप्पणी कर उसका स्क्रीन शॉट वायरल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी सहपाठी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार हापुड़ के एक गांव निवासी छात्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह स्वामी विवेकानंद लॉ कॉलेज की छात्रा है। 16 फरवरी 2026 को उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी डाली थी। आरोप है कि उसकी कक्षा के सहपाठी शहजाद, निवासी थाना मुंडाली क्षेत्र, जिला मेरठ ने उक्त स्टोरी पर बेहद अश्लील और अभद्र टिप्पणी की। इतना ही नहीं, आरोपी ने उस टिप्पणी का स्क्रीन शॉट लेकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे छात्रा की छवि धूमिल हुई और उसे मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। पीड़िता की शिकायत पर थाना हापुड़ देहात पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शहजाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करने के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्रता, अश्लील टिप्पणी अथवा किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाले कृत्यों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आईएमएस गाजियाबाद में मार्कफेस्ट 2026 की धूम, 31 संस्थानों के 400 से अधिक विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा 19वें इंटर इंस्टीट्यूशनल मार्केटिंग कार्निवल मार्कफेस्ट 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के महासचिव सीए (डॉ.) राकेश छरिया, निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर, मुख्य अतिथि विशाल सिंह (वीपी एजेंसी एवं एडवरटाइजर पार्टनरशिप्स ग्लोबल मीडिया), विशिष्ट अतिथि आरजे राहुल माकिन (प्रोग्रामिंग हेड पंजाबी फीवर फीवर एफएम) तथा विभागाध्यक्ष डॉ. स्वर्णलिपि सहा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम नवाचार, रचनात्मकता और प्रबंधन कौशल का सशक्त मंच साबित हुआ, जहां विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निदेशक डॉ. जसकिरण कौर ने कहा कि मार्केटिंग केवल उत्पाद बेचने की कला नहीं, बल्कि विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को नेतृत्व, नवाचार और टीमवर्क की वास्तविक सीख देते हैं। मुख्य अतिथि विशाल सिंह ने डिजिटल युग में ब्रांडिंग के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज ब्रांड और उपभोक्ता के बीच भावनात्मक जुड़ाव सबसे महत्वपूर्ण है। वहीं आरजे राहुल माकिन ने युवाओं को रचनात्मकता के साथ निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश दिया। मार्कफेस्ट 2026 के अंतर्गत छह प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप, हाटोपिया (फूड, डेजर्ट्स एवं हैंडीक्राफ्ट स्टॉल्स), रीलिफाई (वर्चुअल रील मेकिंग), माइंड2मोशन@अक (एआई आधारित विज्ञापन निर्माण), बॉलीवुड फंडा (ब्रांड प्रस्तुतीकरण) तथा फैशन फ्यूजन (सस्टेनेबिलिटी आधारित ब्रांड प्रस्तुतीकरण) शामिल रहीं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और टीम भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के लगभग 31 संस्थानों से 400 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रमुख सहभागिता जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, गुलशन कुमार फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, बेनेट यूनिवर्सिटी, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी दिल्ली एनसीआर, हंसराज कॉलेज, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, ग्रेटर नोएडा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा एबीईएस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों की रही। प्रतियोगिताओं में 'फैशन फ्यूजन' में आईएमएस गाजियाबाद की जानवी प्रथम रहीं, जबकि खालसा कॉलेज की जानवी द्वितीय स्थान पर रहीं। 'बॉलीवुड फंडा' में इनमेंटेक कॉलेज की कृश्वी चौहान व अंशिका सिंह की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 'माइंड2मोशन' प्रतियोगिता में जेआईआईटी नोएडा की सिद्धि अग्रवाल की टीम विजेता बनी। कार्यक्रम के दौरान 'हाटोपिया' में रंगारंग फ्लैश मॉब और आकर्षक स्टॉल्स ने समां बांध दिया। समापन सत्र में विजेताओं को सम्मानित किया गया और सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई।

चूनसा में हरिजन चौपाल का उद्घाटन, विधायक निधि से हुआ निर्माण

शामली (शिखर समाचार) प्रसन्न चौधरी ने शामली विधानसभा क्षेत्र के गांव चूनसा में नवनिर्मित हरिजन चौपाल का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। यह निर्माण कार्य विधायक निधि से कराया गया है, जिसका उद्देश्य दलित समाज के लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए एक सुसज्जित स्थान उपलब्ध कराना है। उद्घाटन के अवसर पर ग्रामवासियों में उत्साह का माहौल रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक प्रसन्न चौधरी का फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है और दलित समाज के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चौपाल ग्रामीण एकता और सामाजिक समरसता का केंद्र बनेगी तथा यहां विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। कार्यक्रम का संचालन विदेश मलिक ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ लोकदल नेता वीर सिंह मलिक, अरविंद झाल, राष्ट्रीय लोकदल महिला जिला अध्यक्ष शामली डॉ. शशि वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल महिला जिला अध्यक्ष मेरठ डॉ. अंजू चौधरी, भूरा प्रधान, विदेश मलिक, बॉबी चेयरमैन, उधम सिंह, पूर्व प्रधान आनंगपाल, फौजी सेवाराम, जगमेर, तेजपाल प्रजापत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
ग्रामीणों ने चौपाल के निर्माण पर खुशी जताते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्य जारी रखने की अपेक्षा की।

श्री खाटू श्याम मंदिर असालतनगर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न, निकली भव्य निशान यात्रा

मुरादनगर (शिखर समाचार)। यहां असालतनगर स्थित खाटू श्याम मंदिर का वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगी। दूर दराज

से आए भक्तों ने बाबा श्याम के दर्शन कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। वार्षिकोत्सव के अवसर पर भव्य निशान यात्रा (शोभायात्रा) निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान जगह जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। जयकारों की गूंज से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य संकीर्तन का आयोजन भी किया गया। भजन गायकों ने बाबा श्याम के मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भक्तगण भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते और बाबा के जयकारे लगाते नजर आए। इसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन की व्यवस्था मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से संभाली गई। इस अवसर पर सुरेन्द्र कुमार गुरु ने कहा कि बाबा श्याम हारे का सहारा हैं और हमें सदैव सत्य एवं धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। यही प्रेरणा जीवन को सुखी, सफल और सार्थक बनाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, प्रेम और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम में रामकिशन बंधु, सचित गोयल, आदित्य गोयल सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रामजीलाल कश्यप के दोबारा भाजपा जिलाध्यक्ष बनने पर कश्यप समाज में खुशी की लहर

शामली (शिखर समाचार) जनपद में भारतीय जनता पार्टी द्वारा रामजीलाल कश्यप को पुनः जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कश्यप समाज में व्यापक हर्ष का वातावरण देखा गया। इसी क्रम में मोहल्ला श्रीपाल विहार में शुक्रवार को संजीव कश्यप के आवास पर अखिल भारतीय महर्षि कश्यप चैरिटेबल ट्रस्ट के संयोजन में कश्यप समाज के गणमान्य लोगों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रोशनलाल कश्यप ने की तथा संचालन नीतू कुमार कश्यप ने किया। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि रामजीलाल कश्यप को दोबारा जिलाध्यक्ष बनाए जाने से समाज के लोगों में गर्व और उत्साह की भावना उत्पन्न हुई है। यह निर्णय न केवल कश्यप समाज के सम्मान से जुड़ा है, बल्कि इससे समाज के युवाओं को भी नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी। वक्ताओं ने इसे संगठन की दूरदर्शी सोच का परिणाम बताते हुए कहा कि ऐसे निर्णय समाज में नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करते हैं।
संजीव कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा रामजीलाल कश्यप को पुनः जिलाध्यक्ष बनाना समाज के लिए गौरव का विषय है। इससे समाज के लोगों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और संगठन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि समाज को संगठित रहकर पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए। सुनील प्रधान मुंडेट ने कहा कि इस प्रकार के निर्णय समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और

युवाओं को सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। झिंझाना से पूर्व प्रत्याशी बिजेंद्र कश्यप ने कहा कि समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए तथा शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित करना चाहिए। बैठक में अनिल कश्यप (जिला पंचायत सदस्य) सहित विधिन राणा, कुलदीप प्रधान, आजाद प्रधान, धीर सिंह, जयपाल सिंह, जयप्रकाश कश्यप, कंवरपाल कश्यप, रविंद्र कश्यप, पवन कश्यप, कृष्णपाल कश्यप, हरबीर कश्यप, अजय कर्ण, सुरेंद्र मिस्त्री, सुशील कश्यप, समकुमार कश्यप, अजय, सोहित, रोहित, धर्मेंद्र सहित बड़ी संख्या में कश्यप समाज के लोग उपस्थित रहे। बैठक का समापन समाज की एकता और संगठन की मजबूती के संकल्प के साथ हुआ।

एसीपी उपासना पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई थाना विजयनगर पर पीस मीटिंग

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। होली और रमजान पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना विजयनगर पर एसीपी कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय की अध्यक्षता में पीस मीटिंग हुई। मीटिंग में सम्मानित लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई और कहा गया कि अगर कोई भी संदिग्ध गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दे। क्षेत्र का माहौल किसी भी स्थिति में बिगड़ने नहीं दे। एसीपी ने मीटिंग में कहा कि अगर किसी ने भी लॉ एंड ऑर्डर बिगाड़ते हुए माहौल खराब करने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने इन त्योहारों पर भाईचारे का प्रतीक बनते हुए मिसाल पेश करने के लिए कहा, जिससे क्षेत्र का माहौल अमन प्रिया बना रहे। एसीपी कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय ने बताया कि समय-

समय पर पीस मीटिंग का आयोजन किया जाता है। विजयनगर मिश्रित आबादी का क्षेत्र है, ऐसे में सभी धर्म के लोगों को एक साथ मिलजुल कर रहना चाहिए। पीस मीटिंग का आयोजन कर उन्हें एक साथ त्योहारों को मानते हुए शांतिपूर्ण माहौल में रहने के लिए प्रेरित किया जाता है, जिससे लॉ एंड ऑर्डर की अवेहलना किसी भी तरह से ना हो। पीस मीटिंग में क्षेत्र के सम्मानित लोगों को बुलाया गया और उनसे क्षेत्र के दूसरे लोगों को जागरुक करते हुए शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने का आग्रह किया गया।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

क्रिकेटर रिंकू सिंह ने पिता की अर्थी को कंधा दिया

टी-20 वर्ल्ड कप छोड़कर आए; बड़े भाई ने दी मुखाग्नि

अलीगढ़(एजेंसी)। क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार सुबह करीब 4.36 बजे निधन हो गया। वे 60 साल के थे। उन्हें फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर था। कुछ दिन पहले उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें अलीगढ़ से ग्रेटर नोएडा के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। वहां उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। पार्थिव शरीर को अलीगढ़ ले आया गया। रिंकू टी-20 वर्ल्ड कप छोड़कर चेन्नई से अलीगढ़ अपने घर पहुंचे। पिता की अर्थी को कंधा दिया। अंतिम यात्रा के बाद शंकर विहार स्थित श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे सोनू ने पिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले, पिता की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही रिंकू सिंह मंगलवार को टीम इंडिया का साथ छोड़कर नोएडा पहुंचे थे। उन्हें टी-20 विश्वकप का प्रैक्टिस सेशन छोड़ना पड़ा था। 25 फरवरी को

रिंकू चेन्नई लौट गए थे और टीम के साथ जुड़ गए थे। हालांकि, 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए सुपर-8 के मैच में वे प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। वे सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर फील्डिंग कर रहे थे। युवराज सिंह समेत तमाम पूर्व क्रिकेटर्स और क्ढछ टीम डडफने रिंकू के पिता के निधन पर दुख जताया।रिंकू की मंगेतर और मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज ने फोन पर प्रिया कई दिनों से रिंकू के परिवार के साथ हैं। हम भी रात में गए थे। वापस आते वक्त रास्ते में निधन की सूचना मिली। क्रिकेटर रिंकू का बचपन काफी कठिनाई भरा रहा है। मां वीना देवी घर संभालती हैं। रिंकू 5 भाई और एक बहन में चौथे नंबर हैं। बड़े भाई सोनू, मुकुल और शीलू हैं। बहन नेहा और भाई जीतू, रिंकू से छोटे हैं। मूल रूप से बुलंदशहर के दान गढ़ के रहने वाले हैं। IPL की टीमें कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रिंकू के पिता के निधन पर दुख जताया। पर पोस्ट किया- रिंकू सिंह और उनके परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। इस कठिन समय में हम उनके साथ हैं। क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का अंतिम संस्कार हुआ। बड़े भाई सोनू ने मुखाग्नि दी। BCCI के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पर लिखा- क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू और परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपने पिता की अर्थी को कंधा दिया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। थोड़ी देर में अंतिम संस्कार किया जाएगा। क्रिकेटर रिंकू सिंह टी-20 वर्ल्ड कप छोड़कर अपने घर अलीगढ़ पहुंच गए हैं। थोड़ी देर में उनके पिता का अंतिम संस्कार होगा। रिंकू टी20 विश्वकप में टीम इंडिया का हिस्सा हैं। गुरुवार को चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में फील्डिंग कर रहे थे। भारत का अगला मुकाबला 1 मार्च को वेस्ट इंडीज के खिलाफ होगा। अलीगढ़ में रिंकू सिंह के पिता की अंतिम यात्रा के लिए गाड़ी पहुंच गई है। ड्राइवर ने बताया कि क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का निधन हो गया है। रिंकू भैया ने हमें बुलाया है। पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू भैया रिंकू सिंह के पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं। रिंकू सिंह के परिजन से बात कर रहे हैं। उन्होंने रिंकू सिंह के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

हाईवे लूट कांड में 20 हजार का इनामी वांछित आरोपी गिरफ्तार, अवैध तमंचा बरामद

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली (शिखर समाचार) हाईवे पर हुई लूट की घटना में फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी वांछित आरोपी को सिंभावली थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा भी बरामद किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना सिंभावली पुलिस ने थाना क्षेत्र के मुकदमा अपराध संख्या 283/2025 धारा 309(4), 324(4), 61(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत वांछित चल रहे 20 हजार रुपये के पुरस्कार घोषित अभियुक्त को बुलंदशहर मार्ग से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था और उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त इसरार अली पुत्र इसरार अली उर्फ हसन निवासी मोहल्ला जानूपुरा नई बस्ती शाहनगर, थाना बारादरी, जनपद बरेली है। आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में अतिरिक्त कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अन्य जनपदों में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज होने की जानकारी मिली है। उसके आपराधिक इतिहास का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी हाईवे पर हुई लूट की वारदात में शामिल था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संत कुमार, उपनिरीक्षक नवीन गौतम, उपनिरीक्षक अशोक कुमार, मुख्य आरक्षी फरमान तथा आरक्षी अवनीत कुमार शामिल रहे। पुलिस टीम की इस सफलता पर उच्चाधिकारियों ने सराहना की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कारखाना अधिनियम 1948 : नोएडा की इंडोइश इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग हुई संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के अनुपालन मे इंडोइश इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग संपन्न हुई, जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये, जिससे कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके।कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिमेदारी है कि वह कारखाने में काम करने वाले सभी करमचारियो को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए। मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा कि इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने निष्पक्ष जांच के लिए पुलिस आयुक्त को दिया निर्देश, आपराधिक रिट याचिका निस्तारित

प्रयागराज (शिखर समाचार)
इलाहाबाद हाई कोर्ट में आपराधिक विविध रिट याचिका संख्या 4284 वर्ष 2026 पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने महत्वपूर्ण आदेश पारित किया। सौरभ बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व छह अन्य शीर्षक से दाखिल इस याचिका पर न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता तथा न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने सुनवाई की।
याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अपूर्व हजेला ने पक्ष रखा, जबकि राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता उपस्थित रहे। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के साथ अभिलेखों का अवलोकन किया।
याचिका में निवेदन किया गया था कि 30 अप्रैल 2025 को थाना शालीमार गार्डन, ट्रांस हिंडन, जनपद गाजियाबाद में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 213 वर्ष 2025,

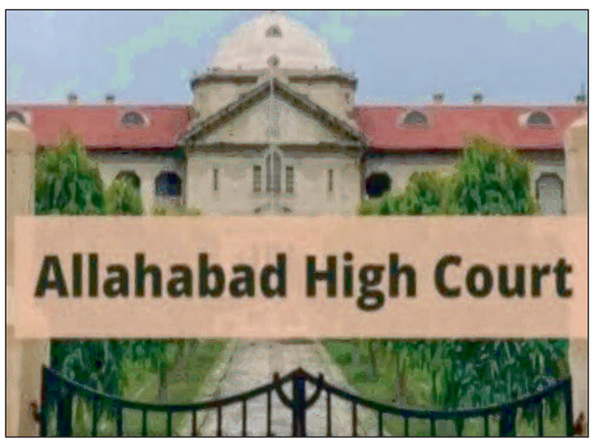

जो भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं 308(2), 308(5), 308(7), 115(2), 352 तथा 351(2) के अंतर्गत दर्ज है, की जांच निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से कराई जाए। साथ ही प्रकरण की समुचित विवेचना के लिए विशेष जांच दल गठित करने का भी अनुरोध किया गया था।
याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अपूर्व हजेला ने न्यायालय को बताया कि याचिकाकर्ता इस मामले में प्रथम सूचना देने वाला है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी पुलिस द्वारा निष्पक्ष और प्रभावी जांच नहीं की जा रही है, जिससे न्याय मिलने में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसी कारण न्यायालय की शरण ली गई है।
खंडपीठ ने मामले की परिस्थितियों पर विचार करते हुए निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता अपनी शिकायत एवं जांच संबंधी आपत्तियां पुलिस आयुक्त, ट्रांस हिंडन डीसीपी गाजियाबाद के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। यदि याचिकाकर्ता ऐसा आवेदन प्रस्तुत करता है तो संबंधित पुलिस आयुक्त यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रकरण की जांच निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शीघ्रता से संपन्न कराई जाए।
न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करना उपयुक्त उपाय है और प्राधिकारी को शिकायत पर विधि के अनुसार कार्रवाई करनी होगी। उक्त निर्देशों के साथ न्यायालय ने आपराधिक विविध रिट याचिका का निस्तारण कर दिया।

सिंभावली में वरिष्ठ उप निरीक्षक वासुदेव सिंह को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) थाना सिंभावली में वरिष्ठ उप निरीक्षक पद पर तैनात रहे वासुदेव सिंह के सेवानिवत्त होने पर थाना परिसर में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, पत्रकारों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनके कार्यकाल और कार्यशैली की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह ने कहा कि वासुदेव सिंह ने अपने सेवाकाल के दौरान ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन का परिचय दिया। उन्होंने विभागीय जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी लगन और निष्पक्षता के साथ किया, जो अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत है। थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने उनके शांत स्वभाव, व्यवहार कुशलता और टीम भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी कमी विभाग को सदैव महसूस होगी। नवनियुक्त वरिष्ठ उप निरीक्षक संजय शर्मा ने भी उनके अनुभव और मार्गदर्शन को अमूल्य बताते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया अध्याय है और अब उन्हें अपने परिवार एवं समाज को अधिक समय देने का अवसर मिलेगा। सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना की। समारोह में उप निरीक्षक श्योराज सिंह, मुनेंद्र सिंह, इकरार अहमद, नवीन गौतम, संतकुमार सहित महिला पुलिसकर्मी उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों में परविंदर सिंह, पहलवान कृष्ण पाल सिंह, वीरेंद्र सिंह, राकेंद्र सिंह, महेंद्र शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, सतीश शर्मा, सुमित शर्मा, डॉ. पीतम सिंह, जितेंद्र सिंह, मनोज सिंह, प्रवीन कुमार, आकिल आलम सहित अनेक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में स्मृति चिन्ह भेंट कर वासुदेव सिंह को सम्मानित किया गया तथा उपस्थित सभी लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्हें भावभीनी विदाई दी।

बसपा विधायक के ठिकानों पर आयकर विभाग रेड

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी 48 घंटे से अधिक समय से जारी है। 25 फरवरी से शुरू हुई यह कार्रवाई लखनऊ, बलिया, सोनभद्र और कौशांबी तक हो रही है। शुक्रवार सुबह भी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित CSIL कार्यालय में आयकर अधिकारियों की टीम दस्तावेजों की जांच में जुटी रही। उमा शंकर सिंह के करीबी ठेकेदार के यहां भी छापेमारी चल रही है।
विधायक की कंपनी छात्र शक्ति इंफ्रा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड का कार्यालय गोमतीनगर के बी-5/299, विपुल खंड में स्थित है। आयकर विभाग की जांच का केंद्र कंपनी से जुड़े वित्तीय लेन-देन और खनन कारोबार से संबंधित दस्तावेज बताए जा रहे हैं। 48 घंटे

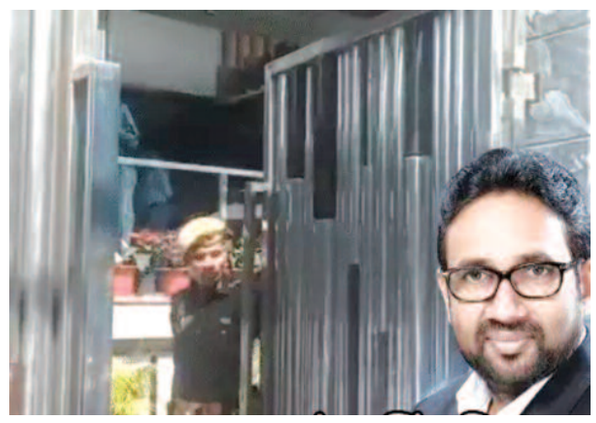

से अधिक समय से जारी इस कार्रवाई ने प्रदेश की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि आयकर विभाग किन निष्कर्षों पर पहुंचता है। बुधवार सुबह 50 से अधिक आयकर अधिकारी गाड़ियों के काफिले के साथ गोमतीनगर स्थित विधायक के आवास पहुंचे और पूरे परिसर को घेर लिया था। किसी को अंदर-बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। टीम ने घर और कार्यालय में रखी फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले। रेड की सूचना मिलते ही विधायक के समधी और पूर्व विधायक राकेश सिंह मौके पर पहुंचे, लेकिन अधिकारियों ने उन्हें अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी थी। गुरुवार को लखनऊ आवास पर छापेमारी बंद कर दी गई थी। लेकिन 48 घंटे से ऑफिस में जारी से है। सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज स्थित कंपनी कार्यालय पर आयकर की टीम 12 गाड़ियों में पहुंची। बताया जा रहा है कि कुछ गाड़ियों पर शादी के पंपलेट लगे थे, जिससे संदेह न हो। यहां भी कई घंटों तक दस्तावेजों की जांच की गई थी। बलिया के रसड़ा स्थित विधायक के आवास पर भी मेन गेट बंद कर सर्चिंग की गई थी। इसके अलावा कौशांबी में उनके गिट्टी और बालू मिक्सिंग प्लांट पर आयकर विभाग ने कार्रवाई करते हुए कर्मचारियों से पूछताछ की और रिकॉर्ड जब्त किए।

सोनभद्र में लाइनमैन जिंदा जला, ट्रांसफॉर्मर बदलने के लिए 25 फीट ऊंचे खंभे पर चढ़ा था

सोनभद्र (एजेंसी)। 25 फीट ऊंचे खंभे पर ट्रांसफॉर्मर बदलते समय लाइनमैन की जिंदा जल गया। उसे पहले 11 हजार वोल्ट से जोरदार झटका लगा। इसके बाद शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते बिजलीकर्मी आग का गोला बन गया। हेल्पर ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक लाइनमैन बुरी तरह झुलस चुका था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लाइनमैन खंभे पर चढ़कर नया ट्रांसफॉर्मर लगा रहा था। आरोप है कि काम शुरू करने से पहले उसने विभाग से शटडाउन करवाया था, लेकिन काम के दौरान 11 हजार वोल्ट की सप्लाई चालू कर दी गई। घटना घोरावल थाना के लोहोटा गांव की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। बिसहार गांव के रहने वाले संतोष कुमार (40) बिजली विभाग में लाइनमैन के रूप में संविदा पर तैनात थे। संतोष, अपनी पत्नी बिंदु (35) और दो बेटों आदर्श (15) और शिवम (18) के साथ रहते थे।

बांके बिहारी को लगा रंग, नाचते हुए पहुंचे

भक्त:वृंदावन में विदेशियों ने भी खेली होली

मथुरा (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर लट्ठमार होली महोत्सव शुरू हो गया है। कलाकार बरसाने में मच गया शोर, सखी ने पकड़ा नंदकिशोर, रसिया गाने पर डांस कर रहे हैं। महोत्सव में करीब 50 हजार भक्त पहुंचे हैं। इससे पहले वृंदावन में रंगभरी एकादशी पर अनोखा नजारा दिखा। बांके बिहारी जी को रंग और अबीर लगाने के साथ ही ब्रज की होली की शुरूआत हुई। मंदिर रंग-बिरंगे गुलाल में डूबा नजर आया। पुजारियों ने प्रसादी गुलाल भक्तों पर बरसाया। फूल, जलेबी और लड्डू लुटाए। प्रसाद पाने के लिए भक्तों में होड़ मच गई। शरीर पर अबीर पड़ते ही भक्त खुशी से झूम उठे। बांके बिहारी जी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो उठा। अबीर से सराबोर

भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। आशीर्वाद लिया। फिर बाहर आकर हवा में रंग और अबीर उड़ाया और एक-दूसरे को गुलाल लगाया। इस दौरान वृंदावन की गलियां भक्तों से भरी रहीं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा है। अबीर गुलाल से रंगे भक्त ढोल-नगाड़ों पर झूम रहे हैं। 'आज ब्रज में होली रे रसिया' गाने पर नाच रहे हैं।बड़ी संख्या में भक्त वृंदावन की पंचकोसी परिक्रमा कर रहे हैं। कई भक्त अपने लड्डू गोपाल को गोद में लेकर आए हैं। महिलाएं भजन गा रही हैं। श्रद्धालु राधे-राधे बोलते हुए गुलाल उड़ाकर चल रहे हैं। इस बीच, राधा वल्लभ मंदिर से राधा कृष्ण का डोला निकला। बग्गी पर सवार होकर राधा कृष्ण के स्वरूप शहर में जगह-जगह होली खेलते हुए आगे बढ़ रहे हैं। अनुमान है कि करीब 10 लाख भक्त वृंदावन पहुंचे हैं। इससे पहले, गुरुवार को नंदगांव और बुधवार को बरसाना में

लठमार होली खेली गई थी।होली महोत्सव में पीठाधीश्वर गुरु शरणानंद जी महाराज पहुंचे। उन्होंने श्रीकृष्ण-राधा के स्वरूप को दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद आरती की। उनके साथ में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सचिव कपिल शर्मा भी रहे। भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के स्वरूप में सजे कलाकार गीत होली खेल रहे नन्दलाल वृंदावन की कुंज गलियों में, डांस कर रहे हैं। होली गीतों पर भक्त भी दोनों हाथ ऊपर उठाकर डांस कर रहे हैं। श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर रंगारंग लट्ठमार होली महोत्सव शुरू हो गया है। यह आयोजन केशव वाटिका में हो रहा है। यहां करीब 50 हजार भक्त पहुंचे हैं। स्पेन से आईं एरियाना ने कहा- होली खेलकर मजा आ गया। भारत बहुत ही सुंदर है। यहां की संस्कृति बहुत ही सुंदर है। यहां आना हमेशा ही यादगार रहता है।
राधा वल्लभ मंदिर से होली का डोला निकला। वृंदावन की गलियों में गुलाल उड़ाया जा रहा। पालकी में बैठे भगवान के स्वरूप गुलाल उड़ा रहे हैं। 401 साल से परंपरा निभाई जा रही। मथुरा के सुप्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में होली खेली जा रही है। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि आज ठाकुर जी कुंज में विराजमान हुए और अपने भक्तों के साथ होली खेली। मंदिर के मुखिया सुधीर कुमार ने बताया कि ठाकुर जी के सम्मुख भक्तों पर पिचकारी से रंग वर्षा की गई। यहां केवल शुद्ध टेसू के फूल, अबीर, गुलाल, चोवा, चंदन और केसर का ही प्रयोग किया गया है। वृंदावन में विदेशी सैलानियों ने होली खेली, बोलीं- मजा आ गया वृंदावन की होली में विदेशी भी सराबोर हैं।

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर सलीम वास्तविक पर हुआ जानलेवा हमला, जाँच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुसलमान के खिलाफ बेबाक बयान देने वाले सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर सलीम वास्तविक पर शुक्रवार सुबह उनके घर के पास ही धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया गया। थाना लोनी क्षेत्र के अली गार्डन क्षेत्र में सलीम पर हमला हुआ। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें दिल्ली रेफर कर दिया गया। सलीम की हालत इस समय काफी गंभीर बनी हुई है। वहीं हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। प्रत्यादर्शी ने बताया कि वह सुबह लगभग 7 बजे सलीम के साथ बात कर रहे थे, इसी दौरान दो व्यक्ति आए और उन पर हमला कर दिया। हमले में सलीम गंभीर रूप से घायल हो गए। सलीम को घायल देखकर उन्होंने मदद की गुहार लगनी शुरू कर दी। आवाज सुनकर मौके पर स्थानीय लोग एकत्रित हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे डॉयल 112 के माध्यम से थाना लोनी पर सूचना प्राप्त हुई कि अली गार्डन क्षेत्र में एक व्यक्ति को दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चाकू मारकर घायल कर दिया गया है। इस सूचना पर तत्काल लोनी पुलिस द्वारा फील्ड यूनिट को बुलाते हुए मौके पर पहुंचकर जानकारी की गई तो यह ज्ञात हुआ कि घायल व्यक्ति सलीम पुत्र नूर हसन उम्र करीब 50 वर्ष निवासी अली गार्डन निठौरा रोड कस्बा चौकी क्षेत्र के निवासी है। थाना लोनी पुलिस ने उन्हें घायल अवस्था में उपचार हेतू 50 शैय्या अस्पताल पहुचाया गया, जहॉ डॉक्टरों ने उन्हें जीटीबी अस्पताल रेफेर कर दिया गया, जहां पर वह अभी उपचाराधीन है। परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लोनी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है एवं घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन किया गया है। मौके पर शांति-व्यवस्था पूर्णतः कायम है और अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

प्रतिदिन मिलने वाली शिकायतों का हो त्वरित निस्तारण : नगर आयुक्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जन समस्याओं के समाधान हेतु समस्त विभाग को गुणवत्ता पूर्ण कार्यवाही के निर्देश दिए है। आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त सहित समस्त विभाग के अधिकारियों, जोनल प्रभारी व समस्त विभाग के अधिशासी अभियंता, अवर अभियंता व टीम को कॉल पर प्राप्त होने वाले संदर्भों पर गुणवत्ता पूर्ण कार्यवाही करने के लिए कहा गया। इसके अलावा प्रतिदिन प्राप्त होने वाली कॉल का डेटाबेस तैयार करते हुए प्राप्त समस्याओं का समाधान तत्काल कराने के निर्देश दिए। गाजियाबाद नगर निगम के इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के माध्यम से 311 पर प्रतिदिन 100 से 150 शिकायत प्राप्त होती है तथा कंट्रोल रूम के माध्यम से भी 70 से 80 शिकायतें प्रतिदिन निस्तारित की जाती है। इसके अतिरिक्त गाजियाबाद नगर निगम के सभी अधिकारियों के सीयूजी नंबर पर भी शहर वासियों का संपर्क बना रहता है, जिसके माध्यम से प्रतिदिन प्राप्त होने वाली समस्याओं पर तद दिवस में ही निस्तारण की कार्यवाही करने के निर्देश नगर आयुक्त ने दिए है, जिसका एक डेटाबेस भी तैयार किया जाएगा। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार तथा अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव को समस्त विभाग के अधिकारियों को प्राप्त होने वाली कॉल रिकॉर्ड तथा संदर्भों की सारणी तैयार करने के लिए भी कहा गया है। निगम प्रतिदिन अलग-अलग माध्यम से जन समस्याओं का समाधान शहर हित में तेजी से कर रहा है। पार्षदों तथा जनप्रतिनिधियों की कॉल अटेंड होने के साथ-साथ शहर वासियों की कॉल अटेंड करते हुए प्राप्त समस्याओं पर तेजी से कार्यवाही कराई जाने के लिए नगर आयुक्त ने अधिकारियों तथा टीम को निर्देशित किया गया।

विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त, गाजियाबाद नगर निगम

चुनाव अधिकारी को बदलने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं में विवाद, पदाधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) बार एसोसिएशन के आगामी चुनावों को लेकर अधिवक्ताओं के बीच विवाद गहराता जा रहा है। पिछले दस वर्षों से लगातार एक ही चुनाव अधिकारी की नियुक्ति किए जाने पर युवा अधिवक्ताओं ने आपत्ति जताते हुए बदलाव की मांग उठाई है। इस संबंध में युवा अधिवक्ताओं ने बार के पदाधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की है। युवा अधिवक्ताओं का कहना है कि बीते दस वर्षों से हरवीर वर्मा चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनका तर्क है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में समय समय पर बदलाव आवश्यक होता है, जिससे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, नवीनता और निष्पक्षता बनी रहे। इसी मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने एक प्रार्थना पत्र तैयार कर बार अध्यक्ष और सचिव से इस विषय पर विशेष बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। ज्ञापन बार के कोषाध्यक्ष अनिल कुमार को सौंपा गया, जिसमें कई अधिवक्ताओं के हस्ताक्षर संलग्न बताए गए हैं। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि इस बार चुनाव अधिकारी के पद पर किसी अन्य निष्पक्ष अधिवक्ता को नियुक्त किया जाए, ताकि चुनाव प्रक्रिया सभी के विश्वास के अनुरूप संपन्न हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से मेहराज, प्रवेश कुमार, शिवम निमेष, गुफरान, रवि सहित अनेक युवा अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ताओं का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का विरोध नहीं, बल्कि बार की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करना है। अब देखना यह होगा कि बार पदाधिकारी इस मांग पर क्या निर्णय लेते हैं और चुनाव प्रक्रिया को लेकर आगे क्या रूपरेखा तय की जाती है।

श्री कुन्द कुन्द जैन महाविद्यालय में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) श्री कुन्द कुन्द जैन महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का गरिमामय समापन हुआ। प्रतियोगिता के द्वितीय दिन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र छात्राओं ने अपनी बौद्धिक क्षमता, एकाग्रता और रणनीतिक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या नीतू वशिष्ठ, क्रीड़ा अधिकारी प्रोफेसर अरविन्द कुमार तथा उप क्रीड़ा अधिकारी डॉक्टर विपिन कुमार बंसल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्राचार्या नीतू वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद गतिविधियां न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि शतरंज जैसे खेल मानसिक संतुलन, एकाग्रता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। शतरंज प्रतियोगिता में कुल 42 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। छात्र वर्ग में उज्जवल (बीकॉम प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान तथा अनित कुमार (बीसीए प्रथम वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा वर्ग में ज्योति पटेल (बीए तृतीय वर्ष) ने प्रथम स्थान तथा रूपा (बीएससी द्वितीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। सभी विजेता छात्र छात्राओं को प्राचार्या नीतू वशिष्ठ, प्रोफेसर अरविन्द कुमार एवं डॉक्टर विपिन कुमार बंसल द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं निर्णायक मंडल की भूमिका आशीष जैन, विकास जैन तथा निखिल चौहान ने निभाई।
प्रतियोगिता को सफल बनाने में डॉक्टर विशु, डॉक्टर पारूल शर्मा, मुकुल जैन, सुधीर कुमार, प्रियांशु, हिमांशु, रमेश सहित सभी शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा। अंत में सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईटीएस मोहननगर में नवतरंग एवं विजविग 2026 का भव्य समापन

गाजियाबाद (राष्ट्रीय शिखर)। आईटीएस मोहननगर में 26 और 27 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव नवतरंग एवं विजविग इंटर कॉलेज कल्चरल फेस्ट 2026 का उत्साहपूर्ण माहौल में भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, प्रख्यात कथक नृत्यांगना माया कुलश्रेष्ठ, निदेशक डॉ. अजय कुमार, प्राचार्या डॉ. नैंसी शर्मा व निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। दो दिवसीय महोत्सव में 100 से अधिक महाविद्यालयों के लगभग 1500 विद्यार्थियों ने 23 विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। क्विज, डिबेट, बिजनेस प्लान, सोलो व ग्रुप डांस, फैशन शो, स्ट्रीट प्ले, बैटल ऑफ बैंड, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, सुडोकू, अंताक्षरी, डुएट सिंगिंग, रैप बैटल सहित रचनात्मक स्पर्धाओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। दिल्ली, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और गाजियाबाद के प्रमुख कॉलेजों जाकिर हुसैन कॉलेज, रामजस कॉलेज, दयाल सिंह कॉलेज, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, केआईईटी, आईआईएमटी, रामा मेडिकल कॉलेज, एचआरआईटी यूनिवर्सिटी सहित अनेक संस्थानों के छात्र छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की।

प्रतियोगिताओं के परिणामों में फैशन शो में आईटीएस मोहननगर प्रथम व केआईईटी द्वितीय रहे। सोलो डांस में नितिन कुमार (एलआर कॉलेज) प्रथम व वाणी भारद्वाज (मंगलमय कॉलेज) द्वितीय रहीं। डिबेट में आत्माराम कॉलेज व गार्गी कॉलेज के प्रतिभागी प्रथम रहे, जबकि रंगोली, बैटल ऑफ बैंड और अन्य प्रतियोगिताओं में भी विभिन्न संस्थानों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।
समापन अवसर पर सेलिब्रिटी नाइट में लोकप्रिय पार्श्व गायक लक्ष्य कपूर की प्रस्तुति ने माहौल को संगीतमय बना दिया। संस्थान के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा सहित समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलता के साथ संपन्न हुआ।
यह महोत्सव युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा।

मेरा गांव मेरा विद्यालय के तहत खेल मेले का आयोजन, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

जेवर (शिखर समाचार) राजकीय पीएम श्री विद्यालय जेवर नंबर 2 में शुक्रवार को मेरा गांव मेरा विद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत खेल मेले का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालवाटिका में संचालित गतिविधियों तथा बच्चों के समग्र विकास में अभिभावकों और लाभार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से साझा करना रहा। आयोजन के दौरान नन्हे विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से चित्रांकन, विविध खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय परिसर में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। खेल मेले के माध्यम से बालवाटिका के अंतर्गत आने वाले विकास के विभिन्न आयामों भाषा विकास, सामाजिक विकास, संज्ञानात्मक विकास तथा शारीरिक विकास पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। शिक्षकों ने अभिभावकों को बताया कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में इन क्षेत्रों का संतुलित विकास बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला तैयार करता है। कार्यक्रम में भाषा एवं अधिगम फाउंडेशन की नेहा कुमार, दिशा शारदा, पौलमी मजूमदार, रिद्धि रावत, दिलीप कुमार शर्मा (खंड शैक्षिक समन्वयक), हरेंद्र शर्मा (शैक्षिक संसाधन व्यक्ति) तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक दीवान सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को शिक्षा के साथ साथ आनंद और आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त माध्यम बताया।

ग्रेनो पुष्प प्रदर्शनी में सेल्फी का क्रेज, फूलों की अद्भुत आकृतियों ने मोहा मन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा सिटी पार्क में आयोजित भव्य पुष्प प्रदर्शनी में शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। रंग बिरंगे फूलों से सजे पार्क में आकर्षक आकृतियों के साथ सेल्फी लेने की होड़ साफ नजर आई। प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर थीम पर बनी विशेष आकृति लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। इसके अलावा फूलों से निर्मित राष्ट्रीय पक्षी मोर, कैटरपिलर, टाइगर और बटरफ्लाई की कलात्मक संरचनाएं भी दर्शकों को खूब भा रही हैं। इस प्रदर्शनी में 50 से अधिक किस्मों के 70 हजार से ज्यादा पुष्प प्रदर्शित किए गए हैं, जो प्राकृतिक सुंदरता और रचनात्मकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहे हैं। बच्चों के लिए बनाए गए प्ले एरिया में नन्हे मुन्ने पूरे उत्साह के साथ आनंद लेते दिखाई दिए। प्राधिकरण की ओर से प्रदर्शनी में प्रवेश और पार्किंग पूर्णतः निशुल्क रखी गई है, जिससे परिवारों की बड़ी संख्या इसमें शामिल हो रही है। साथ ही निरंतर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। शुक्रवार को 18 स्कूलों के बच्चों ने फैशन शो में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। वहीं 17 स्कूलों के विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। नाटक मंचन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायक संदेश भी दिया गया।प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस पुष्प प्रदर्शनी में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं। प्रकृति, संस्कृति और रचनात्मकता का संगम बनी ग्रेनो पुष्प प्रदर्शनी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

जिम्स इंजीनियरिंग प्रबंधन तकनीकी परिसर में उद्यमिता विधि क्लिनिक का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस के विधि विभाग के तत्वावधान में जिम्स एंटरप्रेन्योरियल लॉ क्लिनिक का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह नव स्थापित उद्यमिता विधि क्लिनिक शैक्षणिक सिद्धांतों और उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं के बीच सशक्त सेतु का कार्य करेगा। उद्घाटन समारोह संस्थान के मूट न्यायालय कक्ष में आयोजित किया गया, जिसमें नवाचार को सशक्त बनाना, उद्यम को सक्षम करना एवं विधिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना विषय पर विस्तार से विचार विमर्श हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पल्लवी गुप्ता ने कहा कि यह क्लिनिक आधुनिक नवप्रारंभ (स्टार्टअप) पारिस्थितिकी तंत्र की निरंतर बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप विधिक शिक्षा को व्यावहारिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाने की दूरदर्शी पहल है। उन्होंने कहा कि तकनीकी युग में व्यावसायिक सफलता के लिए सुदृढ़ विधिक तैयारी अत्यंत आवश्यक है और यह क्लिनिक विद्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान कर उन्हें पेशेवर रूप से सक्षम बनाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी प्रबंधक मानस सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी स्थायी और सफल उद्यम की नींव मजबूत विधिक ढांचे पर आधारित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कानून को नवाचार में बाधा नहीं, बल्कि उसे दिशा और सुरक्षा प्रदान करने वाले सशक्त माध्यम के रूप में देखें। जिम्स समूह के अध्यक्ष डॉ. अमित गुप्ता एवं परिसर निदेशक प्रो. (डॉ.) सचिन यादव के मार्गदर्शन में स्थापित इस क्लिनिक का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा व्यवहारिक मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे नवप्रारंभ उद्यमों, निगमित संरचनाओं, बौद्धिक संपदा अधिकार, अनुबंध प्रबंधन तथा विधिक अनुपालन से जुड़े जटिल पहलुओं की गहन समझ विकसित कर सकें। यह पहल विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक चुनौतियों से परिचित कराएगी और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगी। प्रो. (डॉ.) पल्लवी गुप्ता ने कहा कि यह क्लिनिक विद्यार्थियों की पेशेवर दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संकाय समन्वयक विवेक त्रिवेदी और गौरव यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जबकि छात्र समन्वयक हर्षिता शर्मा एवं नंदिनी बंसल ने आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सक्रिय योगदान दिया।
उद्यमिता विधि क्लिनिक की स्थापना उद्योग आधारित व्यवहारिक विधिक शिक्षा की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी और इससे विद्यार्थियों को नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में सशक्त विधिक मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

गल्ला मंडी व्यापार संघ के संरक्षक कुलदीप पंडित ने दिया इस्तीफा

जेवर (शिखर समाचार) कस्बे के गल्ला मंडी व्यापार संघ के संरक्षक कुलदीप पंडित ने शुक्रवार को अपने पद एवं सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनके इस निर्णय के बाद व्यापार संघ में हलचल मच गई और मंडी के व्यापारियों के बीच तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। कुलदीप पंडित ने व्यापार संघ के अध्यक्ष को अपना इस्तीफा पत्र सौंपते हुए इसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार करने का अनुरोध किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह निजी कारणों से अपने पद और सदस्यता से त्यागपत्र दे रहे हैं। कस्बा निवासी कुलदीप पंडित लंबे समय से गल्ला मंडी व्यापार संघ से जुड़े रहे हैं और संरक्षक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। व्यापारियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उन्होंने हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई और संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए। उनकी कार्यशैली को लेकर मंडी के व्यापारियों में सम्मान का भाव रहा है। इस्तीफे की सूचना मिलते ही मंडी परिसर में चचाओं का दौर शुरू हो गया। कई व्यापारियों ने उनके योगदान को सराहनीय बताया और संगठन के लिए इसे क्षति करार दिया। हालांकि, अभी तक व्यापार संघ की ओर से उनके इस्तीफे को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि गल्ला मंडी व्यापार संघ मंडी से जुड़े विभिन्न मुद्दों, सुविधाओं और व्यापारियों के हितों की आवाज उठाने में सक्रिय रहा है। ऐसे में संरक्षक के पद से इस्तीफा संगठन की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि व्यापार संघ आगे क्या निर्णय लेता है।

ज्वेलर्स की दुकान से दिनदहाड़े 17 लाख के आभूषण लेकर छह महिलाएं फरार, सीसीटीवी में कैद वारदात

जेवर (शिखर समाचार) कस्बे की मुख्य बाजार में शुक्रवार को दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना से सराफा व्यापारियों में हड़कंप मच गया। ज्वेलरी देखने के बहाने दुकान में घुसी छह महिलाएं दुकानदार को बातों में उलझाकर करीब 17 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गईं। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना मिलते ही सराफा व्यापारियों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में व्यापारी कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई की मांग करने लगे। पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कस्बा जेवर के मोहल्ला सराय नैन सिंह निवासी सुनील गुप्ता की मुख्य बाजार में विशंभर दयाल हरिओम गुप्ता नाम से आभूषणों की दुकान है। शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे छह महिलाएं उनकी दुकान पर पहुंचीं। महिलाओं ने सोने के विभिन्न आभूषण दिखाने को कहा और खरीदारी का नाटक करते हुए दुकानदार को बातचीत में उलझाए रखा। इसी दौरान एक महिला चुपके से काउंटर के पास रखा आभूषणों से भरा डिब्बा उठा ले गई। बताया गया है कि डिब्बे में लगभग 100 ग्राम सोने के आभूषण रखे थे, जिनकी कीमत करीब 17 लाख रुपये बताई जा रही है। कुछ देर बाद महिलाएं बिना खरीदारी किए बहाना बनाकर दुकान से निकल गईं। जब दुकानदार की नजर काउंटर पर पड़ी तो आभूषणों का डिब्बा गायब था। यह देख उसके होश उड़ गए और तत्काल आसपास के व्यापारियों को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही बाजार में अफरा तफरी का माहौल बन गया। सराफा व्यापारी संघ के जिला उपाध्यक्ष राकेश वर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारी कोतवाली पहुंचे और अज्ञात महिलाओं के खिलाफ तहरीर देकर शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि बाजार में इस प्रकार की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपित महिलाओं की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपितों को चिन्हित कर गिरफ्तारी की जाएगी। वहीं, घटना के बाद बाजार में अन्य व्यापारियों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है।

देवेंद्र पुरी कॉलोनी में नकली हार्पिक, ऑल आउट और टाटा नमक की आपूर्ति का भंडाफोड़, भारी मात्रा में माल बरामद

मोदीनगर (शिखर समाचार) देवेंद्र पुरी कॉलोनी में नकली उपभोक्ता उत्पादों की आपूर्ति किए जाने का बड़ा मामला सामने आया है। बीती रात कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधियों ने पुलिस टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक किराना दुकान पर छापा मारकर भारी मात्रा में नकली सामान बरामद किया। इस प्रकरण में दो व्यक्तियों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।
स्पीड सर्च एंड सिक्योरिटी नेटवर्क के क्षेत्र प्रबंधक ललित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें टाटा, बरनोल और ऑल आउट कंपनियों की ओर से अधिकृत किया गया है कि बाजार में यदि इन कंपनियों के नाम से कोई नकली उत्पाद बिक्री के लिए पाया जाता है तो उनकी संस्था विधिक कार्रवाई करेगी। इसी क्रम में सूचना प्राप्त हुई थी कि देवेंद्र पुरी कॉलोनी स्थित सुमित जिंदल किराना भंडार से नकली हार्पिक, ऑल आउट और टाटा नमक की आपूर्ति की जा रही है। सूचना के आधार पर कंपनी प्रतिनिधियों ने पुलिस बल के साथ दुकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान वहां से टाटा नमक के 750 पैकेट, हार्पिक के 432 पैकेट तथा ऑल आउट के 218 पीस बरामद किए गए।

प्राथमिक जांच में यह समस्त सामान संदिग्ध और नकली प्रतीत हुआ। बरामद सभी उत्पादों को मौके पर ही सील कर कब्जे में ले लिया गया।
पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कंपनी प्रतिनिधि की तहरीर के आधार पर सुमित जिंदल किराना भंडार, देवेंद्र पुरी कॉलोनी तथा राकेश निवासी गांव बखारवा के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है तथा यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकली सामान की आपूर्ति कहां से की जा रही थी और इस नेटवर्क में और कौन कौन लोग शामिल हैं।
स्थानीय लोगों में इस कार्रवाई के बाद हड़कंप की स्थिति रही। पुलिस का कहना है कि उपभोक्ताओं की सेहत और अधिकारों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संपादकीय

दिल्ली शराब नीति घोटाले में राहत के बाद राजनीति की नई करवट: क्या बदलेगा समीकरण?

27 फरवरी 2026 का दिन राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज किया जाएगा। अदालत द्वारा गठित मामले में कथित शराब नीति घोटाले को लेकर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत मिलना केवल एक कानूनी फैसला नहीं है, बल्कि यह आने वाले महीनों की राजनीति की दिशा तय करने वाला संकेत भी है। लंबे समय से चली आ रही जांच, आरोप प्रत्यारोप, गिरफ्तारी, जमानत और सुनवाई की प्रक्रिया के बाद आया यह निर्णय कई सवालों को जन्म दे रहा है क्या इससे आम आदमी पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी? क्या विपक्षी एकता का समीकरण बदलेगा? और क्या सत्तारूढ़ दल की रणनीति में कोई परिवर्तन दिखेगा?

शराब नीति प्रकरण पिछले कुछ वर्षों से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में रहा। इस मामले ने न केवल दिल्ली की राजनीति को प्रभावित किया, बल्कि इसे भ्रष्टाचार बनाम राजनीतिक प्रतिशोध की बहस का प्रतीक बना दिया। एक पक्ष इसे व्यवस्था में पारदर्शिता की लड़ाई बताता रहा, तो दूसरा पक्ष इसे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का परिणाम कहता रहा। ऐसे में अदालत से मिली राहत ने आम आदमी पार्टी को यह कहने का अवसर दे दिया है कि सत्य की जीत हुई है। दूसरी ओर, विरोधी दलों के सामने यह चुनौती है कि वे अपनी अब तक की राजनीतिक भाषा और आरोपों को किस तरह पुनर्संरचित करें।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह फैसला समय की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दल पहले ही एक साझा मंच की संभावनाएं तलाश रहे हैं। ऐसे में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की सक्रिय राजनीतिक वापसी विपक्षी खेमे को मनोबल प्रदान कर सकती है। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में जहां आम आदमी पार्टी की सरकार है, वहां कार्यकर्ताओं के भीतर नया उत्साह देखने को मिल सकता है। पार्टी इसे नैतिक विजय के रूप में प्रस्तुत कर सकती है और आगामी चुनावों में संघर्ष और सत्य की कथा को प्रमुखता दे सकती है।

हालांकि राजनीति केवल अदालत के फैसलों से संचालित नहीं होती, जनमानस की धारणा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। बीते वर्षों में इस मामले ने आम आदमी पार्टी की छवि पर असर डाला है। विरोधियों ने इसे भ्रष्टाचार के प्रतीक के रूप में प्रचारित किया। अब चुनौती यह होगी कि पार्टी इस राहत को किस प्रकार जनविश्वास में परिवर्तित करती है। क्या वह प्रशासनिक उपलब्धियों, शिक्षा और स्वास्थ्य मॉडल पर फिर से फोकस कर पाएगी? या फिर यह मामला लंबे समय तक राजनीतिक बहस का हिस्सा बना रहेगा?

सत्तारूढ़ दल के लिए भी यह क्षण आत्ममंथन का हो सकता है। यदि अदालत ने आरोपों को पर्याप्त आधार न मानते हुए राहत दी है, तो विपक्ष इसे एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों से जोड़ सकता है। ऐसे में केंद्र की राजनीति में संवाद की भाषा और भी तीखी हो सकती है। संसद से लेकर सड़कों तक, यह मुद्दा फिर से गूंज सकता है। साथ ही, यह भी संभव है कि सत्तापक्ष विकास और राष्ट्रीय मुद्दों की ओर विमर्श को मोड़ने की कोशिश करे ताकि यह फैसला राजनीतिक केंद्रबिंदु न बन पाए।

दिल्ली की स्थानीय राजनीति पर इसका सीधा प्रभाव पड़ना तय है। आम आदमी पार्टी लंबे समय से यह कहती रही है कि उसके नेताओं को कामकाज से रोकने के लिए कानूनी जाल में उलझाया गया। अब यदि शीर्ष नेतृत्व पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतरता है, तो नगर निगम से लेकर विधानसभा तक राजनीतिक सक्रियता तेज हो सकती है। विपक्ष के रूप में भारतीय जनता पार्टी को भी अपनी रणनीति को नए सिरे से गढ़ना होगा, क्योंकि अब हमला करने के लिए पूर्व जैसी परिस्थितियां नहीं रहीं।

~ मौलिक चिंतन ~

अकेलेपन की शिकायत, उस ईश्वर के प्रति अपराध है, जो हमेशा हमारे साथ रहता है।

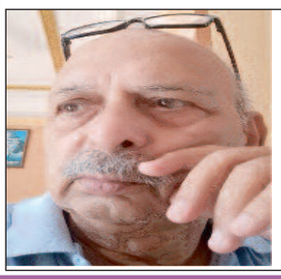

© विनय संकोची

किसानों के हितों की रक्षा हेतु इथेनॉल नीति में तत्काल संशोधन की आवश्यकता : डॉ. कृष्णबीर चौधरी, अध्यक्ष भारतीय कृषक समाज

भारत सरकार के महत्वाकांक्षी इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम (ईबीपी) के अंतर्गत वर्ष 2025-26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। सशक्त नीतिगत पहल और किसानों की उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता के बल पर यह लक्ष्य निर्धारित समय से पहले प्राप्त कर लिया गया। परिणामस्वरूप देश में इथेनॉल उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो अब घरेलू मांग से अधिक हो चुकी है। ऐसे परिवर्तित परिदृश्य में किसानों के हितों की रक्षा के लिए इथेनॉल नीति में समयानुकूल संशोधन अत्यंत आवश्यक है।

उत्पादन क्षमता और मांग का अंतर

अक्टूबर 2025 तक देश की कुल इथेनॉल उत्पादन क्षमता लगभग 1953 करोड़ लीटर तक पहुँच चुकी थी, जबकि 20 प्रतिशत मिश्रण हेतु लगभग 1023 करोड़ लीटर इथेनॉल की ही खरीद की गई। इस प्रकार लगभग 930 करोड़ लीटर की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता उपलब्ध है। देश में वर्तमान में 499 इथेनॉल आसवन संयंत्र (डिस्टिलरी) कार्यरत हैं, किंतु अधिकांश अपनी पूर्ण क्षमता से कम पर संचालित हो रहे हैं। कई इकाइयाँ 40 प्रतिशत से भी कम क्षमता पर कार्य कर रही हैं।

इस स्थिति के कारण कच्चे माल की खरीद में कमी आई है, जिससे बाजार में अधिशेष बढ़ा और कृषि जिंसों के मूल्य प्रभावित हुए हैं।

मक्का किसानों पर प्रभाव

एक वर्ष पूर्व खुले बाजार में मक्का का मूल्य लगभग 2500 रुपये प्रति क्विंटल था, जो घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2400 रुपये से अधिक था। वर्तमान में यह मूल्य घटकर लगभग 1500 रुपये प्रति क्विंटल रह गया है, जो एमएसपी से काफी कम है। इससे मक्का उत्पादक किसानों पर गंभीर आर्थिक दबाव उत्पन्न हुआ है।

गन्ना किसानों की स्थिति

वर्ष 2018 में भारत सरकार ने इथेनॉल को चीनी उद्योग का प्रमुख आय-स्रोत घोषित किया था। इसके पश्चात गन्ने के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में 39 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 255 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 355 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। इससे देश के लगभग 5 करोड़ गन्ना किसानों की आय में वृद्धि हुई। वर्तमान में इथेनॉल खपत में गन्ने की भागीदारी लगभग 30 प्रतिशत है।

किन्तु इथेनॉल के अविक्रीत भंडार के कारण चीनी मिलों द्वारा किसानों के भुगतान में देरी हो रही है, जिससे गन्ना किसान पुनः आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

धान एवं अन्य अनाज उत्पादकों पर प्रभाव

भारत अपनी घरेलू आवश्यकता से अधिक चावल का उत्पादन करता है। अधिशेष चावल का उपयोग तेजी से इथेनॉल उत्पादन में हो रहा था, जिससे अनाज किसानों को पारंपरिक बाजारों पर निर्भरता कम करने और बेहतर लाभ प्राप्त करने का अवसर मिला। किंतु आसवन संयंत्रों की कम उपयोग क्षमता के कारण अनाज की कीमतों में गिरावट आई है और इथेनॉल हेतु अन्य अनाजों के उपयोग की संभावनाएँ सीमित हो गई हैं।

आत्मनिर्भरता की दिशा में उपलब्धि

इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के लिए कच्चे माल का अधिशेष उत्पादन भारत को खाद्य और ऊर्जा दोनों क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस उपलब्धि को सशक्त नीतिगत प्रोत्साहन द्वारा समर्थन दिए जाने की आवश्यकता है, ताकि किसानों से निरंतर खरीद सुनिश्चित हो और उनकी आय संरक्षित रह सके।

आवश्यक नीतिगत सुझाव

1. निर्यात को बढ़ावा

अतिरिक्त इथेनॉल का निर्यात कर मूल्य स्थिरता लाई जा सकती है और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा सकता है। दक्षिण-पूर्व एशिया, यूरोप और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में जैव ईंधन की बढ़ती मांग संभावित बाजार प्रस्तुत करती है। अनुमानतः 930 करोड़ लीटर वार्षिक निर्यात क्षमता विकसित की जा सकती है।

2. पेट्रोल में मिश्रण प्रतिशत बढ़ाना

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा 27 प्रतिशत तक बढ़ाने की दिशा में बाधाओं को दूर किया जाए। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा ई 27 ईंधन के मानक शीघ्र निर्धारित किए जाएँ। साथ ही ई 20 एवं उच्च मिश्रण अनुकूल वाहनों के पंजीकरण हेतु नीति को अनिवार्य बनाया जाए।

3. विमानन एवं औद्योगिक उपयोग को प्रोत्साहन

इथेनॉल डीजल मिश्रण पर अनुसंधान तेज किया जाए। इथेनॉल आधारित सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) के विकास को प्रोत्साहित किया जाए तथा रासायनिक एवं औषधीय उद्योगों में इसके व्यापक उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

4. मूल्य स्थिरीकरण कोष

इथेनॉल मूल्य स्थिरीकरण कोष स्थापित कर अधिशेष उत्पादन के लिए बफर भंडारण तंत्र विकसित किया जाए। किसानों की आय सुरक्षा हेतु इथेनॉल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित किया जाए।

5. भुगतान तंत्र सुदृढ़ीकरण

प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली लागू कर गन्ना आपूर्ति के 14 दिनों के भीतर भुगतान अनिवार्य किया जाए तथा विलंब की स्थिति में मिलों पर दंडात्मक प्रावधान लागू हों।

6.इथेनॉल आधारित उद्योगों का विकास, इथेनॉल से एथिल एसीटेट, एथिलीन तथा जैव प्लास्टिक जैसे उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दिया जाए। इथेनॉल व्युत्पन्न बाजार के विकास से किसानों एवं प्रसंस्करणकताओं के लिए आय के नए स्रोत सृजित होंगे।

भारत ने इथेनॉल उत्पादन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, परंतु वर्तमान परिस्थिति में नीतिगत संतुलन आवश्यक है। यदि समय रहते निर्यात, मिश्रण वृद्धि, वैकल्पिक उपयोग, मूल्य स्थिरीकरण और भुगतान सुधार जैसे उपाय लागू किए जाते हैं, तो न केवल इथेनॉल बाजार स्थिर होगा बल्कि करोड़ों किसानों की आय भी सुरक्षित और सुदृढ़ होगी। यही समय है जब सरकार किसानों के हितों को केंद्र में रखकर इथेनॉल नीति में आवश्यक संशोधन करे, ताकि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को स्थायी आधार मिल सके।

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है।

ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं।

जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा।

भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतः देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है।

भारत मंडपम में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्ण को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है कि पार्टी के विरोध करने के शऊर, मुददे और मंच सही नहीं हैं। इसी वजह से उनकी साख नहीं बन पा रही है। सबसे पुरानी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पता है कि राजनीति में साख का क्या महत्व होता है।

रमन की विरासत और नारी नेतृत्व: विकसित भारत का वैज्ञानिक युग

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं।

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान... मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा

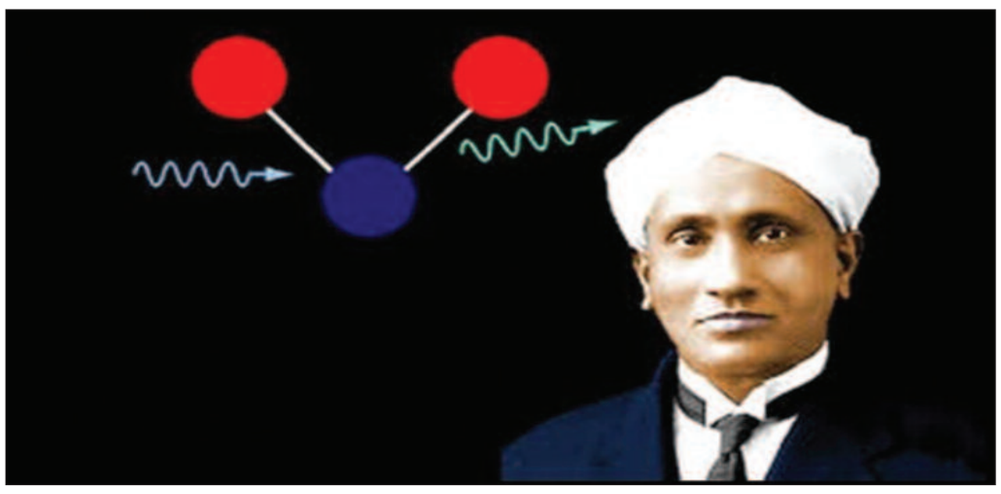

माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्यौगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा : 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का ह्यदैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई 'विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

संक्षिप्त समाचार

फरवरी में ही तपने लगा प्रदेश, आगरा-प्रयागराज सहित इन जिलों में पारा तीस के ऊपर

लखनऊ, एजेंसी। फरवरी खत्म होने से पहले ही उत्तर प्रदेश में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मंगलवार को प्रदेश के आठ जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। दोपहर की तेज धूप ने लोगों को छांव तलाशने पर मजबूर कर दिया। मंगलवार को आगरा में सबसे अधिक गर्मी में दर्ज की गई, जहां अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद प्रयागराज में 31.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड हुआ। वाराणसी, उरई और हमीरपुर तीनों जिलों में 30.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। वहीं बांदा में 16.8 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रात दर्ज की गई। बुंदेलखंड क्षेत्र में भी दिन के समय तेज गर्मी महसूस की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना है। दिन और रात का तापमान सामान्य से ऊपर बना रह सकता है।मौसम के इस बदले मिजाज ने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस बार गर्मी समय से पहले दस्तक दे रही है।

इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर: खूब बिक रहे अफगानिस्तान के ड्राईफ्रूट, ईरान की चॉकलेट्स

वाराणसी, एजेंसी। इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में अफगानिस्तान के ड्राईफ्रूट, ईरान की चॉकलेट लोग खूब खरीद रहे हैं। इसमें देश-विदेश के कारोबारियों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। वाराणसी में बड़ालालपुर स्थित दीनदयाल हस्तकला संकुल में आयोजित 11 दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में देश-विदेश के कारोबारियों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। दोपहर 12 से रात 9 बजे तक चलने वाले इस मेले में बड़ी संख्या में लोग अंतरराष्ट्रीय उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं। आयोजन कर्ताओं ने बताया कि मेले का मुख्य आकर्षण विदेशी स्टॉल्स हैं। जो काशीवासियों को वैश्विक बाजार की झलक एक ही छत के नीचे प्रदान कर रहे हैं। मेले में अफगानिस्तान से आए ड्राई फ्रूट्स, ईरान की मशहूर चॉकलेट्स, दुबई के परफ्यूम और गारमेंट्स और थाईलैंड के फुटवियर लोगों के आकर्षण का केंद्र हैं।मेले में केवल अंतरराष्ट्रीय ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से भी कई स्टॉल्स लगे हैं। इनमें हस्तशिल्प, रेडीमेड वस्त्र, घरेलू सजावटी सामान और खानपान की विविधता देखने को मिल रही है। शाम के समय यहां सबसे ज्यादा भीड़ आ रही है। मेले में उद्यमी और व्यापारी ग्राहकों को विभिन्न डिस्काउंट भी दिए जा रहे हैं।

फैमिली आईडी में लापरवाही मिलने पर दो बीडीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि

मेरठ। विकास भवन सभागार में मंगलवार को डीएम डॉ. वीके सिंह की अध्यक्षता में निर्माणाधीन परियोजना, सीएम डैशबोर्ड व जनकल्याणकारी योजना की समीक्षा बैठक हुई। फैमिली आईडी के कार्य में उदासीनता पाए जाने पर हस्तिनापुर, परीक्षितगढ़ के बीडीओ को डीएम ने प्रतिकूल प्रविष्टि दी।डीएम ने कहा कि सभी कार्यदायी संस्था विकास परियोजना को तय समयसीमा, उच्च गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर शिथिलता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शासन की मंशा के अनुरूप परियोजना को समय पर पूरा करना सभी विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा में डीएम ने पेयजल आपूर्ति निर्बाध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां रोड कटिंग की गई है, वहां पर सड़कों की मरम्मत मानक के अनुसार कराई जाए। किसी ठेकेदार द्वारा अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई

होली पर घर वापसी शुरू

दिल्ली और मुंबई की ट्रेनों में कन्फर्म सीट हुई कठिन

लखनऊ, एजेंसी। होली का त्योहार नजदीक आते ही दिल्ली, मुंबई और हावड़ा रूट पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। रेगुलर ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 150 से 200 के पार पहुंच गई है, लेकिन रेलवे प्रशासन यात्रियों को राहत देने के बजाय स्पेशल ट्रेनों के जरिये कमाई

रेलवे ने दावा किया था कि मुंबई रूट पर चलने वाली उद्योगनगरी एक्सप्रेस जैसी साप्ताहिक और द्विसाप्ताहिक ट्रेनों को रेगुलर किया जाएगा। इस घोषणा के महीने भर बाद भी स्थिति जस की तस है। यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल का कहना है कि रेलवे अफसर यात्रियों के हितों को लेकर गंभीर नहीं हैं। रेगुलर ट्रेनों को विस्तार देने के बजाय केवल स्पेशल ट्रेनों का कारवां बढ़ाया जा रहा है। अब तक 76 स्पेशल ट्रेनों की घोषणा हो चुकी है, जिनकी संख्या 110 तक पहुंचने की उम्मीद है।

अतिरिक्त बोगियों का संकटः 190 कोच की दरकार

सूत्रों के मुताबिक, लखनऊ से दिल्ली, मुंबई और हावड़ा रूट की ट्रेनों को 24 बोगियों के फुल रैक के साथ चलाने की योजना थी। इसके लिए करीब 190 अतिरिक्त बोगियों (जनरल, स्लीपर और एसी) की जरूरत है, लेकिन रेलवे के पास कोच उपलब्ध न होने के कारण यह योजना कागजों तक सीमित रह गई है। नतीजतन, रेगुलर ट्रेनों में जगह न मिलने से यात्री परेशान हैं। यात्री संगठनों का आरोप है कि स्पेशल ट्रेनें दरअसल रेलवे की कमाई का जरिया हैं। इन ट्रेनों का किराया रेगुलर ट्रेनों की तुलना में अधिक होता है। मजबूरी में यात्रियों को होली पर घर जाने के लिए जेब ढीली करनी पड़ रही है। जहां रेगुलर ट्रेनों में क्लोन ट्रेनें चलाने और बोगियां बढ़ाने की मांग ठंडे बस्ते में है, वहीं, महंगे किराये वाली 76 स्पेशल ट्रेनें 26 फरवरी से पटरी पर उतरने को तैयार हैं।

प्रदेश में होली पर नहीं होगी बिजली कटौती

लखनऊ, एजेंसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति समिति ने आरोप लगाया कि बिजली कर्मियों के आवासों पर स्मार्ट मीटर लगाने के पीछे लखनऊ सहित कुछ चुनिंदा शहरों को फ्रेंचाइजी मॉडल पर देने की योजना है ताकि निजी क्षेत्र के लिए पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण की प्रक्रिया सुगम बने। पदाधिकारियों ने कहा, जिन शहरों को फ्रेंचाइजी मॉडल पर देने की तैयारी है, वहां पहले ही वर्टिकल व्यवस्था लागू कर हजारों संविदा कर्मियों को हटाया जा चुका है। नियमित कर्मचारियों का बड़े पैमाने पर स्थानांतरण किया गया है। राजधानी में लेसा में कल बड़े पैमाने पर बिजली कर्मियों के निलंबन और ट्रांसफर का उद्देश्य केवल भय का वातावरण बनाना है। राजधानी में अब सुधार कार्य के नाम पर बिजली बंद नहीं की जाएगी। यह फैसला होली पर्व को ध्यान में रखते हुए हुआ है। बहुत जरूरी होने पर सुधार कार्य के लिए उच्च अफसरों से अनुमति लेकर आपूर्ति बंद की जाएगी। बिजली बंद किए जाने से बाजार और घरों में कामकाज प्रभावित होने की शिकायतों पर अधिकारियों त्योहार तक के लिए यह निर्णय लिया है। इसके तहत गोमतीनगर के विपिनखंड उपकेंद्र के इलाकों में 25 फरवरी से 10 मार्च तक 14 दिन सुधार कार्य के कारण सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच चार बार कुछ समय के लिए बिजली बंद की जो योजना बनी भी, उसे अगले आदेश तक स्थगित किया गया है, क्योंकि विपिनखंड उपकेंद्र इलाके में आईएएस व जन प्रतिनिधियों के आवास हैं।

इन इलाकों में रहेगा आंशिक संकट

शहर के कुछ इलाकों में मेंटेनेंस कराए जाने के कारण बृहस्पतिवार को कुछ जगह बिजली बंद रहेगी, मगर उपभोक्ताओं पर इसका आंशिक असर होगा। एक्सईएन जय प्रकाश ने बताया कि होली पर अतिरिक्त स्रोत की बिजली का इंतजाम करने के लिए बृहस्पतिवार को गऊघाट उपकेंद्र की 33 केवी लाइन के सिस्टम पर काम करने के लिए सज्जादबाग, काशी विहार, मल्लाहीटोला, दौलतगंज की बिजली सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक बिजली बंद रहेगी। इसी प्रकार कपूरथला उपकेंद्र के एलडीए मार्केट के आसपास दोपहर 12 बजे से कुछ देर के लिए बिजली बंद की जाएगी।

रंगभरी एकादशी पर हरिश्चंद्र, 28 को मणिकर्णिका पर होगी मसाने की होली; आयोजकों ने कही ये बात

वाराणसी , एजेंसी। अघोर पीठ के पीठाधीश्वर औघड़ कपाली बाबा ने कहा कि काशी की धार्मिक परंपराओं में मसाने की होली है। इसके बिना कोई सनातनी होली नहीं मनाता है। होलिका दहन के बाद ही हम होली मनाते हैं। होलिका की चिता से ही तो हम होली की शुरुआत करते हैं। जबकि अघोर परंपरा के अनुयायी भगवान शिव के उपासक होते हैं और वह चिता भस्म के साथ होली खेलते हैं। इसलिए इसे परंपरा से अलग नहीं कर सकते हैं। इस बार भी चिता भस्त की होली होगी। 27 फरवरी को हरिश्चंद्र घाट और 28 फरवरी को मणिकर्णिका घाट पर परंपरागत ढंग से मसाने की होली खेली जाएगी। इसको लेकर प्रशासन से वार्ता हुई है। व्यवस्थित तरीके से आयोजन होगा।

तैयारियां तेज : हरिश्चंद्र घाट पर बुधवार को कपाली बाबा और मणिकर्णिका घाट पर चिता भस्म की होली के आयोजक गुलशन कपूर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मसाने की होली को विरोध की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। हर किसी को अपने मत देने का हक है। श्रीकाशी विद्वत परिषद के मत का हम खंडन नहीं कर सकते हैं। मगर, यह कहना कि मसाने की होली की परंपरा नहीं है। मथुरा में लट्ठमार, ब्रज में लड्डू से होली खेली जाती है। ऐसे ही काशी में मसाने की होली खेली जाती है। अब इसका स्वरूप विराट हुआ है तो इसे सिरे से खारिज कर देना कि यह होता ही नहीं है, गलत है। कपाली बाबा ने कहा कि बिना होलिका के होली हो ही नहीं सकती है। अघोर परंपरा के लोग शिव के उपासक हैं। उनके लिए मसाने की होली खास होती है। दोनों घाटों पर पालकी यात्रा निकाली जाएगी। दोपहर में बाबा मसाननाथ के अभिषेक और आरती के बाद भस्म की होली होगी।

350 वर्षों पहले शैव संन्यासियों ने की थी शुरू : कपाली बाबा ने बताया कि प्राप्त पारंपरिक साक्ष्यों के अनुसार, मसाने की होली संगठित एवं उत्सवी स्वरूप में करीब 350 वर्षों पूर्व बाबा कालभैरव के तत्कालीन पीठाधिपति अघोरी उमानाथ, बाबा कीनाराम महाराज के प्रधान शिष्य बाबा बीजाराम और नाथ परंपरा के प्रसिद्ध संत योगी दीनानाथ के संयोजन में मसाने की होली शुरू हुई थी। इनका उल्लेख परंपरागत प्रपत्रों एवं स्थानीय इतिहासकारों के अभिलेखों से प्राप्त होता है।

बोर्ड परीक्षा छोड़कर मंदिर में सात फेरे लेने पहुंचे प्रेमी युगल, पुलिस ने रोकी शादी

चंदौली, एजेंसी। चंदौली जिले के सकलडीहा कोतवाली क्षेत्र के स्वयंभू कालेश्वरनाथ मंदिर में बुधवार को यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा छोड़कर एक प्रेमी युगल फेरे लेने पहुंचे। दोनों परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले मंदिर पहुंचे थे। इस दौरान जांच में लड़की नाबालिग और लड़का बालिग निकला। मंदिर में लड़की के घर वाले मौजूद थे। शादी की सूचना मिलने पर पर युवक के परिजनों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा कर दिया। उधर, जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने शादी रोककर दोनों को परीक्षा दिलाने परीक्षा केंद्र ले गई।

क्या है पूरा मामला

थानाध्यक्ष भूपेंद्र निषाद ने बताया कि बलुआ थाना क्षेत्र के एक ही गांव के रहने वाले लड़का-लड़की में पिछले छह महीने से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों की इंटर की परीक्षा चल रही थी। लड़की की इंटर की समाजशास्त्र और लड़के की रसायन विज्ञान की परीक्षा थी। मंदिर में शादी के समय किशोरी के परिजन मौजूद थे। लड़के वाले की सूचना पर 112 पुलिस टीम मौके पर गई। दोनों पक्षों को थाने लेकर आई।

किशोरी की उम्र साढ़े 17 वर्ष है। पुलिस टीम ने शादी रोककर लड़के को डोरियांव इंटर कॉलेज और लड़की को कृष्णा इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र लेकर जाकर परीक्षा दिलवाई। परीक्षा के बाद चाइल्ड लाइन को फोन कर दिया गया है। टीम किशोरी का बयान दर्ज करेगी। उसे रातभर वन स्टॉप सेंटर में रखा गया आज यानी बृहस्पतिवार को मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज होगा।

पॉलीटेक्निक संस्थानों में शुरू होगी एआई-डाटा साइंस की पढ़ाई

टाटा के सहयोग से 45 संस्थानों से शुरूआत

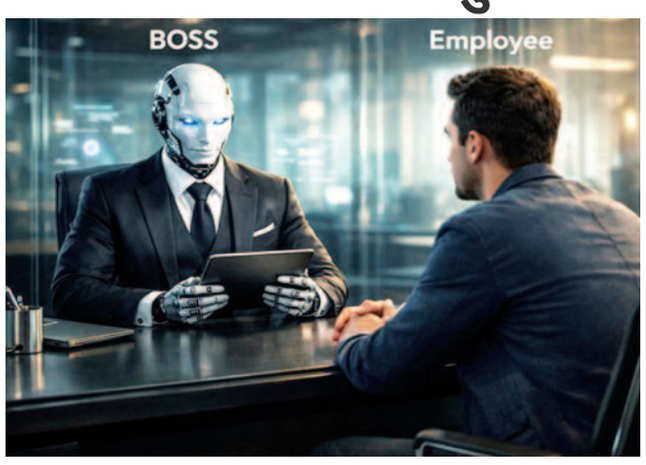

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों को अपग्रेड करने के साथ ही छात्रों को अत्याधुनिक तकनीक की पढ़ाई कराने की कवायद तेज हो गई है। इसके तहत प्राविधिक शिक्षा विभाग डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के सहयोग से पाठ्यक्रम अपडेट करवा रहा है ताकि नए सत्र से छात्रों को एआई और डेटा साइंस जैसे आधुनिक क्षेत्रों की पढ़ाई कराई जा सके।

प्रदेश के 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों को टाटा के सहयोग से अपग्रेड किया जा रहा है। टाटा यहां पर इमर्जिंग टेक्नोलॉजी से जुड़ी मशीनों की स्थापना के साथ ही इसके लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार कर रहा है। संस्थानों में इन क्षेत्रों से संबंधित अत्याधुनिक लैब भी तैयार की जाएगी ताकि युवाओं को प्रशिक्षण भी दिया जा सके। साथ ही महानिदेशक प्राविधिक शिक्षा सेल्वा कुमारी जे की पहल पर नए सत्र 2026-27 से पॉलीटेक्निक के पाठ्यक्रम को अपडेट करने की भी तैयारी तेज कर दी गई है।

इसमें नए सत्र से छात्रों को एआई, मशीन लर्निंग, डाटा साइंस, ब्लॉकचेन, साइबर सिक्योरिटी, डाटा एनालिसिस की पढ़ाई कराई जाएगी। इससे यहां के युवा इस क्षेत्र में रोजगार के लिए तैयार हो सकेंगे। इसके लिए हाल ही में पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्यों व विषय विशेषज्ञों ने एकेटीयू कुलपति प्रो. जेपी पांडेय से मुलाकात की थी। उन्होंने पाठ्यक्रम में बदलाव के साथ ही शिक्षकों को भी तकनीकी रूप से अपग्रेड करने का सुझाव दिया है। जल्द ही एकेटीयू के विशेष विशेषज्ञों के साथ बैठक कर पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा और नए सत्र से लागू किया जाएगा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने थाना कोतवाली गाजियाबाद के आपराधिक मामले की कार्यवाही पर लगाई रोक

प्रयागराज (शिखर समाचार)

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वर्ष 2025 को धारा 528 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत दायर प्रार्थना पत्र संख्या 52121 पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी की एकलपीठ ने गाजियाबाद के एक पुराने आपराधिक मामले की आगे की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह प्रार्थना पत्र जितेन्द्र दत्त शर्मा व दो अन्य की ओर से राज्य सरकार व एक अन्य के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया था।

न्यायालय कक्ष संख्या 74 में हुई सुनवाई के दौरान आवेदकों की ओर से अधिवक्ता अपूर्व हजेला ने प्रार्थना पत्र की प्रार्थना संबंधी धारा में आवश्यक संशोधन किया। आवेदकों की ओर से अपूर्व हजेला ने पक्ष रखा, जबकि विपक्षी पक्ष की ओर से अतिरिक्त शासकीय अधिवक्ता तथा निजी प्रतिवादी की ओर से उपस्थित रहे।

प्रकरण के अनुसार आवेदकों ने वर्ष 2004 के मुकदमा अपराध संख्या 221(क) से

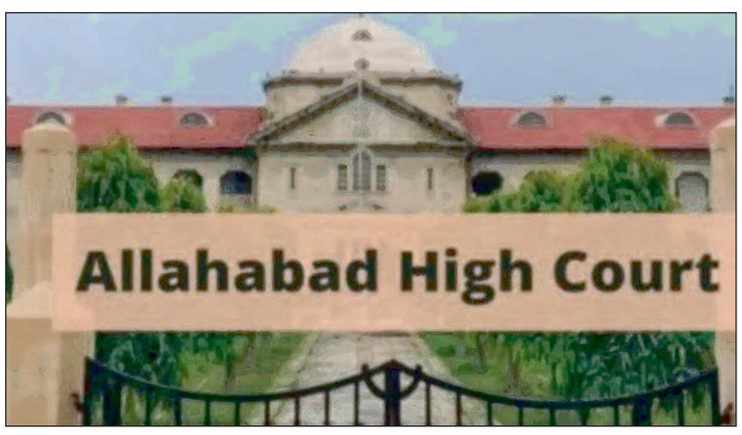

उत्पन्न वर्ष 2025 के आपराधिक वाद संख्या 5135 की संपूर्ण कार्यवाही तथा दिनांक 1 अगस्त 2008 के संज्ञान/समन आदेश को निरस्त किए जाने की मांग की है। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धाराओं 409, 420, 467, 468, 471 एवं 120(बी) के अंतर्गत थाना कोतवाली, जनपद गाजियाबाद में पंजीकृत है और वर्तमान में अपर सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन)/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय संख्या 3, गाजियाबाद में विचाराधीन है।

आवेदकों की ओर से अधिवक्ता अपूर्व हजेला ने जोरदार पैरवी करते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि प्रथम सूचना रिपोर्ट दिनांक 1 मई 2004 दुर्भावनापूर्ण एवं मिथ्या आरोपों के आधार पर केवल उत्पीड़न के उद्देश्य से दर्ज कराई गई थी। यह भी कहा गया कि मूल ऋण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बैंक से लिया गया था और आवेदक केवल जमानतदार थे। निजी प्रतिवादी संख्या 2 की ओर से यह तथ्य स्वीकार किया गया कि संबंधित ऋण की अदायगी की जा चुकी है। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया प्रकरण को विचारणीय मानते हुए राज्य सरकार तथा निजी प्रतिवादी को प्रति शपथपत्र दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय प्रदान किया है। इसके उपरांत प्रत्युत्तर शपथपत्र एक सप्ताह में दाखिल किया जा सकेगा। मामले की अगली सुनवाई आठ सप्ताह बाद सूचीबद्ध की गई है।

तत्काल प्रभाव से न्यायालय ने आदेश दिया है कि अगली सुनवाई तक संबंधित आपराधिक वाद की आगे की कार्यवाही आवेदकों के विरुद्ध स्थगित रहेगी। इस आदेश से आवेदकों को अंतरिम राहत प्राप्त हुई है।

बसपा ने ब्राह्मणों को साथ लाने के लिए शुरू की तैयारी

सोशल इंजीनियरिंग से 2027 जीतने की तैयारी शुरू

लखनऊ, एजेंसी। बसपा ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों को अमली जामा पहनाने के साथ जालौन की माधौगढ़ सीट से आशीष पांडेय को प्रत्याशी घोषित कर बड़ा सियासी संदेश दिया है। प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मणों की नाराजगी और यूजीसी के नए नियमों के मुद्दे पर स्पष्ट राय देने के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा पहला टिकट ब्राह्मण प्रत्याशी को देने से साफ हो गया है कि पार्टी विधानसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर करने के मकसद से काम कर रही है। सूत्रों की मानें तो बसपा इस बार चुनाव में 80 सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। वहीं, जून तक करीब 50 टिकट फाइनल कर दिए जाएंगे ताकि प्रत्याशी अपने क्षेत्र में प्रचार शुरू कर दें। खासकर बीते विधानसभा चुनाव में बसपा जिन सीटों पर बेहद कम अंतर से हारी थी वहां पर प्रत्याशियों के नाम की भी घोषणा जल्दी की जाएगी। दरअसल, वर्ष 2012 के बाद हुए विधानसभा चुनावों में बसपा को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। वर्तमान में यूपी में पार्टी का सिर्फ एक विधायक है। लोकसभा चुनाव में भी बसपा को खासा नुकसान हुआ था जिसके बाद पार्टी का भरोसा मुस्लिम मतदाताओं से डिगा था। अब पार्टी वर्ष 2007 के अपने सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले पर दोबारा फोकस कर रही है जिसमें ब्राह्मण प्रत्याशियों को खासा प्रतिनिधित्व देने के साथ मंत्री भी बनाया गया था।

बहन के तिलक का सामान लेने गया था भाई, दो दोस्तों सहित मौके पर मौत

लखनऊ, एजेंसी। रायबरेली जिले के जगतपुर के फतेहपुर मोलिया के पास बुधवार रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा कर गड्ढे में घुस गई। हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी जगतपुर लाया गया था, लेकिन चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित बताया। तीनों युवक आपस में मित्र थे।

ग्राम मदौलतपुर निवासी धनंजय सिंह (32), ग्राम अलीगंज डिगवा निवासी आशुतोष (35) व ग्राम परिहरी निवासी संदीप (35) बृहस्पतिवार की शाम को कार से रायबरेली आए थे। शहर में काम निपटाने के बाद तीनों दोस्त कार से वापस जगतपुर लौट रहे थे। रास्ते में ग्राम फतेहपुर मोलिया के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और वह सीधे सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। कार की रफ्तार अधिक होने से पेड़ से टकराने के बाद कार सड़क किनारे बने गड्ढे में घुस गई। इस दौरान कार सवार तीनों

युवकों की मौत हो गई।

घटना की जानकारी सड़क से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी जगतपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉक्टर लाइक अहमद ने तीनों को मृत बताया। उनके मुताबिक तीनों युवकों की मौत हादसे के दौरान ही हो गई थी। सिर पर गंभीर चोट लगने से मौत होने की बात बताई गई है। भदोखर थाना प्रभारी राकेश चंद्र आनंद ने बताया कि हादसे की जांच कराई जा रही है। कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। कार किसकी है, इसकी जानकारी की जा रही है।

संदीप की बहन रोली के तिलक समारोह के लिए घर पर खुशी का माहौल होने के साथ सभी तैयारी में लगे हुए थे। शाम को जब संदीप घर से बहन के तिलक का सामान लेकर निकले तो किसी ने सोचा नहीं था कि वह वापस घर नहीं लौट पाएंगे। बेटे की मौत की माता पिता बेसुध हो गए हैं तो वहीं रोली के लिए भाई की मौत किसी बड़े सदमे से कम नहीं है। वह खुद को कोस रही थी कि तिलक समारोह के कारण भाई को घर से जाना पड़ा।

उधर मृत धनंजय और अशोक के परिजन भी सीएचसी जगतपुर में रोते बिलखते दिखे। एक साथ तीन परिवारों की खुशियां खत्म हो गईं। सीएचसी में भारी भीड़ दिखी। जिसे पुलिस को नियंत्रित करना पड़ा। संदीप, अशोक और धनंजय के परिजन नियति के खेल के आगे पस्त दिखाई पड़े। वहीं तीनों गांवों में लोगों का जमघट लगा रहा। हर किसी की जुबान पर इस हादसे के साथ जगतपुर के गंगा एक्सप्रेस वे पर हुए हादसे की बात होती रही। गांवों के लोगों का कहना था कि जाने जगतपुर को किसकी नजर लग गई है कि हर दिन कोई न कोई हादसा हो रहा है।

जिस कार से हादसा हुआ है, वह अलीगढ़ के शिव कुमार के नाम पर रजिस्टर है। कार की दस साल एक माह पुरानी है और यूरो फोर का इंजन लगा है। कार की फिटनेस सात जनवरी 2031 तक है और टैक्स की वैधता 19 नवंबर 2030 तक है। प्रदूषण के कागज की वैधता 28 जून 2024 तक है और इंश्योरेंस 12 दिसंबर 2026 तक है। शिव कुमार कौन है और उनकी कार संदीप के पास कैसे आई, इसके बारे में पुलिस जांच कर रही है। परिवार के लोग अभी कुछ भी बताने की हालत में नहीं है। सीएचसी से लेकर गांव तक मातम पसरा हुआ है।

विधायक ने सीएचसी जाकर घटना का लिया हाल : घटना की जानकारी मिलते ही ऊंचाहार विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय मौके पर गए और उन्होंने घटना के बाबत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने परिवार के लोगों को ढाढस बंधाया।

नेटफ्लिक्स की बोली ठुकराई, पैरामाउंट ने वार्नर ब्रदर्स अधिग्रहण में बढ़त बनाई

न्यूयॉर्क ।

नेटफ्लिक्स ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के स्टूडियो और स्ट्रीमिंग व्यवसाय को खरीदने के लिए अपनी नई बोली बढ़ाने से इनकार कर दिया। कंपनी ने कहा कि नई कीमत आर्थिक रूप से आकर्षक नहीं रह जाएगी। इससे पैरामाउंट को अधिग्रहण में स्पष्ट बढ़त मिल गई। स्काइडांस के स्वामित्व वाली पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए अपनी बोली बढ़ाकर प्रति शेयर 31 अमेरिकी डॉलर कर दी। साथ ही कंपनी ने सात अरब डॉलर की नियामक समाप्ति शुल्क पर भी सहमति जताई। पैरामाउंट अपने प्रस्ताव को पूरा करने के लिए अरबों डॉलर का कर्ज लेगा। वार्नर ब्रदर्स के निदेशक मंडल ने इसे 'कंपनी के लिए श्रेष्ठ प्रस्ताव' करार दिया।

नेटफ्लिक्स के विपरीत, पैरामाउंट वार्नर के सभी संचालन खरीदना चाहता है, जिसमें सीएनएन और डिस्कवरी जैसे नेटवर्क शामिल हैं। इससे सीएनएन का संयोजन पैरामाउंट के सीबीएस के साथ होगा और हॉलीवुड के प्रमुख स्टूडियो में दो

का विलय होगा। पहले वार्नर महीनों तक नेटफ्लिक्स के प्रस्ताव का समर्थन कर रहा था। लेकिन जब पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए प्रतिस्पर्धी बोली और अन्य संशोधन पेश किए, तो निदेशक मंडल ने अपनी राय बदल दी। इसका मुख्य आधार यह था कि किस प्रस्ताव से शेयरधारकों को अधिक मूल्य मिलेगा और नियामक मंजूरी मिलने की संभावना बेहतर है।

अमेरिका-ईरान तनाव से तेल के 110 डॉलर तक पहुंचने की आशंका

- पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क बैंट क्रूड की कीमतें हाल के दिनों में करीब 10 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो ब्रेंट कच्चा तेल 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 57 प्रतिशत अधिक होगा। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ हारमुज से जुड़ा है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इसी रास्ते से गुजरते हैं। साथ ही दुनिया की करीब 20 प्रतिशत गैस सप्लाई भी इसी मार्ग पर निर्भर है। यदि किसी सैन्य टकराव या अवरोध के कारण यहां से आपूर्ति बाधित होती है, तो तेल कीमतों में 20 से 40 डॉलर प्रति बैरल तक का अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम जुड़ सकता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि तनाव गहराने पर कीमतें 95 से 110 डॉलर प्रति बैरल या उससे ऊपर जा सकती हैं। फिलहाल फरवरी में ब्रेंट लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है और हाल ही में यह 72 डॉलर तक पहुंचा था। निवेशकों और कारोबारियों में आशंका है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर असर पड़ सकता है। हालांकि अगर अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक समाधान निकलता है और किसी प्रकार की सैन्य कार्रवाई नहीं होती, तो कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है। ऐसे परिदृश्य में ब्रेंट फिर से 60 डॉलर के निचले स्तर तक आ सकता है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर मौजूद अतिरिक्त उत्पादन क्षमता भी संभावित आपूर्ति झटकों को संतुलित कर सकती है।

भारत स्मार्टफोन उत्पादन बढ़ाने नई पीएलआई योजना पर कर रहा है विचार

इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा

नई दिल्ली ।

भारत सरकार स्मार्टफोन निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक नई उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने पर विचार कर रही है। मौजूदा योजना 31 मार्च को समाप्त हो रही है। इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा, जिससे स्थानीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। 2020 में शुरू हुई पांच साल की मौजूदा पीएलआई योजना के तहत कंपनियों को वृद्धिशील निवेश और उत्पादन मूल्य लक्ष्य पूरा करने पर 4-6 फीसदी तक प्रोत्साहन मिलता रहा। हालांकि निर्यात और प्रत्यक्ष रोजगार पर नजर रखी जाती रही, पर इन्हें अनिवार्य नहीं माना गया। योजना का कुल बजट 34,193 करोड़ रुपये था, लेकिन वास्तविक भुगतान लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। ऐपल के आपूर्तिकर्ता टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन, साथ ही सैमसंग और डिक्सन टेक्नॉलजीज (इंडिया) इसका बड़ा हिस्सा प्राप्त करेंगे। सरकार को उम्मीद थी कि घरेलू मूल्यवर्धन वित्त वर्ष 2026 तक 35-40 फीसदी तक बढ़ेगा, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह केवल 18-20 फीसदी रह सकता है। 2020 में गलवान सीमा विवाद और प्रेस नोट 3 लागू होने के बाद चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर रोक लग गई, जिससे चीन की कलपुर्जा कंपनियों का भारत में प्रवेश प्रभावित हुआ। इसके परिणामस्वरूप ऐपल ने चीन आधारित आपूर्तिकर्ताओं को भारत लाने की योजना छोड़ दी और स्थानीय व दूसरे देशों की कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने का विकल्प चुना। ऐपल ने अब भारत में लगभग 40 कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला बनाई है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का मानना है कि नई पीएलआई योजना से न सिर्फ भारत आत्मनिर्भर होगा, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा के क्षेत्र में बड़ा निर्यातक भी बनेगा। सरकार ने पहले ही एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना शुरू कर दी है ताकि स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला मजबूत हो।

लॉरस लैब्स के शेयर में तेजी, वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन मजबूत

पिछले दो कारोबारी सत्रों में शेयर की कीमत में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली ।

ठेके पर दवा निर्माण और जेनेरिक दवाओं की प्रमुख कंपनी लॉरस लैब्स के शेयरों ने गुरुवार को बीएसई पर करीब 3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और 1,103.35 रुपये के उच्चतम स्तर को छू लिया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में इस शेयर की कीमत में कुल 8 फीसदी का उछाल आया है। सत्र के अंत में यह 1,092 रुपये पर बंद हुआ, जो 1.52 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। पिछले छह महीनों में शेयर ने बाजार औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 26 फीसदी की वृद्धि की, जबकि बीएसई सेंसेक्स में केवल 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पिछले एक साल में शेयर में 101.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स में केवल 10.2 फीसदी की वृद्धि। दिसंबर तिमाही में लॉरस लैब्स ने राजस्व में 26 फीसदी की बढ़ोतरी कर 1,778 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ। सकल मार्जिन लगभग 60 फीसदी रहा और परिचालन लाभ मार्जिन में 27 फीसदी से थोड़ी अधिक बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने यह प्रदर्शन मुख्य रूप से अपने जेनेरिक कारोबार और सीडीएमओ प्रोग्राम के मजबूत प्रदर्शन के जरिए हासिल किया। भले ही सीडीएमओ कारोबार में कुछ मंदी रही हो, फिर भी विकसित बाजारों में एंटीरेट्रोवायरल दवाओं की बढ़ी हुई मांग और चुनिंदा मॉलिक्युल की मजबूत मांग ने मार्जिन को स्थिर रखा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2028 तक सीडीएमओ का योगदान 16 फीसदी से बढ़कर 32 फीसदी होने का अनुमान है।` वित्त वर्ष 2022-26 में कंपनी के कुल 3,900 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का लगभग 75 फीसदी ऐक्टिव फार्मा और सीडीएमओ पर किया गया।

डीजीसीए ने हवाई टिकट रिफंड और संशोधन नियमों में किया बड़ा बदलाव

प्लेन की टिकट कैंसिल करवाने पर नहीं कटेगा पैसा, बस समय का रखें ध्यान

नई दिल्ली ।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाई टिकट रिफंड और संशोधन के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए प्रावधानों के तहत यात्री बुकिंग के 48 घंटे के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या बदल सकते हैं। यदि यात्री नई उड़ान चुनते हैं और उसका किराया अधिक है, तो किराए का अंतर देना होगा। यह सुविधा तब लागू होगी जब उड़ान की तारीख घरेलू मामलों में कम से कम 7 दिन और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 15 दिन दूर हो। 48 घंटे के बाद सामान्य रद्द/रिफंड नियम लागू होंगे। डीजीसीए ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह भी तय किया है कि अगर टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया गया है और 24 घंटे के भीतर नाम में कोई गलती बताई जाती है, तो एयरलाइन कोई शुल्क नहीं लेगी। यह नियम केवल सीधे बुकिंग पर लागू होगा और छोटी-छोटी टाइपिंग गलतियों के लिए यात्रियों को राहत देगा। अगर टिकट ट्रैवल एजेंट या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से खरीदा गया है, तो रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी, क्योंकि एजेंट उनके अधिकृत प्रतिनिधि माने जाते हैं। एयरलाइन को 14 कार्य दिवसों के भीतर रिफंड प्रक्रिया पूरी करनी होगी। देरी होने पर नियामक कार्रवाई की संभावना होगी, जिससे यात्रियों का पैसा लंबे समय तक फंसा नहीं रहेगा।

चिकित्सा आपात स्थिति में यदि यात्री या उसी पीएनआर पर परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में भर्ती होता है, तो एयरलाइन रिफंड या क्रेडिट नोट का विकल्प दे सकती है। अन्य परिस्थितियों में रिफंड के लिए एयरलाइन या डीजीसीए द्वारा सूचीबद्ध विशेषज्ञ से फिटनेस' प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होगा। दिसंबर 2025 में एयरलाइंस को 29,212 शिकायतें मिली थीं, जिनमें लगभग 7.5 प्रतिशत रिफंड से संबंधित थीं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर 91.06 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.95 पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की नकारात्मक शुरुआत के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बना। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में और अधिक गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला लेकिन बाद में टूटकर 90.95 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 90.91 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 97.70 पर रहा।

किर्लोस्कर को अडानी पावर से थर्मल पावर पंप के लिए मिला 214 करोड़ का ऑर्डर

मुंबई । किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड को अडानी पावर लिमिटेड और उसकी सब्सिडियरी कंपनियों से थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स के लिए सर्कुलेटिंग वॉटर पंप की सप्लाई के लिए 214 करोड़ का ऑर्डर मिला है। शुक्रवार एक एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि अडानी पावर और उसकी सब्सिडियरी कंपनियों, अनूपपुर थर्मल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और कोरबा पावर लिमिटेड ने कंक्रीट वोल्यूट पंप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सर्कुलेटिंग वॉटर पंप की सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग के साथ-साथ सहायक कूलिंग वॉटर पंप और उससे जुड़े इलेक्ट्रिकल और कंट्रोल सिस्टम के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट दिया है। किर्लोस्कर ब्रदर्स ने कहा कि पंप पैकेज मध्य प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़ और बिहार में मौजूद थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स में लगाए जाएंगे।

सिंगापुर की ठकराल कॉरपोरेशन भारत में ड्रोन कलपुर्जों का करेगा विनिर्माण

- भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में 20-30 डीजेआई रिटेल स्टोर खोलने की योजना

सिंगापुर ।

सिंगापुर स्थित ठकराल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अपने नवीनतम वित्तीय विवरण में भारत में विशेषीकृत और एंटरप्राइज-ग्रेड ड्रोन के विनिर्माण की संभावनाओं का अध्ययन करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य औद्योगिक और वाणिज्यिक ड्रोन की बढ़ती मांग को पूरा करना और इस कम सेवा प्राप्त बाजार में अवसरों का लाभ उठाना है। ठकराल की अनुषंगी कंपनी भारत स्काइटेक कृषि ड्रोन क्षेत्र में सक्रिय है और घरेलू विनिर्माताओं को ड्रोन कलपुर्जों का निर्माण और आपूर्ति करती है। इससे समूह को भारत में कृषि ड्रोन खंड में तेजी से विस्तार करने का अवसर मिलेगा। समूह का चीन के डीजेआई टेक्नोलॉजी के साथ समझौता है। अगले 2-3 वर्षों में, ठकराल भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में 20-30 डीजेआई रिटेल स्टोर खोलने की योजना बना रहा है। इनमें प्रमुख शहरों में फ्लैगशिप स्टोर भी शामिल होंगे, जिनकी शुरुआत 2026 की पहली छमाही से होने की संभावना है। ठकराल ने एक उद्योग रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत का ड्रोन बाजार वित्त वर्ष 2023-24 में 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2029-30 तक 11 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। इस तेजी से बढ़ते बाजार में औद्योगिक, वाणिज्यिक और कृषि ड्रोन की मांग मुख्य प्रेरक होगी। ठकराल भारत में ड्रोन घटकों के विनिर्माण, प्रीमियम ब्रांड वितरण (जैसे नेस्प्रेसो) और रियल एस्टेट परियोजनाओं में सक्रिय है। जापान, ऑस्ट्रेलिया और चीन सहित एशिया के कई देशों में इसके परिचालन समूह को तकनीकी और बाजार विस्तार में मजबूत स्थिति प्रदान करते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 961, निफ्टी 317 अंक गिरा

निवेशकों को पांच लाख करोड़ का नुकसान

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 961.42 अंक टूटकर 81,287.19 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 317.90 अंक फिसलकर 25,178.65 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रियल्टी और ऑटो शेयर गिरे। निफ्टी रियल्टी 2.26 फीसदी और निफ्टी ऑटो 1.86 फीसदी नीचे आये। निफ्टी एफएमसीजी 1.69 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.67 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.55 फीसदी, निफ्टी फार्मा 1.50 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी 0.16 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.17 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.60 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 682.55 अंक टूटकर साथ 59,115.60

और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 188.75 अंक फिसलकर 16,928.90 पर था। इस गिरावट से निवेशकों को पांच लाख करोड़ का नुकसान हुआ है।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, ट्रेंट, इन्फोसिस भी लाभ में रहे थे। वहीं सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। आज आई गिरावट का कारण विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली एफआईआई ने 3,465.99 करोड़ रुपए के इक्विटी की बिक्री की थी। इसके अलावा ईरान-अमेरिका के बीच कोई डील न होना, डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट और वैश्विक बाजार से कमजोर संकेत शामिल थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई।

सेंसेक्स 82,246 अंक पर लगभग सपाट खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 237.94 अंक की बढ़त के साथ 82,010.67 पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर 25,496.55 अंक पर बंद हुआ था। बाजार पर दबाव की एक बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है।

दूरसंचार कंपनियों का राजस्व बढ़ा, जियो ने दर्ज की सबसे तेज वृद्धि

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारतीय दूरसंचार कंपनियों का राजस्व साल-दर-साल आठ प्रतिशत बढ़कर 34 अरब डॉलर (लगभग तीन लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से बाजार के बड़े खिलाड़ियों की मजबूत प्रदर्शन का परिणाम है। भारती एयरटेल का राजस्व तिमाही में नौ प्रतिशत बढ़ा, जबकि वोडाफोन आइडिया का केवल दो प्रतिशत का मामूली बढ़ावा देखा गया। वहीं रिलायंस जियो ने सबसे तेज़ बढ़ोतरी दर्ज करते हुए अपने राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि की। देश के दूरसंचार क्षेत्र में इन तीनों कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 95 प्रतिशत रही, जो दर्शाता है कि बाजार अभी भी बड़े खिलाड़ियों के प्रभुत्व में है। पूंजी बाजार एवं निवेश समूह सीएलएसए की रिपोर्ट के अनुसार दूरसंचार क्षेत्र में यह वृद्धि उपभोक्ता संख्या बढ़ने और डेटा खपत में तेजी का संकेत देती है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी तिमाहियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बावजूद बड़े नेटवर्क प्रदाता राजस्व वृद्धि बनाए रख सकते हैं।

आरबीआई ने डिजिटल धोखाधड़ी रोकने बैंकों और पुलिस को दिए कड़े निर्देश

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने 60 प्रमुख बैंकों के कार्यकारी निदेशकों और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रमुखों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय और महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी भी शामिल हुए। आरबीआई ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के प्रभावी समाधान के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। कार्यशाला में साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और उसे कम करने के लिए मजबूत संचालन, निगरानी व्यवस्था, आंतरिक नियंत्रण, सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं और अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया गया। आरबीआई ने बैंकों से लक्षित ग्राहक जागरूकता अभियान चलाने और अपनाई गई तकनीकी और प्रक्रियात्मक उपायों को साझा करने का आग्रह किया।

सेबी ने सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड किए खत्म, अब निवेश रणनीति पर फोकस

- ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे

मुंबई ।

सेबी ने स्पष्ट किया कि म्यूचुअल फंड का चयन अब नाम या भावुक टाइटल पर नहीं, बल्कि वास्तविक निवेश रणनीति पर आधारित होगा। इसी आदेश के तहत सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड कैटेगरी को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस श्रेणी में कुल 44 फंड थे, जिनमें 15 चिल्ड्रेन फंड और 29 रिटायरमेंट फंड शामिल थे। सेबी ने कहा है कि निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहेगा। ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे, जिनका जोखिम प्रोफाइल और रणनीति समान है। हालांकि, इन फंडों में नई निवेश राशि पर तुरंत रोक लगाई गई है। अब निवेशकों के लिए लाइफ स्टाइल फंड मुख्य विकल्प होंगे। इन फंडों की खासियत यह है कि जैसे-जैसे निवेशक की उम्र बढ़ेगी या लक्ष्य के साल करीब आएगा, यह फंड अपने आप रिस्क कम कर देगा। युवा निवेशकों के लिए अधिक इक्विटी और रिटायरमेंट के नजदीक अधिक डेट इंस्ट्रूमेंट्स शामिल होंगे। सेबी ने साफ कर दिया है कि ये फंड लंबी अवधि के लिए हैं, इसलिए बीच में पैसा निकालने वालों पर कड़ा जुर्माना लगेगा- 1 साल के भीतर निकासी पर 3 फीसदी चार्ज, 2 साल के भीतर निकासी पर 2 फीसदी चार्ज और 3 साल के भीतर निकासी पर 1 फीसदी चार्ज लगाया जाएगा। म्यूचुअल फंड कंपनियों को अपनी स्कीमों को नए नियमों के अनुरूप ढालने के लिए 6 महीने का समय मिला है। सेबी का उद्देश्य है कि बाजार और अधिक पारदर्शी बने, ताकि निवेशक बिना भ्रम के सही फंड चुन सकें।

1 अप्रैल से 20 फीसदी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल बिक्री अनिवार्य

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से देशभर में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री अनिवार्य कर दी है। इस संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 17 फरवरी को अधिसूचना जारी की। आदेश के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कम से कम 95 रिसर्च ऑक्टेन नंबर (आरओएन) वाला एथनॉल मिश्रित पेट्रोल बेचना होगा। यह ईंधन भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार तेल कंपनियों को सीमित अवधि और तय क्षेत्रों में मानकों के अनुरूप ईंधन की बिक्री की अनुमति दे सकती है। हाल के महीनों में पेट्रोल में एथनॉल मिलाने को लेकर विवाद भी सामने आए हैं। कुछ दावों में कहा गया कि गन्ने, चावल और मक्के से बने एथनॉल के उपयोग से वाहनों की माइलेज और इंजन क्षमता प्रभावित हो सकती है। हालांकि सरकार का कहना है कि उच्च आरओएन स्तर इंजन प्रदर्शन को संतुलित रखेगा। सरकार इस कदम को आयात निर्भरता घटाने और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में अहम मान रही है।

भारतीय टीम को टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में जगह बनाने वेस्टइंडीज पर दर्ज करनी होगी बड़ी जीत

-अन्य परिणामों पर भी रखनी होगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम की जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंच गयी। इस प्रकार इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सहित दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। वहीं अब बचे हुए दो स्थानों के लिए भारत सहित चार टीमों वेस्टइंडीज,न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला है।

भारतीय टीम को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सुपर-8 के अपने अंतिम मुकाबले में वेस्टइंडीज से 1 मार्च को बड़े अंतर से जीतना है। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

वहीं एक अन्य दावेदार न्यूजीलैंड ने 2 मैचों में से एक में जीत हासिल की है। न्यूजीलैंड को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में 27 फरवरी को इंग्लैंड से खेलना है। कीवी टीम अगर इंग्लैंड को हरा देती है तो उसे अंतिम ग्यारह में प्रवेश मिल जाएगा पर अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड से हार जाती है, तो टीम के लिए संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। न्यूजीलैंड के लिए केवल सकारात्मक बात ये है कि अभी टीम का नेट रन रेट प्लस 3.050 से काफी बेहतर है।

वहीं पाकिस्तान को 28 फरवरी को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंका से खेलना है। दो मैचों के बाद पाकिस्तान के पास अभी केवल एक अंक है। ऐसे में पाक अगर श्रीलंका को हरा देती है, तो टीम के कुल तीन अंक हो जाएंगे। वहीं पाक को यह भी प्रार्थना करनी होगी कि इंग्लैंड टीम न्यूजीलैंड को हरा दे। अगर पाक टीम श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहती है और न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ता है तो ऐसी हालत में अच्छे नेट रन रेट वाली टीम को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा।

रिंकू सिंह के पिता का निधन, लिवर कैंसर से पीड़ित थे, बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों ने शोक जताया

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का आज तड़के निधन हो गया। वह 60 साल के थे और पिछले काफी समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। उसके पिता को गंभीर हालात में ग्रेटर ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था पर उन्हें बचाया नहीं जा सका।

लिवर कैंसर फोर्थ स्टेज में पहुंचने के बाद से ही उनकी हालात खराब चल रही थी। इसी कारण रिंकू भी विश्वकप के बीच ही आचानक अस्पताल पहुंचे थे। वह पिछले कुछ समय से गंभीर हालत में होने के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गये थे। डॉक्टरों ने उन्हें स्थिर करने की कोशिश की थी और लगातार किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी चल रही थी। मगर उनकी हालत संभल नहीं पायी। पिता के निधन के बाद से ही रिंकू के परिवार में मातम छाया हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी रिंकू के पिता के निधन पर शोक जताया है। शुक्ला ने लिखा, क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता श्री खानचंद सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू और उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोककुल परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने भी रिंकू के परिवार के प्रति संवेदना जताई है। रिंकू गत दिवस जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे। रिंकू अपने पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। इसके बाद वह तुरंत चेन्नई लौट आए पर टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया था।

हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार की वजह बताई

होबार्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल नवंबर में विश्व चैंपियन बनने के बाद यह भारतीय टीम की पहली 50 ओवर की श्रृंखला है। भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर शानदार शुरुआत की। लेकिन रविवार को एक मैच बाकी रहते पहले दो वनडे गंवा दिए।

दोनों टीमें सभी प्रारूप की सीरीज खेल रही हैं जिसका फैसला अंक के आधार पर होगा। वनडे श्रृंखला के बाद एक टेस्ट भी खेला जाएगा। दूसरे वनडे में मिली पांच विकेट की हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा, %हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। एक समूह के तौर पर हमने तय किया कि पहले बल्लेबाजी करते हैं और 300 से ज्यादा का स्कोर बनाएंगे क्योंकि पिच पिछले मैच की पिच से कहीं बेहतर थी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या लक्ष्य का पीछा करते हुए, हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी क्योंकि जब भी हम अच्छी बल्लेबाजी करे हैं, हम अच्छी स्थिति में होते हैं। पिछले दो मैच में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की और इसका हमें नुकसान हुआ। उम्मीद है कि अगले मैच में हम ऐसा करेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली संन्यास लेने से पहले रविवार को अपना आखिरी मैच खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं परिणाम से बहुत खुश हूं। यह उन मैच में से एक था जहा मुझे लगा कि वे अच्छा स्कोर बनाने से बहुत पीछे रह गए, लेकिन साथ ही यह हमारे लिए हताशाजनक भी था क्योंकि मुझे लगा कि हम उन्हें थोड़ा और पहले आउट कर सकते थे। लेकिन इस तरह के विकेट पर उन्हें 250 रन पर रोकना हमारी टीम की एक शानदार कोशिश थी।'

जॉर्जिया, लिचफील्ड की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

-सीरीज 2-0 से जीती

होबार्ट (एजेंसी)। जॉर्जिया वोल के शतक 101 रन और फीबी लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल के अर्धशतक से भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 251 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 36.1 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज मेजबान टीम ने 2-0 से जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहना एकदिवसीय भी जीता था।

इस दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका के अर्धशतक से 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 गेंदों में छह चौके लगाकर 52 रन बनाये। प्रतीका ने स्मृति मंधाना 31 के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन बनाये। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में टीम 50 ओवरों में 251 रनों के अच्छे स्कोर तक पहुंच पायी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया के 101 और लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से तय ओवरों से पहले ही मैच जैच लिया। इस प्रकार

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहं रही और उसने कप्तान एलिसा हीली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। हीली ने केवल 6 रन बनाये। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन बनाकर जॉर्जिया और लिचफील्ड ने अपनी टीम को संभाला। भारत की ओर से भारत की ओर से काशवी गौतम ने 47 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि दीप्ति शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट लिए।

एशले गार्डनर ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग, भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु हरने जा रही है। इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूबीपीएल) रखा गया है। इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे। ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा। बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है। ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके साथ ही इससे नई प्रतिभाएं भी सामने आयेंगी। बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग काउंसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है। हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं। उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है। डब्लयूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी मॉडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ़ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया। इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था। बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

अभिषेक के फार्म हासिल करने पर युवराज ने खुशी जतायी, बोले बल्ले से ही आता है असली जवाब

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह टी20 विश्वकप में अपने शिष्य अभिषेक शर्मा की शानदार पारी से बेहद खुश हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में पहली बार अच्छी पारी खेलने में सफल रहे हैं। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-आठ में 55 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं शुरुआती तीन लीग स्तर के मैचों में वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे जबकि सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 रन ही बना पाये थे। ऐसे में वह प्रशंसकों के निशाने पर थे। वहीं अब अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शर्मा ने 30 गेंद में 55 रन बनाकर लय हासिल की है। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 4 छक्के भी जड़े। सेमीफाइनल से ठीक पहले अभिषेक के फार्म में आने से उनके गुरु युवराज बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, अच्छी पारी सर अभिषेक, जारी रखो। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ संभलकर खेला पर अवसर मिलते हुए बड़े शॉट भी लगा दिये। इस बल्लेबाज ने हर गेंद पर बड़े शॉट लगाने की जगह पर स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया जिससे भी उन्हें लाभ हुआ। इसी को देखते हुए युवराज ने लिखा, असली जवाब तब होता है जब आप अपने बल्ले को ही सारी बात करने देते हैं। अच्छी पारी, सर अभिषेक। ऐसे ही लगे रहिए।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे: तिलक

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे।

तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।तिलक ने कहा कि पिछले मैचों के वीडियो देखने और कोच की बातों से बल्लेबाजों के अंदर उत्साह पैदा। उन्होंने कहा, अहमदाबाद और दिल्ली दोनों की पिचें अच्छी थीं पर इस खेल में मानसिकता भी अहम भूमिका निभाती है। पहले हमारी मानसिकता यह थी कि विकेट गिरने के बाद हम बड़े शॉट खेलने के लिए थोड़ा समय देते थे पर इस मैच में अहम अगल रणनीति से उतरे। इससे पूरा दबाव विरोधी टीम पर आ गया।

सेंटनर जैसा कप्तान होना हमारे लिए फायदेमंद : रचिन रविंद्र

कोलंबो । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को मजबूती का अनुभव कराते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। रचिन के अनुसार सैंटनर किसी भी परेशानी में टीम के बचाव में उतरते हैं और अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित अनुभव कराते हैं। रविंद्र ने कहा, सैंटनर काफी शांत स्वभाव के हैं पर इसके साथ ही उनका सोचने का अंदाज भी काफी सुलझा हुआ है, जैसे कि किस छोर से कैसी गेंद की जानी चाहिये। इससे भी अहम बात ये है कि वह अच्छा प्रदर्शन करके आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। वह हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़े रहते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं। मेरा मानना है कि उनके जैसा कप्तान मिलना टीम के लिए काफी फायदेमंद है। उनके नेतृत्व में मैदान पर उतरते ही आपको ऐसा अहसास होता है जैसे आप काफी सशक्त । टीम में उनकी मौजूदगी से ही खिलाड़ी प्रेरित रहते हैं। यह केवल खिलाड़ियों को प्रेरित करने तक सीमित नहीं है। उपमहाद्वीप की पिचों पर गेंदबाजी करने का सैंटनर का अनुभव भी उन्हें विशेष बनाता हैा वह अपनी स्पिनरों की हर प्रकार से सहाता करते हैं। इसीक कारण आज हमारे पास उनकी तरह के कई गेंदबाज हैं। वह हमें बताते हैं कि कैसी गेंदबाजी करनी है। इससे उभारते हुए खिलाड़ियों को काफी लाभ होता है।

संगकारा ने श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव की जरुरत बतायी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगकार ने अपनी मेजबानी में हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराशा जतायी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये हमारे क्रिकेट भविष्य को लेकर एक चेतावनी भी है, अगर हम अभी नहीं संभले तो इसी प्रकार पिछड़ते जाएंगे। इसलिए अब हमें बड़े बदलाव की जरुरत है। संगकारा ने कहा, इस प्रकार बाहर होने सो हर तरफ बहुत दर्द है। प्रशंसक टूट चुके हैं, निराश और गुस्से में हैं। खिलाड़ी भी बेहद आहत हैं। मैं ऐसे ड्रेसिंग रूम में रहा हूं, यह आसान नहीं होता। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना एक जिम्मेदारी भी है और सौभाग्य भी। संगकारा ने खिलाड़ियों के जज्बे को समझते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन इससे उबरने के लिए बदलाव जरूरी है। संगकारा ने कहा कि इस हार से हमें सबके लेते हुए खेल ढ़ांच में बदलाव करना होगा। साथ ही कहा, हर स्तर पर हमें काफी कुछ करने की जरुरत है। हम एक जैसी गलतियां दोहराते रहेंगे तो बेहतर परिणामों की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अधुनिक क्रिकेट तेजी से बदल रहा है और हमें उसके अनुरुप ढ़लना होगा। अगर हमने अपने को नहीं बदला तो हम बाहर हो जाएंगे।

टी20 विश्व कप : जिम्बाब्वे पर जीत से सूर्यकुमार खुश, लेकिन इस विभाग में सुधार की बात की

चेन्नई (एजेंसी)। बल्ले से थोड़ी देर के लिए कुछ खास करने के बाद, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पूरी टीम से बहुत खुश थे, जिन्होंने सबसे जरूरी मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया, क्योंकि पिछली चैंपियन टीम ने कल रात यहां जरूरी मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया।

भारतीय कप्तान ने बाएं हाथ के अभिषेक शर्मा की जबरदस्त हाफ सेंचुरी से शो जीत लिया, जिन्होंने तीन बार डक के बाद अपनी बड़ी हिटिंग स्किल में वापसी का इशारा दिया, और प्लेयर ऑफ द मैच हार्दिक पांड्या ने जिम्बाब्वे के अटैक का जमकर मजा लिया, जिससे भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा टोटल और टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। बाद में गेंदबाजों ने भी बैट्समैन के अच्छे काम में अपनी भूमिका निभाई और जिम्बाब्वे को 6 विकेट पर 184 रन पर रोक दिया, जिससे भारत ने 72 रन के बड़े अंतर से जीत हासिल की और सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं।

भारत को अपने पहले सुपर आठ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। भारत का अगला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ मशहूर ईडन गार्डन में एक तरह से क्वार्टरफाइनल नॉकआउट होगा, जिसमें जीतने वाला लास्ट फोर ग्रेड में पहुंच जाएगा। मैच के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा कि सभी बल्लेबाजों का योगदान देखकर खुशी हुई, उन्होंने सब कुछ पीछे छोड़ दिया (प्रोटियाज़ के खिलाफ हार)। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकती थी, लेकिन स्काई ने कहा, 'जीत तो जीत होती है और कैरिबियन के खिलाफ नॉक आउट मुकाबले से पहले शिकंजा कसने की अहमियत के बारे में बात की।'

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को भी पूरा क्रेडिट देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत स्मार्ट बैटिंग की, जिसमें ओपनर ब्रायन बेनेट 97 (834, 636) रन पर नाबाद रहे और एक ऐसे टारगेट का पीछा करते हुए अकेले ही आगे बढ़े जो नामुमकिन साबित हुआ। स्काई ने कहा, 'हम सब कुछ पीछे छोड़ना चाहते थे, पिछला गेम, ग्रुप स्टेज। सभी बैट्समैन का योगदान था और यह देखकर खुशी हुई।हम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकते थे लेकिन जीत तो जीत होती है। हमें वेस्ट इंडीज मैच से पहले अपना शिकंजा कसने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'मैं जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों से कोई क्रेडिट नहीं लेना चाहता। जिस तरह से उन्होंने बैटिंग की, वह बहुत स्मार्ट थी। बॉलिंग के नजरिए से, हम और बेहतर हो सकते थे। जब हम ऐसे हालात में होते हैं, तो हमें हिम्मत दिखानी होती है। जब हम कोलकाता पहुंचेंगे तो हम प्लान के बारे में सोचेंगे।'

भिंडी की खेती कैसे करें

भिन्डी मुख्य रूप से अपने हरे रंग के कोमल पोषक फलों के लिए उगाई जाती है। सूखे फल और त्वचा कागज उद्योग और फाइबर निष्कर्षण में उपयोगी होते हैं। भिन्डी विटामिन, प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य खनिजों का समृद्ध स्रोत है। भारत में भिंडी उगाने वाले मुख्य प्रांत उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिमी बंगाल और उड़ीसा हैं।

फसल की किस्म:

पंजाब 13: पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा विकसित। यह वसंत के साथ-साथ गर्मियों में खेती के लिए उपयुक्त है। फल हल्के हरे रंग के और मध्यम आकार के होते हैं। यह पीले नस मोज़ेक वायरस के लिए अतिसंवेदनशील है।

पंजाब पद्मिनी: पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा विकसित। फल जल्दी से बढ़ते हैं, फल हल्के गहरे हरे रंग के होते हैं। बुवाई के बाद 55-60 दिनों के भीतर तुड़ाई के लिए तैयार हो जाती है। यह पीला शिरा मोज़ैक वायरस के प्रति सहनशील है। 40-48 क्विंटल / एकड़ की औसत उपज देता है।

पंजाब 7 : यह पीले शिरा वाले मोज़ेक वायरस, जस्सीड और बोल वर्म के लिए प्रतिरोधी है। फल गहरे हरे, मध्यम आकार के होते हैं। 40 क्विंटल/ एकड़ की औसत उपज देता है।

पंजाब 8 : पूसा सवाणी से विकसित। कटाई के समय फल गहरे हरे रंग के और 15-16 सेमी लंबे होते हैं। यह पीले शिरा मोज़ेक वायरस के प्रति सहिष्णु है और फल बोरर के लिए प्रतिरोधी है।

पंजाब सुहावनी : यह औसतन 49 क्विंटल / एकड़ की उपज देती है। इसमें गहरे हरे रंग के फल होते हैं और यह पीले मोज़ेक वायरस के प्रति सहनशील है।

पूसा महाकाली : इसके फल हल्के हरे रंग के होते हैं।

परभणी क्रांति : फल अच्छी गुणवत्ता रखने के साथ मध्यम लंबे होते हैं। यह पीला शिरा मोज़ैक वायरस के प्रति सहनशील है। 120 दिनों में कटाई के लिए तैयार है। 40 से 48 क्विंटल / एकड़ की औसत उपज देता है।

पूसा सवाणी : गर्मी और बरसात के मौसम में खेती के लिए उपयुक्त है। 50 दिनों के भीतर कटाई के लिए तैयार है। कटाई के समय फल गहरे, हरे और 10-12 सेमी लंबे होते हैं। यह पीले नस मोज़ेक वायरस के लिए अतिसंवेदनशील है। 48-60 क्विंटल / एकड़ की औसत उपज देता है।

अर्का अनामिका : यह पीले मोज़ेक वायरस के लिए प्रतिरोधी है। यह औसतन 80 क्विंटल / एकड़ की उपज देता है।

बुवाई का समय

हरी फली के लिए भिंडी को साल में दो बार उगाया जाता है। अगेती फसल के लिए फरवरी से अप्रैल तक बीज बोया जाता है

और जून-जुलाई में देर से फसल ली जाती है। बीज उत्पादन के लिए दूसरी फसल सबसे अनुकूल होती है।

दुरी

पंक्तियों में दुरी 45 सैं.मी. और पौधों में दुरी 15-20 सैं.मी. रखना चाहिए।

बीज की गहराई

बीज 1-2 सैं.मी. गहराई में बोयें।

बुवाई का ढंग

भिंडी की बुवाई, बुवाई वाली मशीन से, हाथों से गड्ढा खोदकर या हलों के पीछे बीज डालकर भी बोया जा सकता है।

बीज की मात्रा

बरसात के मौसम की फसल के लिए (जून - जुलाई) में 4-6 किग्रा / एकड़ की दर से प्रयोग किया जाता है, जिसमें 60×30 सेमी की शाखाओं में बंटवारे के लिए और 45×30श्च की गैर-शाखाओं वाली किस्मों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। फरवरी के मध्य तक बीज की दर 15-18 किग्रा / एकड़ और मार्च में बुवाई के लिए बीज दर 4-6 किग्रा / एकड़ का इस्तेमाल किया जाता है।

बीज का उपचार

बीज को 24 घंटों तक पानी में भिगोकर अंकुरण बढ़ाया जा सकता है। कार्बेन्डाजिम के साथ बीज उपचार से बीज जनित फंगस के हमले से बचाव होगा। इसके लिए बीजों को कार्बेन्डाजिम के घोल में 2 ग्राम / लीटर पानी में 6 घंटे के लिए भिगोएँ और छाया में सुखाएं। फिर तुरंत बुवाई पूरी करें। बेहतर अंकुरण के लिए और फसल को मृदा जनित रोग से बचाने के लिए, इमिडाक्लोप्रिड श्च 5 मिली प्रति 1 किग्रा बीज के हिसाब से बीज से उपचारित करें इसके बाद ट्राईकोडर्मा विराइड श्च 4 ग्राम / किग्रा बीज से उपचारित करें।

उर्वरक : किलोग्राम/एकड :

यूरिया की मात्रा 80 किलोग्राम है।

सिंगल सुपर फास्फेट की मात्रा मृदा परीक्षण के परिणाम के अनुसार रखें।

खरपतवार नियंत्रण

मूंग की फसल में नींदा नियंत्रण सही समय पर नहीं करने से फसल की उपज में 40-60 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है। खरीफ मौसम में फसलों में सकरी पत्ती वाले खरपतवार जैसे: सवा (इकाईनाक्लोक्लोवा कोलाकनम/कु सगेली), दूब घास (साइनोडॉन डेक्टाइलोन) एवं चौड़ी पत्ती वाले पत्थर चटा (ट्रायन्थिमा मोनोगायना), कनकवा (कोमेलिना वेघालेंसिस), महकुआ (एजीरेटम कोनिज्वाडिस), सफेद मुर्ग (सिलोसिया अर्जेंसिया), हजारदाना (फाइलेन्थस निरुरी) एवं लहसुआ (डाइजेरा आरसिस) तथा मोथा (साइप्रस रोटन्डस, साइप्रस इरिया) आदि वर्ग के खरपतवार बहुतायत निकलते हैं। फसल व खरपतवार की प्रतिस्पर्धा की क्रान्तिक अवस्था मूंग में प्रथम 30 से 35 दिनों तक रहती है। इसलिए प्रथम निंदाई-गुड़ाई 15-20 दिनों पर तथा द्वितीय 35-40 दिन पर करना चाहिए। खरपतवार नाशक पेंडीमिथिलीन 700 ग्राम/हैक्टेयर बुवाई के 0-3 दिन तक, क्युजालोफाप 40-50 ग्राम बुवाई के 15-20 दिन बाद छिड़काव कर सकते है।

कीट नियंत्रण:

मूंग की फसल में प्रमुख रूप से फली भृंग, हरा फुदका, माहू तथा कम्बल कीट का प्रकोप होता है। पत्ती भक्षक कीटों के नियंत्रण हेतु क्विनालफास की 1.5 लीटर या मोनोक्रोटोफॉस की 750 मि.ली. तथा हरा फुदका, माहू एवं सफेद मक्खी जैसे-रस सूचक कीटों के लिए डायमिथोएट 1000 मि.ली. प्रति 600 लीटर पानी या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. प्रति 600 लीटर पानी में 125 मि.ली. दवा के हिसाब से प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना लाभप्रद रहता है।

मूंग की वैज्ञानिक तरीके से उन्नत खेती के बारे में

मध्यप्रदेश में मूंग ग्रीष्म एवं खरीफ दोनों मौसम की कम समय में पकने वाली एक मुख्य दलहनी फसल है। इसके दाने का प्रयोग मुख्य रूप से दाल के लिए किया जाता है, जिसमे 24-26% प्रोटीन, 55-60% काब्रोहाइड्रेट एवं 1.3% वसा होता है।

दलहनी फसल होने के कारण इसकी जड़ो में गठानें पाई जाती है जो की वायुमंडलीय नत्रजन का मृदा में स्थिरीकरण (38-40 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हैक्टेयर) एवं फसल की खेत से कटाई उपरांत जड़ो एवं पत्तियों के रूप में प्रति हैक्टेयर 1.5 टन जैविक पदार्थ भूमि में छोड़ा जाता हैं जिससे भूमि में जैविक कार्बन का अनुरक्षण होता है एवं मृदा की उर्वराशक्ति बढ़ाती हैं। मध्यप्रदेश की औसत उत्पादकता लगभग 350 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर है जो कि बहुत ही कम है, जिसके बढ़ने की प्रबल संभावनाएं हैं। अत: किसान भाई उन्नत प्रजातियों एवं उत्पादन की उन्नत तकनीक को अपनाकर पैदावार को 8-10 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक प्राप्त कर सकते हैं।

मूंग की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु:

मूंग के लिए नम एवं गर्म जलवायु कि आवश्यकता होती है। इसकी खेती वर्षा ऋतू में की जा सकती है। इसकी वृद्धि एवं विकास के लिए 25-32 डिग्री सेल्सियस तापमान अनुकूल पाया गया है। मूंग के लिए 75-90 से.मी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र उपयुक्त पाए गए है। पकने के समय साफ मौसम तथा 60% आर्द्रता होना चाहिए। पकाव के समय अधिक वर्षा हानिप्रद होती है।

मुंग की खेती के उपर्युक्त भूमि:

मुंग की खेती के हेतु दोमट से बलुआ दोमट भूमियां जिनका पी.एच. 7.0 से 7.5 हो, इसके लिए उत्तम है। खेत में जल निकास उत्तम होना चाहिए।

भूमि की तैयारी :खरीफ की फसल हेतु एक गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करना चाहिए एवं वर्षा प्रारम्भ होते ही 2-3 बार देशी हल या कल्टीवेटर से जुताई कर खरपतवार रहित करने के उपरांत खेत में पाटा चलाकर समतल करें। दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरीफॉस 1.5% चूर्ण 20-25 कि.ग्रा./हैक्टेयर ले मान से खेत की तैयारी के समय मिट्टी में मिलाना चाहिए। ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती के लिए रबी फसलों के कटने के तुरंत बाद खेत की तुरंत जुताई कर 4-5 दिन छोड़कर पलेवा करना चाहिए। पलेवा के बाद 2-3 जुताईयां देशी हल या कल्टीवेटर से कर पाटा लगाकर खेत को समतल एवं भुरभुरा बनावें। इससे उसमें नमी संरक्षित हो जाती है व बीजों से अच्छा अंकुरण मिलता है।

बुवाई का समय:

खरीफ मूंग की बुवाई का उपयुक्त समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई का प्रथम सप्ताह है एवं ग्रीष्मकालीन फसल को 15 मार्च तक बोनी कर देना चाहिए। बोनी में विलम्ब होने पर फूल आते समय तापक्रम वृद्धि के कारण फलियां कम बनती हैं अथवा बनती ही नहीं हैं, इससे इसकी उपज प्रभावित होती है।

बीज दर व बीज उपचार:

खरीफ में कतार विधि से बुआई हेतु मूंग 20 कि.ग्रा/है. पर्याप्त होता है। बसंत अथवा ग्रीष्मकालीन बुआई हेतु 25-30 कि.ग्रा/है. बीज की आवश्यकता पड़ती है। बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम+केप्टान (1+2) 3 ग्राम दवा प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।

बुवाई का तरीका:

वर्षा के मौसम में इन फसलों से अच्छा उत्पादन प्राप्त करने हेतु हल के पीछे पंक्तियों अथवा कतारों में बुवाई करना उपयुक्त रहता है। खरीफ फसल के लिए कतार से कतार की दूरी 30-45 से.मी. तथा बसंत (ग्रीष्म) के लिए 20-22.5 से.मी. रखी जाती है, पौधे से पौधे की दूरी 10-15 से.मी. रखते हुए 4 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक:

खाद एवं उर्वरक की मात्रा किलोग्राम /हे. होनी चाहिए, नाइट्रोजन 20,फास्फोरस 20,पोटाश 20, गंधक 20, जिंक 20, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश उर्वरकों की पूरी मात्रा बुवाई के समय 5-10 से.मी. गहरी कूड़ में आधार खाद के रूप में दें।

सिंचाई एवं जल निकास:

प्राय: वर्षा ऋतु में मूंग की फसल को सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है फिर भी इस मौसम में एक वर्षा के बाद दूसरी वर्षा होने के बीच लंबा अन्तराल होने पर अथवा नमी की कमी होने पर फलियां बनते समय एक हल्की सिंचाई आवश्यक होती है। बसंत एवं ग्रीष्म ऋतु में 10-15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई की आवश्यकता होती है। फसल पकने के 15 दिन पूर्व सिंचाई बंद कर देना चाहिए। वर्षा के मौसम में अधिक वर्षा होने पर अथवा खेत में पानी का भराव होने पर फालतू पानी को खेत से निकालते रहना चाहिए जिससे मृदा में वायु संचार बना रहता है।

रोग नियंत्रण:

मूंग में अधिकतर पीत रोग, पर्णदाग तथा भभूतिया रोग प्रमुखतया आते हैं। इन रोगों की रोकथाम हेतु रोग निरोधक किस्में हम-1, पंत मूंग-1, पंत मूंग-2, टी.ज़े.एम-3, जे.एम.-721 आदि का उपयोग करना चाहिये। पीत रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है इसके नियंत्रण हेतु मेटासिस्टॉक्स 25 ईसी 750 से 1000 मि.ली. का 600 लीटर पानी में घोल कर प्रति हैक्टर छिड़काव 2 बार 15 दिन के अंतराल पर करें। फफूंद जनित पर्णदाग (अल्टरनेरिया/ सरकोस्पोरा/ माइरोथीसियस) रोगों के नियंत्रण हेतु डायइथेन एम. 45, 2.5 ग्रा/लीटर या कार्बेन्डाजिम,डायइथेन एम. 45 की मिश्रित दवा बना कर 2.0 ग्राम/लीटर पानी में घोल कर वर्षा के दिनों को छोड़कर खुले मौसम में छिड़काव करें। आवश्यकतानुरूप छिड़काव 12-15 दिनों बाद पुन: करें।

फसल पद्धति:

मूंग काम अवधि में तैयार होने वाली दलहन फसल हैं, जिसे फसल चक्र में सम्मिलित करना लाभदायक रहता है। मक्का-आलू-गेहूँ-मूंग (बसंत), ज्वार+मूंग-गेहूँ, अरहर+मूंग-गेहूँ, मक्का+मूंग-गेहूँ। अरहर की दो कतारों के बीच मूंग की दो कतारें अन्त: फसल के रूप में बोना चाहिए। गन्ने के साथ भी इनकी अन्तरवर्तीय खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

मूंग के प्रमुख रोग एवं नियंत्रण:

पीला चितकबरी (मोजेक) रोग :- रोग प्रतिरोधी अथवा सहनशील किस्मों जैसे टी.ज़े.एम.-3, के-851, पन्त मूंग-2, पूसा विशाल, एच.यू.एम. -1 का चयन करें। प्रमाणित एवं स्वस्थ बीजों का प्रयोग करें।

- बीज की बुवाई जुलाई के प्रथम सप्ताह तक कतारों में करें प्रारम्भिक अवस्था में रोग ग्रसित पौधों को उखाड़कर नष्ट करें।- यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक सफेद मक्खी कीट है जिसे नियंत्रित करने के लिये ट्रायजोफॉस 40 ईसी, 2 मिली प्रति लीटर अथवा थायोमेथोक्साम 25 डब्लू जी. 2 ग्राम/ली. या डायमेथाएट 30 ई.सी., 1 मिली./ली. पानी में घोल बनाकर 2 या 3 बार 10 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

सर्कोस्पोरा पर्ण दाग :- रोग रहित स्वस्थ बीजों का प्रयोग करें खेत में पौधे घने नही होने चाहिए। पौधों का 10 सेमी. की दूरी के हिसाब से विरलीकरण करें।

- रोग के लक्षण दिखाई देने पर मेन्कोजेब 75 डब्लू. पी. की 2.5 ग्राम लीटर या कार्बेन्डाइजिम 50 डब्लू.पी. की 1 ग्राम/ली. दवा का घोल बनाकर 2-3 बार छिड़काव करें।

एन्ट्राक्नोज :- प्रमाणित एवं स्वस्थ बीजों का चयन करें।

- फफूंदनाशक दवा जैसे मेन्कोजेब 75 डब्लू. पी. 2.5 ग्राम/ली. या कार्बेन्डाजिम 50 डब्लू.डी. की 1 ग्राम/ली. का छिड़काव बुवाई के 40 एवं 55 दिन पश्चात् करें।

चारकोल विगलन :- बीजापचार कार्बेन्डाजिम 50 डब्लूजी. 1 ग्राम प्रति किग्रा बीज के हिसाब से करें।

- 2-3 वर्ष का फसल चक्र अपनाएं तथा फसल चक्र में ज्वार, बाजरा फसलों को सम्मिलित करें।

भभूतिया (पावडरी मिल्ड्यू) रोग :- रोग प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

- समय से बुवाई करें।

लगाएं। पहली गोडाई 20-25 दिन बाद और दूसरी गोडाई बुवाई के 40-45 दिन बाद करें। बीजों के अंकुरन से पहले खरपतवारनाशक डालने से खरपतवार को आसानी से रोका जा सकता है। इसके लिए पैंडीमैथालीन 38.7 सी. एस. 700 मिली/एकड़ का छिड़काव करें।

सिंचाई

गर्मी के मौसम की फसल में बुवाई से पहले सिंचाई करनी चाहिए ताकि मिट्टी में पर्याप्त नमी न होने पर अच्छा अंकुरण हो सके। बीज के अंकुरण के बाद अगली सिंचाई दी जाती है। फिर गर्मियों में 4 से 5 दिन और बारिश के मौसम में 10 से 12 दिनों के बाद खेत की सिंचाई की जाती है।

फसल की अवधि

यह 90-100 दिनों की अवधि के साथ एक सीधी बोई गई सब्जी है।

कटाई का समय

भिंडी बुआई के 60 से 70 दिन बाद तुड़ाई के लिए तैयार हो जाती हैं। छोटे और कोमल फलों को काटा जाना चाहिए। फलों को सुबह और शाम को काटा जाना चाहिए। कटाई में देरी फलों को रेशेदार बना सकती है और वे अपनी कोमलता और स्वाद खो देते हैं। वर्षा ऋतु की फसल 120 -150 क्विंटल / हेक्टेयर देती है। ग्रीष्मकालीन फसल 80 -100 क्विंटल / हे. अवधि क्रमश: 100 और 90 दिन है।

उत्पादन क्षमता

भिंडी की पैदावार विभिन्न प्रकार और खेती के मौसम के आधार पर भिन्न होती है। औसत भिंडी की पैदावार 7.5-10 टन / हेक्टेयर होती है जबकि संकर किस्मों की पैदावार 15-22 टन / हेक्टेयर से होती है।

सफाई और सुखाने

भिंडी में अल्प शैल्फ जीवन है और इसे अधिक समय तक संग्रहीत नहीं किया जा सकता है। अचल जीवन को बढ़ाने के लिए भिंडी फल को 7-10 डिग्री सेल्सियस और 90% सापेक्ष आर्द्रता पर संग्रहित किया जाना चाहिए। स्थानीय बाजारों के लिए फलों को जूट के थैलों में भरा जाता है, जबकि दूर के बाजारों के लिए फलों को छिद्रित कागज के डिब्बों में पैक किया जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने की अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है।

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 आतंकी हमला हुआ था इसके बाद भारतीय सेना की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। वहीं, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया।

विवेक अग्निहोत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने संबंधी रिपोर्ट्स की पुष्टि करने या खारिज करने से मना करते हुए कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं बता रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि मैं एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं और मैं अपने समय पर इसका एलान करूंगा। यह बहुत बड़ा और बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट है।

अफवाहों को न खारिज किया, न ही पुष्टि की

पिंकविला के मुताबिक, प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि निर्देशक ने अपने जिस अगले प्रोजेक्ट की बात की है, क्या वह इसी मुद्दे पर है या किसी और विषय पर फिल्म बना रहे हैं।

मृणाल ठाकुर के एक्स बॉयफ्रेंड को थी इन एक्टर्स से इनसिक्योरिटी

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी यूट्यूब पर रौनक रजनी के शो में अपनी आने वाली फिल्म दो दिवाने सहर में के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस बीच मृणाल ने शेयर किया कि उनका एक्स-बॉयफ्रेंड उनके को-एक्टर्स को लेकर कितना इनसिक्योर था।

इनसिक्योरिटी पर बोलीं मृणाल

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर से जब पूछा गया कि क्या वे खुद को एक इनसिक्योर मानती हैं या नहीं। तब, उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी उन्हें इनसिक्योरिटी होती है और इसके लिए उन्होंने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड से जुड़ी एक कहानी शेयर की। मृणाल ने कहा, 'करियर के शुरुआती दिनों में, मैं ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और शाहिद कपूर के साथ 'जर्सी' की शूटिंग कर रही थी। जो मेरा बॉयफ्रेंड था, उसे लगता था कि मैं अच्छे दिखने वाले एक्टर्स के साथ शूटिंग कर रही हूं और घूम रही हूं। इस वजह से उसे इनसिक्योरिटी होने लगी। उसने वर्कआउट करना शुरू कर दिया और 15-17 किलो वजन घटाकर मसल्स बनाए। लेकिन कुछ दिनों बाद, उसने वर्कआउट बंद कर दिया। फिर खाकर 20 किलो बढ़ा लिया। मेरे बॉयफ्रेंड ने कहा कि मैं थक गया हूं तुम्हारे एक्टर्स की बराबरी करने की वजह से। लेकिन असल में मैंने कभी उससे वजन घटाने को नहीं कहा। यह उसकी इनसिक्योरिटी थी, इससे मेरा कुछ लेना-देना नहीं था।

इस फिल्म में नजर आएंगी एक्ट्रेस

मृणाल ठाकुर जल्द ही 'दो दीवाने सहर में' नजर आने वाली हैं। यह एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें वे सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। रवि उदयवार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके निर्माता संजय लीला भंसाली हैं।

'अक्यूज्ड' के ट्रेलर में दिखा प्रतिभा रांटा का दमदार अंदाज

इस महीने की शुरुआत में नेटफ्लिक्स ने इस साल आने वाले अपने प्रोजेक्ट्स की घोषणा की थी। इसमें एक नाम शामिल था नेटफ्लिक्स की फिल्म 'अक्यूज्ड' का। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर इस फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है।

'अक्यूज्ड' पोलैंड में सेट सस्पेंस ड्रामा है। कहानी के केंद्र में हैं डॉ. गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा), जो एक जाने-माने हॉस्पिटल में सबसे कम उम्र की हेड ऑफ डिपार्टमेंट के तौर पर काम कर रही हैं। डॉ. गीतिका एक मशहूर एलजीबीटीक्यू गायनेकोलॉजिस्ट हैं। वह डीन बनने की तैयारी कर रही हैं। गीतिका अपनी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) के साथ मिलकर एक बच्चे को एडॉप्ट करने की प्लानिंग करती हैं। लेकिन तभी सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाता है। डॉ. गीतिका पर यौन दुराचार के गंभीर आरोप लगते हैं। उन्हें काफी कुछ कहा जाता है। इससे डॉ. गीतिका की जिंदगी और करियर, दोनों में भूचाल आ जाता है। जनता और अधिकारियों का शक बढ़ता है और सच्चाई धुंधली होती जाती है। इसके पीछे कौन है और क्या वजह है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा।

इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म को अनुराग कश्यप की बहन अनुभूति कश्यप ने डायरेक्ट किया है। वो इससे पहले आयुष्मान खुराना की 'डॉक्टर जी' का भी निर्देशन कर चुकी हैं। वहीं करण जौहर के डिजिटल प्रोडक्शन हाउस धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया गया है। फिल्म की कहानी भी अनुभूति कश्यप ने ही लिखी है। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा के अलावा आदित्य नंदा और सुकांत गोयल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'अक्यूज्ड' 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'नागिन 7' में अपनी डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका चाहर चौधरी

प्रियंका चाहर चौधरी निर्माता एकता कपूर के सीरियल 'नागिन 7' में मुख्य भूमिका में टीवी पर वापस आई हैं। शुरू में लोगों ने उनकी एक्टिंग और 'नागिन' के लुक की काफी तारीफ की थी। लेकिन हाल ही में शो का एक सीन वायरल हुआ है, जिसमें प्रियंका के डायलॉग डिलीवरी पर नेटिजन्स सवाल उठा रहे हैं।

डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका

'नागिन 7' में एक सीन में प्रियंका चाहर चौधरी 'नागिन' के रूप में एक भ्रष्ट पुलिस वाले को पीटते हुए उसकी गलतियां गिनाती हैं। यह एक लंबा संवाद वाला सीन है। इस सीन को देखने के बाद कई दर्शक निराश हो गए और सोशल मीडिया पर प्रियंका की डायलॉग बोलने की स्टाइल की कड़ी आलोचना कर रहे हैं।

मैं कभी बॉलीवुड नहीं छोड़ना चाहती थी

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दुनियाभर में मशहूर हैं। उन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में काम किया है और अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। अपने करियर के पीक समय में उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया था और हॉलीवुड का रुख किया था। लेकिन अब प्रियंका चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वे कभी बॉलीवुड छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें हिंदी सिनेमा से बाहर मौके तलाशने के लिए 'पुश' किया।'

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक के अपने सफर पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने खुलकर अपनी दिल की बात शेयर की। प्रियंका ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी बॉलीवुड छोड़ना चाहती थी। लेकिन जब मैं हिंदी फिल्मों में काम कर रही थी, तो कई वजहों से खुद को थोड़ा सीमित महसूस करती थी। मैं अपने काम का दायरा बढ़ाना चाहती थी। एक कलाकार के तौर पर मैं कुछ नया और रोमांचक करना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे दूसरे मौके तलाशने के लिए प्रेरित किया।' उन्होंने आगे कहा, 'इसी तलाश ने मुझे अमेरिका पहुंचाया। अब करीब 12 साल बाद मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उस मुकाम पर हूं, जहां मैं अपने मनपसंद और बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुन सकती हूं। लेकिन यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था।'

मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे मेरी इंडियन फिल्मों से प्यार है। मैं बहुत खुश हूं कि वापस भारत में आकर वाराणसी फिल्म के लिए काम कर रही हूं। मैं कभी भी इन दोनों में से किसी एक को चुनना नहीं चाहूंगी। मैंने कभी ऐसा किया भी नहीं। मुझे लगता है कि मैं दोनों इंडस्ट्री के बीच संतुलन बनाकर चलती हूं और मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है। दोनों जगह काम करने का तरीका कई मायनों में अलग है, ठीक वैसे ही जैसे उनकी संस्कृतियां अलग होती हैं। लेकिन अब मेरा दिमाग दोनों तरीकों से सोचने का आदी हो चुका है। यह अपने आप में एक अनोखा, शानदार और मजेदार अनुभव है।'

अस्सी की कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से प्रेरित है

अनुभव सिन्हा की 'अस्सी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। देश में होने वाली दुष्कर्म की घटनाओं पर आधारित यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चाओं में हैं। हालांकि, जब इस फिल्म की घोषणा हुई थी, तो लोगों को लगा था कि अनुभव सिन्हा अपने गृहनगर वाराणसी के अस्सी घाट की कहानी लेकर आ रहे हैं। लेकिन जल्द ही पता चल गया कि कहानी एक संवेदनशील और जरूरी मुद्दे पर आधारित है। फिल्म को लेकर निर्देशक का कहना है कि कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से ही प्रेरित है।

लोगों को अब अपराध की गंभीरता से फर्क नहीं पड़ता

बातचीत में अनुभव सिन्हा ने फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि हमारे चारों ओर सूचनाओं की भरमार के कारण, दर्शकों को किसी अपराध की गंभीरता का एहसास कराना कठिन होता जा रहा है। फिर चाहे वह बलात्कार जैसा जघन्य अपराध ही क्यों न हो। अब यह उतना मायने नहीं रखता कि आपकी आंखों के सामने क्या है, बल्कि यह मायने रखता है कि क्या आकर्षक है। आप उससे विचलित हो जाते हैं। इसलिए यह कोई गपशप या सनसनीखेज कहानी हो सकती है, क्योंकि यह अब सनसनीखेज नहीं रह गई है।

बॉक्स ऑफिस नंबर्स गपशप का विषय

बॉक्स ऑफिस नंबर्स और क्रिटिक्स की रेटिंग को लेकर निर्देशक का कहना है कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और समीक्षाओं में स्टार रेटिंग जैसी मामूली बातें भी चर्चा को एक संख्या तक सीमित कर देती हैं। जबकि असल मुद्दा चिंता का विषय होना चाहिए। ये आंकड़े गपशप का अच्छा जरिया हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे समझ रहे होंगे। उन्हें यह समझ नहीं आता कि दुनिया भर में कुल कमाई, भारत में कुल कमाई और भारत में शुद्ध कमाई क्या होती है। उन्हें यह नहीं पता कि निर्माता को बताई गई रकम का 50% से भी कम मिलता है। 400 करोड़ रुपये, 700 करोड़ रुपये और 800 करोड़ रुपये जैसे आंकड़े तो बहुत ही महत्वाकांक्षी लगते हैं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक इन आंकड़ों को गंभीरता से नहीं लेंगे। अगर मैं कर सकता तो मैं अपने आंकड़े घोषित नहीं करता, चाहे वे कितने भी अच्छे या बुरे क्यों न हों। लेकिन मैं इसे नहीं रोक सकता।

कोर्टरूम के अंदर के माहौल से असल में हुआ वाकिफ

कोर्टरूम को लेकर अनुभव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मेरी दो वरिष्ठ महिला वकील दोस्त हैं। हमने उन्हें कहानी सुनाई। उन्होंने कहा, 'आप लोग इतनी गंदी कोर्ट शूटिंग करते हो। आपने कभी कोर्ट देखी है?' मैंने कहा, 'जी हां, सुप्रीम कोर्ट।' तो उन्होंने कहा, 'इसीलिए! आपने वो शांत, परिष्कृत कोर्टरूम देखा है जहां हर कोई चुपचाप सुनता रहता है। लेकिन फिल्म का मामला उस कोर्ट में नहीं जाएगा। अगले ही दिन मैंने नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट का दौरा किया और वहां का नजारा देखकर दंग रह गया। मुझे एहसास हुआ कि मैंने फिल्म 'मुल्क' के कोर्टरूम सीन गलत तरीके से फिल्माए थे। यह कोर्टरूम बहुत भीड़भाड़ वाला और अव्यवस्थित है। मुझे कोर्टरूम की यह शीतलता बहुत पसंद आई। कोर्टरूम अपने काम में इतना मशगूल रहता है जबकि आपका जीवन इस पर निर्भर करता है।

छोटे शहरों में भी देखी जाती हैं 'अस्सी' जैसी फिल्में

अनुभव सिन्हा का मानना है कि वो इस धारणा को तोड़ देंगे कि 'अस्सी' जैसी फिल्में जनता के लिए नहीं होती हैं। उन्होंने अपने जमीनी स्तर के अभियान 'चल सिनेमा चलें' के तहत भारत के 40 दूसरे दर्जे के शहरों का दौरा किया है। उनका कहना है कि यह एक गलत धारणा है। उन्होंने कहा कि अब मैं कह सकता हूं कि दूसरे दर्जे के शहरों में इस तरह की फिल्में नहीं देखी जातीं। वे सिर्फ जवान या कांतारा जैसी फिल्में देखते हैं। बेशक उन्हें वो फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं। लेकिन इन फिल्मों में भी उनकी काफी दिलचस्पी है। दिक्कत ये थी कि हम उन्हें सही तरीके से फिल्म नहीं दिखा पा रहे थे। इसलिए इस बार मेरा पूरा अभियान घर-घर जाकर प्रचार करने पर केंद्रित है। पिछले दो महीनों से हम छोटे शहरों में फिल्म का प्रचार कर रहे हैं।

1000 करोड़ का ठग दुबई से गिरफ्तार : ईडी नसीम को लखनऊ लाएगी

लखनऊ (एजेंसी)। शाइन सिटी समूह के प्रमोटर और करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित ठगी के मुख्य आरोपी राशिद नसीम को दुबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भारतीय एजेंसियों के अनुरोध पर की गई। अब प्रर्वतन निदेशलय (ईडी) की टीम नसीम को दुबई से लखनऊ लाने की तैयारी में है। लगभग 10 महीने पहले लखनऊ की विशेष अदालत ने राशिद को भगौड़ा घोषित किया था। राशिद नसीम और उसकी कंपनियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में करीब 554 एफआईआर दर्ज हैं। आरोप है कि निवेश के नाम पर लोगों से 800 से 1000 करोड़ रुपये तक की ठगी की गई। निवेशकों को ऊंचे और आकर्षक रिटर्न का लालच दिया गया, लेकिन 2019 में राशिद देश छोड़कर दुबई फरार हो गया। दुबई पुलिस ने ईडी और ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर नसीम को गिरफ्तार किया। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय एजेंसियों के समन्वय से उसकी लोकेशन ट्रेस की गई थी। सरकारी एजेंसियां पहले ही राशिद और उससे जुड़ी कंपनियों की सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कर चुकी हैं। 2021 में सामने आए ऑडियो में राशिद ने दावा किया था कि सरकार उसकी करीब 500 करोड़ रुपये की संपत्ति कब्जे में ले चुकी है, जिसकी मौजूदा कीमत करीब 1000 करोड़ रुपये बताई जाती है। उसी ऑडियो में करीब 300 करोड़ रुपये किसानों और ब्रोकरों के बीच फंसे होने की बात कही गई थी। जमीन सौदों में विवाद और कुछ दलालों के फरार होने से कंपनी कानूनी उलझनों में घिरी रही। हालांकि जांच एजेंसियां इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि कर रही हैं। राशिद और उसके भाई आसिफ पर गृह विभाग ने 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पहले यह इनाम 50-50 हजार रुपये था। कंपनी से जुड़े पांच अन्य आरोपियों पर भी एक-एक लाख रुपये का इनाम रखा गया है। आसिफ को पहले ही प्रयागराज से गिरफ्तार किया जा चुका है। कोर्ट के आदेश पर ईओडब्ल्यू और ईडी जांच आगे बढ़ा रहे हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि राशिद दुबई में बैठकर पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। 2018 में नेपाल में गिरफ्तारी और जमानत के बाद वह दुबई पहुंचा था। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद बड़े वित्तीय नेटवर्क और ठगी की रकम विदेश भेजने के चैनलों का खुलासा होने की उम्मीद है।

केजरीवाल को मिली राहत, तेजस्वी ने कहा... दिल्ली में फिर से चुनाव कराए जाएं

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली जाने से पहले तेजस्वी ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजीरवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कथित शराब नीति मामले में कोर्ट से राहत मिलने पर प्रतिक्रिया दी। तेजस्वी ने कहा कि, 'इस फैसले से बीजेपी का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है। यह साफ हो गया है कि किस तरह विपक्षी नेताओं पर राजनीतिक दुर्भावना से मुकदमे होते हैं।' तेजस्वी ने आरोप लगाया कि, 'केंद्र संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग अपने चुनावी फायदे के लिए कर रही है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने के लिए हो रहा है।' उन्होंने मांग किया है कि दिल्ली में फिर से चुनाव कराए जाएं। तेजस्वी ने कहा कि, 'सिर्फ केजरीवाल ही नहीं, बल्कि पिता लालू यादव और राहुल गांधी के खिलाफ भी राजनीतिक साजिश के तहत कार्रवाई की गई। उन्होंने भरोसा जताया कि वे और उनकी पार्टी भी कानूनी लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि न्यायपालिका से उन्हें भी इंसाफ मिलेगा। उन्होंने कहा कि, 'लोकतंत्र में न्यायपालिका पर जनता का विश्वास सबसे बड़ा सहारा है और सच की जीत तय है।'

माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई की गोली मारकर हत्या... बाइक सवार हमलावार फरार

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या की गई। वारदात शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे हुई, जब वहां कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। तभी दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उससे पहले ही पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने शोयब को मृत घोषित किया। वारदात लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील किया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटाया है। बॉबी पर हत्या, रंगदारी और गैंगवार से जुड़े 12 मुकदमे दर्ज थे। सूत्रों के मुताबिक, मुख्तार की मौत के बाद गैंग के भीतर वर्चस्व की लड़ाई और आपसी रंजिश चल रही थी। शोएब वकील भी था। करीब 15 साल से कचहरी में वकालत कर रहा था। हत्या के विरोध में वकीलों ने पहले जिला अस्पताल में हंगामा किया। काफी देर तक जिला अस्पताल में हंगामा करने के बाद वकीलों ने बस अड्?डे के सामने सड़क पर जाम लगा दिया।

चंडीगढ़ में स्कूलों और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शहर में कई शिक्षण संस्थानों और पंजाब सचिवालय को बम धमाके की धमकी देने वाले ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी में अगले दो दिनों में बम फोड़ने की चेतावनी दी गई थी। ईमेल में प्रमुख निशाना बनाए गए स्कूल थे डीपीएस स्कूल, संत कबीर स्कूल और विवेक हाई स्कूल सेक्टर-38। धमकी मिलते ही स्कूलों के प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। स्कूल परिसरों को खाली कराया गया और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। पुलिस की साइबर सेल ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हुई है। सचिवालय परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने वालों की सख्ती से जांच की जा रही है। पुलिस ने आम नागरिकों और अभिभावकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध सूचना की तुरंत पुलिस को सूचना दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। करीब एक महीने पहले भी शहर के लगभग 30 स्कूलों को इसी तरह धमकी ईमेल प्राप्त हुई थी।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव अचानक पहुंचे नई दिल्ली, पीयूष गोयल के साथ की लंच मीटिंग

-बैठक का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक टैरिफ के फैसले को अमान्य घोषित किए जाने के कुछ ही दिनों बाद, अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने नई दिल्ली का अचानक दौरा किया। गुरुवार को उन्होंने भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ लंच पर मीटिंग की। इस बैठक का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और मंत्री पीयूष गोयल दोनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की पुष्टि की। सर्जियो गोर ने तीनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- हॉवर्ड लुटनिक और पीयूष गोयल के साथ एक बेहद शानदार लंच। हमारे दोनों राष्ट्रों के लिए सहयोग के ढेरों क्षेत्र मौजूद हैं। पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने व्यापार और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने के लिए बहुत ही फलदायी चर्चा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

आधिकारिक मुलाकात के बाद लुटनिक जोधपुर के लिए रवाना हो गए। सूत्रों के मुताबिक वे वहां टेक एग्जीक्यूटिव निकेश अरोड़ा की बेटी आयशा अरोड़ा और आइस हॉकी स्टार जैक ह्यूजेस की शादी में शामिल होने गए हैं। यह बैठक भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के लिहाज से एक बेहद नाजुक समय पर हुई है। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करके लगाए गए राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत की पूरी समय-सीमा को बदल कर रख दिया है।

संवैधानिक मामलों के विशेषज्ञ के मुताबिक टैरिफ पर भारत-अमेरिका की कोई भी द्विपक्षीय व्यवस्था अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई संवैधानिक सीमाओं के भीतर ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरों पर सहमत होने का कार्यपालिका का अधिकार निरंकुश नहीं है, यह न्यायिक रूप से लागू करने योग्य संवैधानिक सीमाओं के अधीन है। कोई भी टैरिफ प्रतिबद्धता जो वैधानिक शक्तियों को पार करती है या संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करती है, वह कानूनी रूप से टिक नहीं पाएगी और उसे रद्द किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी संवैधानिक ढांचे के तहत, टैरिफ तय करने का अधिकार कांग्रेस के पास है, न कि कार्यपालिका के पास।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर, पन्नीरसेल्वम द्रमुक में शामिल

-पूर्व मुख्यमंत्री ने समर्थकों संग सीएम स्टालिन की मौजूदगी में की औपचारिक एंट्री

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पनीरसेल्वम को वर्ष 2022 में आल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्रकणगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित कर दिया गया था। वह दिवंगत नेता जे जयललिता के विश्वस्त सहयोगी माने जाते थे और पार्टी में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। अन्नाद्रमुक में दोबारा वापसी के उनके प्रयास पिछले तीन वर्षों में सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने नई राजनीतिक दिशा चुनते हुए द्रमुक में शामिल होने का निर्णय लिया। उनके साथ उनके कई समर्थकों ने भी द्रमुक की सदस्यता ली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पनीरसेल्वम के द्रमुक में आने से राज्य की सियासत में नए समीकरण बन सकते हैं। आगामी चुनावी रणनीतियों और गठबंधनों पर इसका प्रभाव पड़ना तय माना जा रहा है।

राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की कांग्रेस नेतृत्व से बेहतर, राज्यवर्धन सिंह राठौर का तंज

जयपुर (एजेंसी)। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में मीडिया से बात कर कांग्रेस और राज्य सरकार के फैसलों पर तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की कांग्रेस नेतृत्व से बेहतर है। उनके अनुसार यदि राजस्थान के कांग्रेस नेता राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की कमान संभाल लें, तब शायद कांग्रेस की स्थिति बेहतर हो सकती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व कमजोर हो चुका है और इसका असर पूरे संगठन पर दिखाई देता है।

राठौड़ ने पंचायत और निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों पर लगी पाबंदी हटाने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नियम करीब 30 साल पहले परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू हुआ था। उनका कहना था कि उस समय जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जागरूकता फैलाने की जरूरत थी, लेकिन अब समाज में पर्याप्त जागरूकता आ चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश के अन्य राज्यों में ऐसा कोई कानून लागू नहीं है, तब केवल राजस्थान में ही इस कानून को जारी रखने का औचित्य क्या है।

विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार की मंशा जनसंख्या बढ़ाने की नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर ऐसा होता, तब भजनलाल सरकार तीन बच्चों वाले माता-पिता को ही चुनाव लड़ने की अनुमति देती, जिससे जनसंख्या तेजी से बढ़ती। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर गलत बयानबाजी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पास ठोस मुद्दों का अभाव है। इसके अलावा उन्होंने राजस्थान में आईपीएल के मुकाबलों के आयोजन को लेकर भी सकारात्मक रुख जताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने आवश्यक कदम उठाए हैं और अन्य खेल आयोजनों की तरह आईपीएल मैचों के सफल आयोजन की पूरी संभावना है।

फिर से सत्ता में लौटने के लिए ममता ने साध लिए युवा और महिला वोटर... दो योजनाएं बनेगी चुनाव में गेंमचेंजर

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारी जोरों पर जारी है। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच दिख रहा है। 294 सदस्यीय विधानसभा में टीएमसी की मजबूत पकड़ है, जबकि भाजपा 77 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। अन्य वाम दलों और नवगठित पार्टियों का गठबंधन चुनावी समीकरण को प्रभावित कर सकता है, लेकिन असली टक्कर युवाओं और महिलाओं के वोट पर केंद्रित है।

इस लेकर ममता बनर्जी ने इस बार दो प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राजनीतिक मोर्चा मजबूत किया है। पहली, पहले से चल रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना, जो 2.42 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सहायता देना है। इस योजना में मासिक सहायता 1,500 रुपये कर दी गई है, और 2021 में महिलाओं के समर्थन ने टीएमसी को निर्णायक बढ़त दिलाई थी। दूसरी, नई 'युवा साथी' योजना, जिसमें 21-40 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को मासिक 1,500 रुपये दिए जाएंगे। न्यूनतम योग्यता 10वीं पास है और आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के नौ दिनों में करीब 78 लाख युवाओं ने आवेदन किया। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस आयु वर्ग के मतदाता कुल वोटरों का करीब 45 प्रतिशत हो सकते हैं, जिससे योजना चुनावी समीकरण बदल सकती है।

वहीं राज्य में सियासी मुद्दों में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) भी अहम है। भाजपा एसआईआर को अपनी रणनीति के तहत लाभकारी मानती है, जबकि ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया को राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने मृत 61 लोगों के परिवारों से एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा कर मानवीय संदेश भी दिया। 2021 में टीएमसी को 49 प्रतिशत वोट शेयर और 213 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 38 प्रतिशत से अधिक वोट और 77 सीटें मिली थीं। इस बार भाजपा घुसपैठ और हिंदुत्व जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। वहीं, ममता की योजनाएं सीधे लाभ पर केंद्रित होने के कारण महिला और युवा वोटरों को आकर्षित करने की संभावना रखती हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम बंगाल का आगामी चुनाव आर्थिक कल्याणकारी योजनाओं और वैचारिक मुद्दों के बीच बेहद रोचक और कड़ा मुकाबला साबित होने वाला है। ममता की दोहरी रणनीति-युवाओं और महिलाओं पर फोकस-भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है और चुनावी समीकरण को नया आकार दे सकती है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पुस्तक मामले में कांग्रेस का आरोप... इसके पीछे खुद पीएम मोदी शामिल

पीएम मोदी सिर्फ दिखावे के लिए नाराजगी दिखा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीईआरटी की 8वीं के किताब में एक चैप्टर को लेकर हुए विवाद में कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावार है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचारवाले मुद्दे पर पीएम मोदी बनावटी आक्रोश दिखाई हैं। कांग्रेस सांसद और उसके संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद विवाद से अलग दिखाने की कोशिश हिपोक्रेसी के अलावा कुछ भी नहीं है।

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट लिखा है, इजरायल में वास्तविक नैतिक कायरता दिखाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी, अब एनसीईआरटी की पुस्तकों के मुद्दे पर बनावटी आक्रोश दिखा रहे हैं। साफ तौर पर डैमेज कंट्रोल की कोशिश के तहत यह संदेश दिया गया है कि वे एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में न्यायपालिका के चैप्टर को लेकर बहुत नाखुश हैं।

दरअसल, इस तरह संकेत मिले हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने (सुप्रीम कोर्ट के स्वत-संज्ञान लेने से पहले) ही कैबिनेट बैठक के दौरान एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका को लेकर विवादास्पद चीजें शामिल करने पर नाराजगी जाहिर कर चुके थे। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने कहा था, आठवीं क्लास के बच्चों को सोशल साइंस के पाठ्य पुस्तक में हम क्या पढ़ा रहे हैं?

लेकिन, कांग्रेस का आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर खुद प्रधानमंत्री मोदी हैं। पार्टी सांसद ने लिखा है, एक दशक से उन्होंने इसतरह के शिक्षाविदों और झोला छाप अकादमिकों के नेटवर्क की अगुवाई की है, जिन्होंने अपने विचारधारात्मक वायरस से पाठ्य पुस्तकों को संक्रमित कर गंभीर नुकसान किया है। यह कोई आकस्मिक चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित वैचारिक घुसपैठ अभियान का हिस्सा है...प्रधानमंत्री मोदी स्वयं नागपुर कम्युनल इकोसिस्टम फॉर रिराइटिंग ऑफ टेक्स्टबुक्स, जो असली एनसीईआरटी है, को दिशा और आकार देते रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम का कहना है, सुप्रीम कोर्ट को नाराज करने वाली पाठ्य पुस्तकों से खुद को अलग दिखाने की उनकी कोशिश सिर्फ एक हिपोक्रेसी है। अब सुप्रीम कोर्ट को अगला तार्किक कदम ये उठाना चाहिए कि वह इस बात की विस्तृत जांच करवाए कि पाठ्य पुस्तकों को किस तरह से फिर से लिखा गया और वे किस तरह ध्रुवीकरण तथा राजनीतिक हिसाब-किताब चुकाने के औजार में बदल दी गईं।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने खुद विषय पर स्वत- संज्ञान लेकर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले चैप्टर की एनसीईआरटी की आठवीं किताब को बैन किया है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगवाई वाली बेंच ने इस विवादित किताब के किसी भी फॉर्म में सर्कुलेशन पर रोक लगा दी है और स्कूल शिक्षा सचिव और एनसीईआरटी चेयरपर्सन को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके खिलाफ न्यायपालिका की अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

केरल के प्रसिद्ध अट्टुकल भगवती मंदिर में है पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनेक परंपराओं और विशिष्टता के कारण मंदिर भारतीय संस्कृति की विविधता और आध्यात्मिक गहराई को और अधिक रोचक बनाते हैं। इन परंपराओं का आधार न तो सामाजिक विवाद है और न ही किसी प्रकार का भेदभाव, बल्कि ये सभी रीति-रिवाज देवी-उपासना, प्रतीकात्मकता और आध्यात्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं।

केरल का प्रसिद्ध अट्टुकल भगवती मंदिर, जिसे अक्सर महिलाओं का सबरीमाला भी कहा जाता है, इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है। यहां हर साल आयोजित होने वाले अट्टुकल पोंगल उत्सव में लाखों महिलाएं देवी की आराधना करने के लिए एकत्र होती हैं। इस दौरान पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित रहता है, क्योंकि यह अनुष्ठान देवी के उग्र, रक्षात्मक और स्त्री शक्ति के सामूहिक रूप का प्रतीक माना जाता है। इसी तरह केरल का चक्कुलाथुकावु मंदिर अपनी अनोखी नारी पूजा के लिए जाना जाता है, जहां महिलाओं को देवी का स्वरूप मानकर पूजा की जाती है और मंच पर स्त्री ऊर्जा ही प्रमुख रहती है।

राजस्थान के पुष्कर में स्थित ब्रह्मा मंदिर में भी कुछ विशेष पूजा स्थलों पर विवाहित पुरुषों का प्रवेश वर्जित है। यह परंपरा पौराणिक घटनाओं से जुड़ी है और सदियों से चली आ रही आस्था के कारण आज भी निभाई जाती है। वहीं असम का मां कामाख्या मंदिर स्त्री-शक्ति और प्रजनन क्षमता के प्रतीक के रूप में पूरे विश्व में अद्वितीय माना जाता है। अंबुबाची मेले के दौरान मंदिर तीन दिनों के लिए बंद रहता है, जिसे देवी के मासिक धर्म का संकेत माना जाता है और इस दौरान पुरुषों के प्रवेश पर भी रोक रहती है। वृंदावन का संतोषी माता मंदिर भी ऐसी ही धार्मिक मान्यता का केंद्र है, जहां कुछ अवसरों पर पुरुषों को गर्भगृह में प्रवेश नहीं दिया जाता और पूजा का पूरा महत्व महिलाओं को ही दिया जाता है।

तमिलनाडु के कुछ भगवती मंदिरों में भी विशेष अनुष्ठानों के समय पुरुषों के प्रवेश पर पारंपरिक रोक रहती है, क्योंकि यहां देवी को कुंवारी रूप में पूजा जाता है, जिसका संबंध पवित्रता और स्वतंत्र स्त्री शक्ति से है। इन मंदिरों की परंपराएं भारत की धार्मिक विविधता को दर्शाती हैं, जहां आस्था और आध्यात्मिकता का हर रंग अपनी अनूठी मान्यता के साथ मौजूद है। मालूम हो कि भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरों में जहां एक ओर कुछ मंदिरों में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की चर्चा होती है, वहीं दूसरी ओर देश में कई ऐसे मंदिर भी हैं जहां पुरुषों को विशेष अवसरों पर या मंदिर के कुछ हिस्सों में प्रवेश की अनुमति नहीं होती।

2007 के सफल फॉर्मूले के साथ 2027 में उतरेगी बसपा... मायावती का ब्राह्मण-दलित गठजोड़ पड़ेगा किस पर भारी

लखनऊ (एजेंसी)। साल 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं बसपा ने प्रत्याशियों की घोषणा का काम भी शुरू कर दिया है। साल 2007 के चुनाव में मायावती ने जिस सोशल इंजीनियरिंग के दम पर यूपी की सत्ता में वापसी की थी, अब उसी फॉर्मूले को 2027 में फिर से करने की कोशिश कर रही है। 2007 में वह परंपरागत दलित वोटों के साथ-साथ ब्राह्मण वोटरों को लेकर मैदान में उतरीं और इस सोशल इंजीनियरिंग ने विपक्षी दलों को चुनावी रण में धूल चटा दी थी। अब मायावती उसी फॉर्मूले को फिर आजमाना चाहती है। मायावती पिछले 3 महीने में हुई सभी बैठकों में यह बात कहती रही हैं कि ब्राह्मण-दलित गठजोड़ के साथ वे 2027 के विधानसभा चुनाव में उतरेगी और फिर से सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ वापसी करेंगी।

मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी ने यूपी चुनाव के लिए पहला टिकट आशीष पांडेय को दिया है। उन्हें जालौन जिले की माधौगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया गया। माधौगढ़ बीएसपी का गढ़ माना जाता है। पार्टी जल्द ही चुनाव के लिए कई अन्य प्रभारियों के नाम का भी ऐलान करेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बीएसपी होली के बाद कानपुर मंडल की 5 और सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर सकती है। चुनाव तारीख के ऐलान से पहले घोषित प्रभारियों को ही पार्टी अपना प्रत्याशी बनाती है। कहा यह भी जा रहा है कि 2027 में बसपा 80 ब्राह्मण उम्मीदवारों को मैदान में उतार सकती है। इसका ऐलान जून तक हो सकता है।

मायावती लगातार ब्राह्मण मुद्दों पर मुखर होकर बोलती रही हैं। बीते दिनों उन्होंने कहा था कि ÷यहां सोचने की असल बात यह है कि उच्च जातियों खासकर ब्राह्मण बिरादरी को जितना आदर-सम्मान, पद और सुरक्षा सभी कुछ बीएसपी प्रमुख की ओर से पार्टी और सरकार के स्तर पर दिया गया, क्या उतना कोई दूसरी पार्टी अथवा सरकार उन्हें दे पायी है?÷ साफतौर से मायावती का यह बयान ब्राह्मण समाज को जोड़ने वाला है।

बीते दिनों चर्चा में आई फिल्म 'घूसखोर पंडत' में ब्राह्मण समाज के कथित अपमान को लेकर मायावती ने नाराजगी जताकर आलोचना की थी। साथ ही यह मांग भी की कि इस जातिसूचक फिल्म पर केंद्र सरकार की ओर से तुरंत बैन लगा देना चाहिए। मायावती ने अपने जन्मदिन पर कहा था कि ब्राह्मणों का सम्मान नहीं हो रहा है। हालांकि समाजवादी पार्टी पूरे मामले पर चुप है और 2027 का इंतजार करने की बात कह रही है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)